The Bridgespan Group
Collaborating to accelerate social impact

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव

डेटा पैक | एनजीओ का सर्वे 2020 और 2025

विषय सूची

यूज़र गाइड

2025 एनजीओ सर्वे डेटा

2020 एनजीओ सर्वे डेटा

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया एक बहुवर्षीय, सहकारी पहल है जिसका उद्देश्य भारत के एनजीओ क्षेत्र को और सक्षम और मजबूत बनाना है

- फंडर्स और उनके एनजीओ पार्टनर्स समाज की सबसे ज़रूरी समस्याओं पर प्रगति के लिए प्रतिबद्ध हैं ।
  - फिर भी, एनजीओ की 'ट्रू कॉस्ट' — कोर लागत (ग़ैर-प्रोजेक्ट या प्रशासनिक खर्च), संस्थागत विकास (ओडी), वित्तीय स्थिरता, और प्रोग्राम से जुड़े खर्चों — की लगातार कम फंडिंग उस सामाजिक प्रगति को धीमा देती है जिसके लिए फंडर्स और एनजीओ मेहनत करते हैं।
- पीडब्ल्यूआईटी इंडिया पहल का उद्देश्य फंडर्स, एनजीओ और सहयोगी संगठनों की सोच और कार्य-प्रणालियों को सूचित और प्रभावित करना है, ताकि वे पाँच सिद्धांतों को आगे बढ़ाएं और भारत में एक मजबूत एवं सक्षम एनजीओ क्षेत्र का निर्माण हो सके |

फंडर और एनजीओ के बीच बहुवर्षीय साझेदारी बनाना

लंबे समय के लिए पार्टनर बनें और एनजीओ के साथ आपसी भरोसा बनाएँ

फंडर द्वारा कोर लागत के लिए उचित योगदान देना

एनजीओ के रोज़मर्रा के कामकाज के खर्चों में अपना योगदान दें

ऑर्गेनाइजेशनल डेवलपमेंट (ओडी) या संस्थागत विकास में निवेश करना

महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एनजीओ के विकास को समर्थन दें

वित्तीय स्थिरता बढ़ाना

रिज़र्व या कॉर्पस फंड में योगदान करें, जो एनजीओ के लिए सुरक्षा कवच का काम करता है

डायवर्सिटी, इक्विटी, एंड इन्क्लूज़न (विविधता, समानता और समावेशन) के सिद्धांतों को लागू करना

वंचित व्यक्तियों और समुदायों की ज़रूरतों को पहचानें और उन्हें पूरा करें

इस इनिशिएटिव को सपोर्ट करने के लिए, द ब्रिजस्पैन ग्रुप ने 2020 में और फिर 2025 में एनजीओ प्रमुखों के सर्वेक्षण किए। इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य सेक्टर में 'ट्रू-कॉस्ट फंडिंग' के तरीकों के उपयोग और उनके विकास को समझना था | साथ ही उन चुनौतियों को उजागर करना भी था, जिनका सामना एनजीओ अपनी ट्रू-कॉस्ट की ज़रूरतें पूरी करते समय करती हैं।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स शब्दावली

- **ट्रू-कॉस्ट:** किसी एनजीओ संस्था को चलाने में लगने वाला कुल खर्च, जिसे चार हिस्सों में बाँटा जा सकता है: कोर लागत (ग़ैर-प्रोजेक्ट या प्रशासनिक खर्च), ऑर्गेनाइजेशनल डेवलपमेंट (ओडी) या संस्थागत विकास से जुड़े खर्च, रिज़र्व बनाने के लिए फंडिंग और प्रोग्राम से जुड़े खर्च |
- **प्रोग्राम (प्रत्यक्ष / Direct) खर्च:** वे खर्चे जो किसी प्रोजेक्ट / प्रोग्राम / कार्यक्रम को चलाने में किए जाते हैं।
- **कोर लागत (ग़ैर-प्रोजेक्ट या प्रशासनिक खर्च):** कोर लागत को ओवरहेड खर्च या अप्रत्यक्ष लागत भी कहा जाता है। इनमें वे सभी प्रशासनिक या सहायक कार्यों से जुड़े खर्च शामिल होते हैं जो किसी एक विशेष प्रोजेक्ट/प्रोग्राम से सीधे जुड़े नहीं होते — जैसे कि गैर-प्रोजेक्ट कर्मचारियों की सैलरी, मानव संसाधन (HR), फाइनेंस और अकाउंटिंग, फंडरेजिंग, संचार (कम्युनिकेशन्स), मुख्यालय का किराया और केंद्रीय टेक्नोलॉजी से जुड़े खर्च |
- **ऑर्गेनाइजेशनल डेवलपमेंट (ओडी) या संस्थागत विकास:** ओडी के द्वारा उन क्षमताओं में निवेश किया जाता है जिससे एनजीओ मजबूत बने और उनका विकास हो, जैसे कि रणनीति बनाना, फंडरेज़िंग, नेतृत्व क्षमता का विकास (लीडरशिप डेवलपमेंट), आई.टी. (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) क्षमता बढ़ाना आदि । एक बार किए गए ओडी निवेश (जैसे टेक्नोलॉजी संबंधित निवेश) आगे चलकर कोर लागत का हिस्सा बन सकते हैं।
- **कॉर्पस फंड:** वह राशि जो संस्था की वित्तीय स्थिरता के लिए अलग रखी जाती है, ताकि फंडिंग कम पड़ने या किसी संकट की स्थिति में संस्था अपने खर्च पूरे कर सके।
- **रिज़र्व:** यह भविष्य के लिए एकत्रित की गई राशि है। भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के तहत, एनजीओ संगठन अपनी कुल आय का 15 प्रतिशत तक आरक्षित निधि के रूप में जमा कर सकते हैं (इसके अतिरिक्त, बहुवर्षीय परियोजनाओं के लिए कार्यक्रम फंडिंग आगे ले जाने की अनुमति भी होती है)। इसी अधिनियम की धारा 11(2) के अंतर्गत, एनजीओ संगठन 15 प्रतिशत से अधिक धन भी जमा कर सकते हैं, लेकिन इस राशि को अगले पाँच वर्षों के भीतर खर्च करना अनिवार्य होता है।
- **वित्तीय स्थिरता:** एनजीओ को वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए: वित्तीय प्लैन बनाना , विविध श्रेणी के फंडर्स से फंडिंग जुटानी , वित्तीय प्रदर्शन की निगरानी, और रिज़र्व या कॉर्पस फंड बनाने की कोशिश करनी होती है |

शोध प्रक्रिया: 2020 और 2025 में किए गए पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे

		2020 एनजीओ सर्वे	2025 एनजीओ सर्वे
उद्देश्य		• भारतीय एनजीओ की वित्तीय स्थिति और ट्रू-कॉस्ट फंडिंग प्राप्त करने से जुड़ी चुनौतियों को समझना	• 2020 के बाद से ट्रू-कॉस्ट फंडिंग के प्रति सोच और इसे प्राप्त करने के अनुभवों के बदलाव को समझना
प्रक्रिया	**समय**	• डेटा संग्रह और विश्लेषण सितंबर से नवंबर 2020 के बीच किया गया	• डेटा संग्रह और विश्लेषण जून से अगस्त 2025 के बीच किया गया
	उत्तरदाता	• 388 एनजीओ प्रतिनिधि , जिनमें से 22 ने हिंदी में उत्तर दिए	• 460 एनजीओ प्रतिनिधि, जिनमें से 14 ने हिंदी और 2 ने मराठी में उत्तर दिए
	विभिन्नता	• विभिन्न आकार (वार्षिक बजट), क्षेत्रों और समुदायों के लिए काम करने वाले एनजीओ ने भाग लिआ	
सर्वे में पूर्वाग्रह कम करने के प्रयास		• दो भाषाओं (अंग्रेज़ी, हिंदी) में अनेक माध्यमों से सर्वे वितरण • बाहरी विशेषज्ञों और सहयोगी संगठनों से प्रतिक्रिया लेकर निष्कर्षों की पुष्टि की गई	• तीन भाषाओं (अंग्रेज़ी, हिंदी, मराठी) में अनेक माध्यमों से सर्वे वितरण • अलग-अलग माध्यमों से प्राप्त उत्तरों का विश्लेषण, ताकि सर्वे पूर्वाग्रह (bias) जाँचा जा सके • फंडर्स, एनजीओ और सहयोगी संगठनों के साथ प्रारंभिक निष्कर्षों की समीक्षा की गई
सीमाएँ		• सभी उत्तर स्वयं रिपोर्ट किए गए हैं, और स्वतंत्र रूप से सत्यापित या ऑडिट नहीं किए गए • पूर्वाग्रह कम करने के प्रयासों के बावजूद, चयन और स्वयं-रिपोर्टिंग से संबंधित पूर्वाग्रह संभव है • सर्वे एक बड़े अध्ययन का हिस्सा था, जिसमें कुछ एनजीओ का वित्तीय विश्लेषण भी शामिल था; परिणाम उसी समय की स्थिति को दर्शाते हैं	• सभी उत्तर स्वयं रिपोर्ट किए गए हैं, और स्वतंत्र रूप से सत्यापित या ऑडिट नहीं किए गए • पूर्वाग्रह कम करने के प्रयासों के बावजूद, चयन और स्वयं-रिपोर्टिंग से संबंधित पूर्वाग्रह संभव है

पीडब्ल्यूआईटी इंडिया सर्वे डेटा को कैसे समझें और उपयोग करें

पीडब्ल्यूआईटी इंडिया सर्वे डेटा को सही तरह से उपयोग करने के लिए, कृपया नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यान में रखें:

- **समग्र (aggregate) परिणामों की व्याख्या:**
  - परिणामों को अंतिम न मानें, बल्कि दिशा-सूचक के रूप में देखें। डेटा प्रत्येक सर्वे के समय एनजीओ प्रमुखों की सोच और स्वयं-रिपोर्ट की गई प्रणालियों को दर्शाता है।
  - प्रतिशत संख्याएं भावनाओं या राय का संकेत देती हैं, यह सत्यापित या ऑडिट किए गए आँकड़े नहीं हैं। इन वर्षों के बीच छोटे बदलावों को सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं माना जाना चाहिए।
  - प्रश्नों के बीच तुलना (जैसे फंडिंग चुनौतियाँ बनाम संगठन के वार्षिक बजट) से उपयोगी रुझान दिख सकते हैं, लेकिन इन्हें उदाहरणात्मक रूप में देखें, परिणाम दिशा सूचक हैं ।
- **डेटा की सीमाएँ:**
  - यह सर्वे भारत के संपूर्ण एनजीओ क्षेत्र को प्रतिबिंबित करने वाले आँकड़े तैयार करने के उद्देश्य से नहीं किए गए थे |
  - सभी जानकारी स्वयं-रिपोर्ट की गई है और स्वतंत्र रूप से ऑडिट नहीं की गई। वित्तीय या संचालन संबंधी डेटा का भी स्वतंत्र सत्यापन नहीं किया गया है।
  - परिणामों का उपयोग तुलना (benchmarking) या अनुपालन (compliance) के उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए — इन्हें सेक्टर के सीखने, चिंतन और चर्चा के लिए बनाया गया है।
- **स्रोत का उल्लेख:**
  - जब इस डेटा पैक से कोई दृश्य या सारांश उपयोग करें, तो नीचे दिए स्रोत का उल्लेख करें:
    - *पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप* ।
    - *पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप* ।

विषय सूची

यूज़र गाइड

2025 एनजीओ सर्वे डेटा

2020 एनजीओ सर्वे डेटा

2025 के एनजीओ सर्वे में देशभर से 460 एनजीओ ने भाग लिया

मुख्य वर्गीकरण

	संगठन का आकार *(वार्षिक बजट, ₹ में)*	संख्या	%
छोटे	**15 लाख से कम**	42	9%
	15 लाख से 99 लाख	158	34%
मध्यम	**1 करोड़ से 4.99 करोड़**	157	34%
	5 करोड़ से 9.99 करोड़	30	7%
बड़े	**10 करोड़ से 24.99 करोड़**	40	9%
	25 करोड़ से 49.99 करोड़	18	4%
	50 करोड़ या अधिक	15	3%

मुख्यालय का स्थान	संख्या	%
मेट्रो शहर*	137	30%
गैर-मेट्रो शहर	323	70%

नेतृत्व में प्रतिनिधित्व^	संख्या	%
महिलाएँ	211	46%
दलित, बहुजन, आदिवासी (DBA) समुदाय	91	20%
धार्मिक अल्पसंख्यक	59	13%
दिव्यांग व्यक्ति	44	10%
एलजीबीटीक्यूआई+ (LGBTQI+)	6	1%
बताना नहीं चाहते / नहीं जानते	18	4%
इनमें से कोई नहीं	159	35%

नोट: आगे की स्लाइड्स में किया गया विश्लेषण तीन पहलुओं पर कैटेगराइज़्ड है - (i) संगठन का आकार : वार्षिक बजट के आधार पर छोटे, मध्यम और बड़े वर्गों में , (ii) मुख्यालय का स्थान : मेट्रो शहर या गैर-मेट्रो क्षेत्र, और (iii) नेतृत्व में प्रतिनिधित्व : संगठन DBA समुदाय के व्यक्ति द्वारा संचालित है या नहीं।

नोट: *मेट्रो संगठन वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। ^ उत्तरदाता वे सभी श्रेणियाँ चुन सकते थे जो उनके संगठन पर लागू थीं।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 1: आपकी कुल फंडिंग का कितना प्रतिशत ऐसे फंडर्स से आता है जिनके साथ आपकी बहुवर्षीय साझेदारी है ?

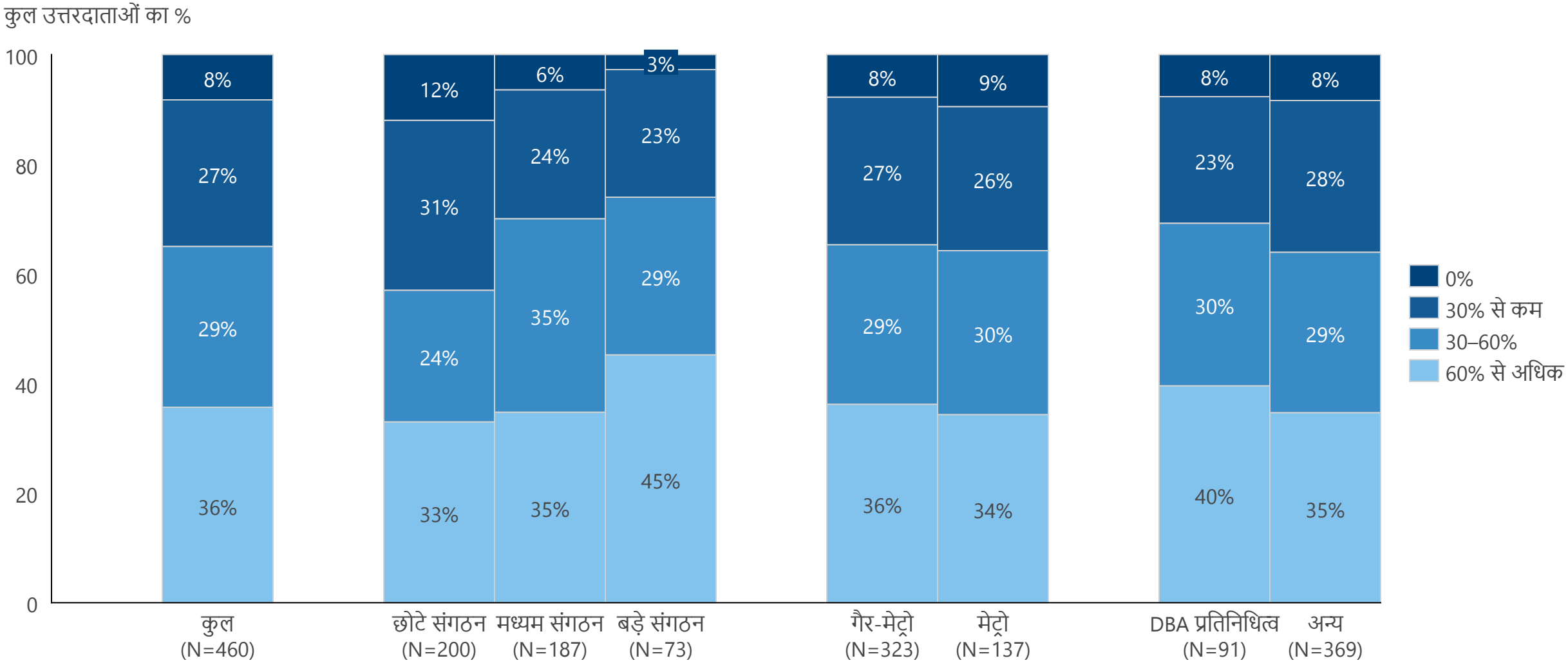

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 2: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) हम अपने मौजूदा या संभावित फंडर्स के साथ बहुवर्षीय साझेदारियाँ बनाने की कोशिश करते हैं |

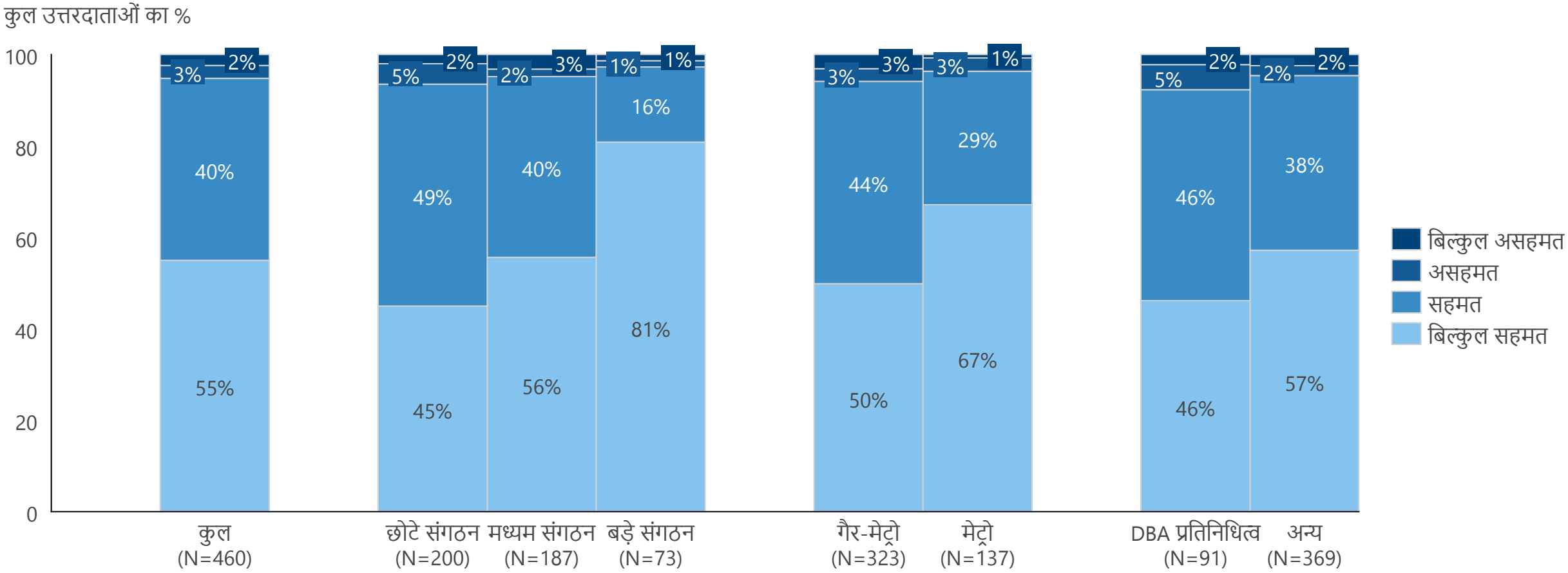

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 2: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) हमारे प्रस्ताव (फंडिंग प्रपोसल) में ये बताया जाता है कि बहुवर्षीय साझेदारियाँ हमें बेहतर परिणाम प्राप्त करने में कैसे मदद कर सकती हैं |

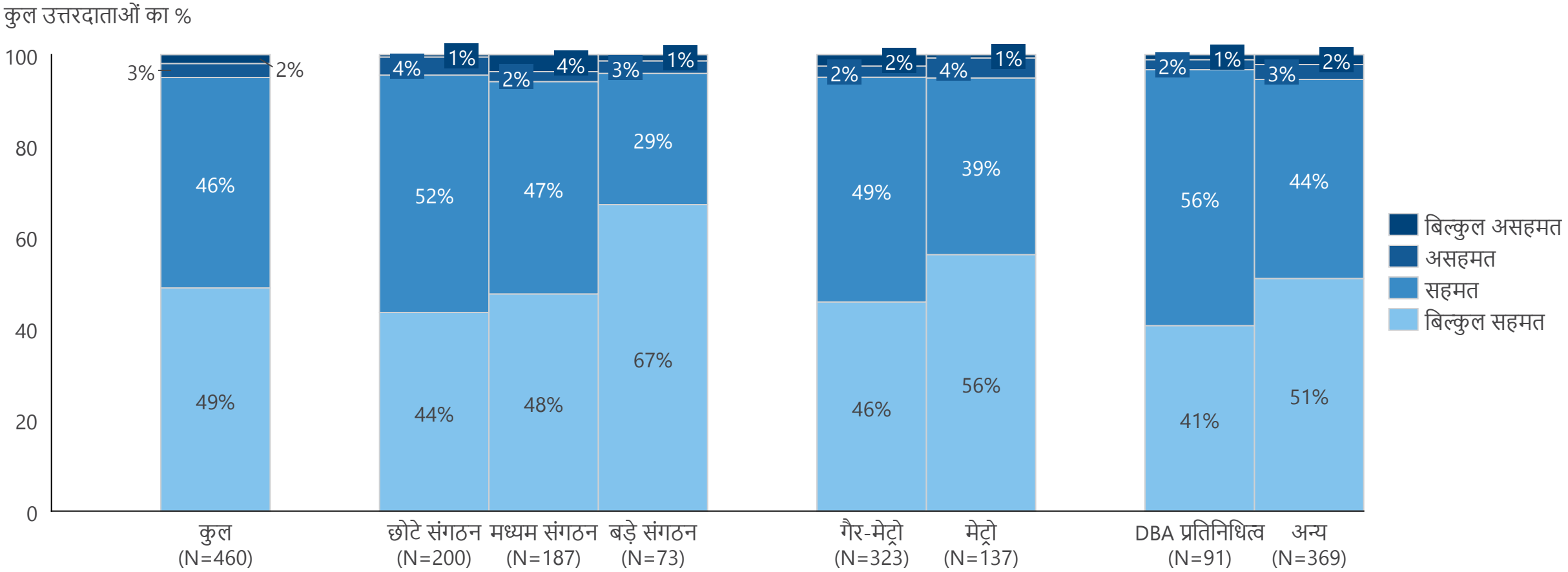

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 2: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(C) ज्यादातर फंडर्स लंबे समय के प्रोग्राम की तुलना में कम अवधि वाले प्रोजेक्ट्स को फंड करना पसंद करते हैं |

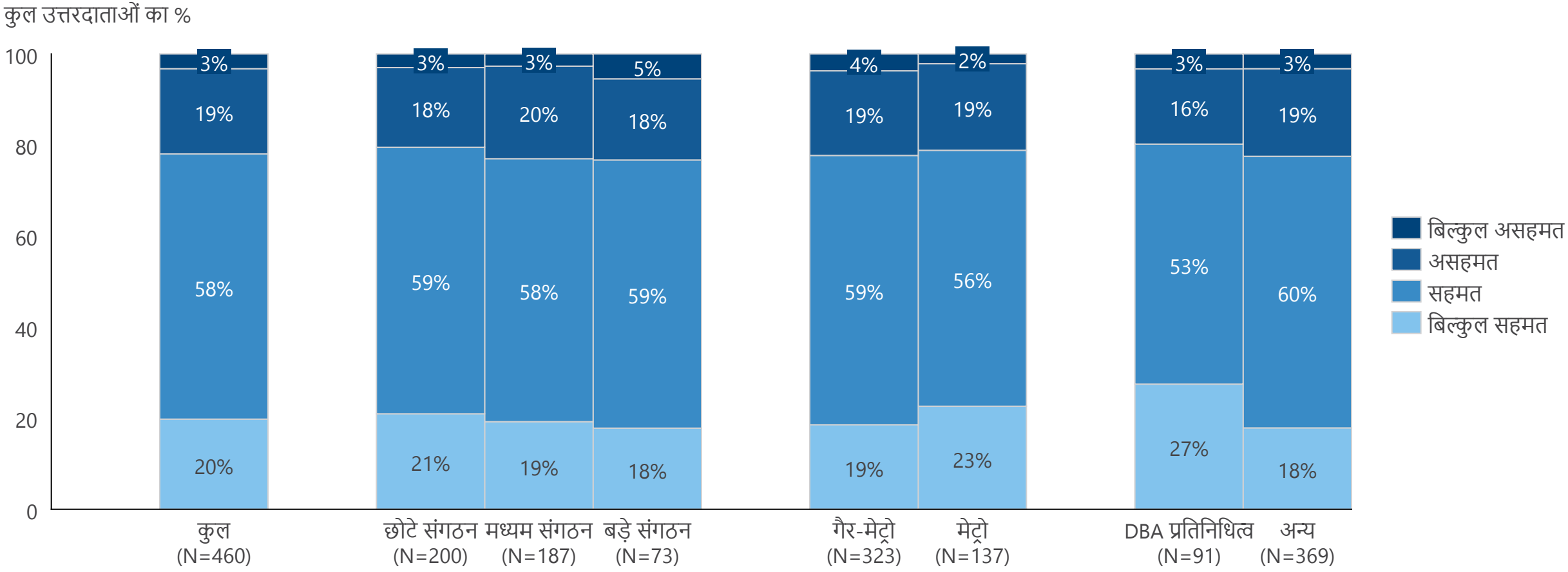

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 2: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(D) अगर हमारे पास बहुवर्षीय (या दीर्घकालिक) फंडिंग का भरोसा हो, तो हम बेहतर प्रोग्राम बना सकते हैं |

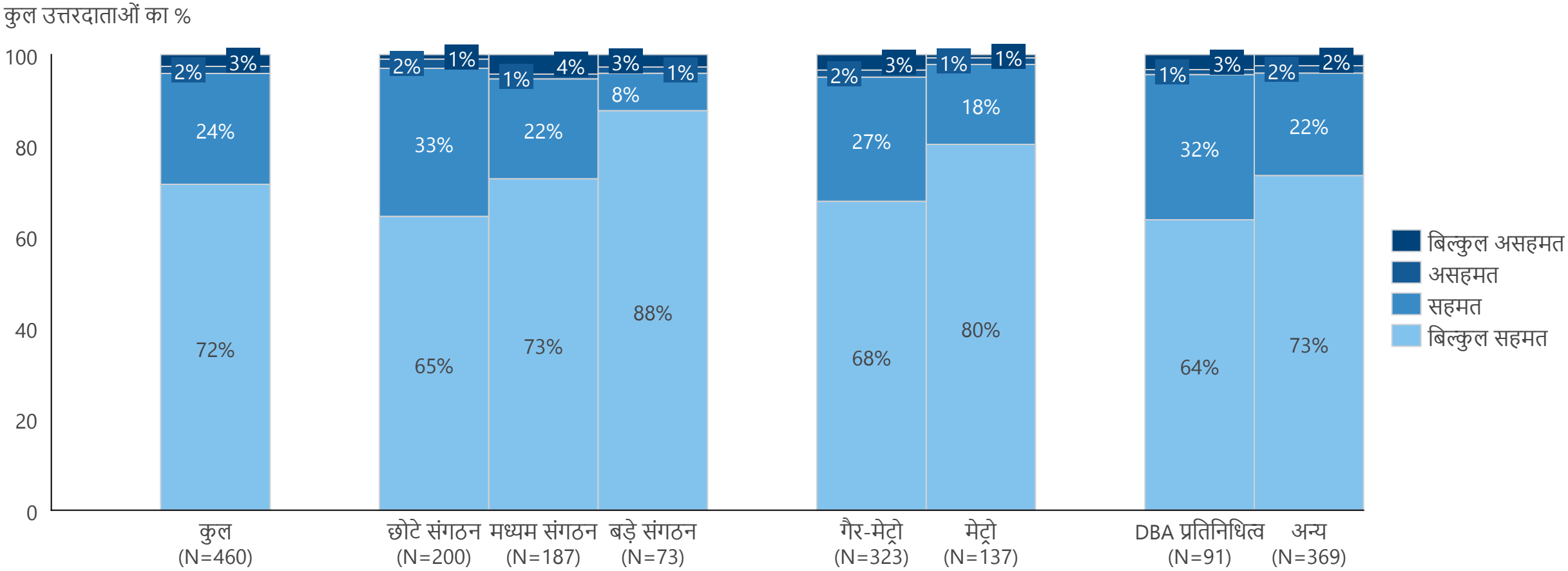

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 2: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(E) फंडिंग के अभाव में हमें प्रोग्रामों / कार्यक्रमों को रोकना या बंद करना पड़ा है |

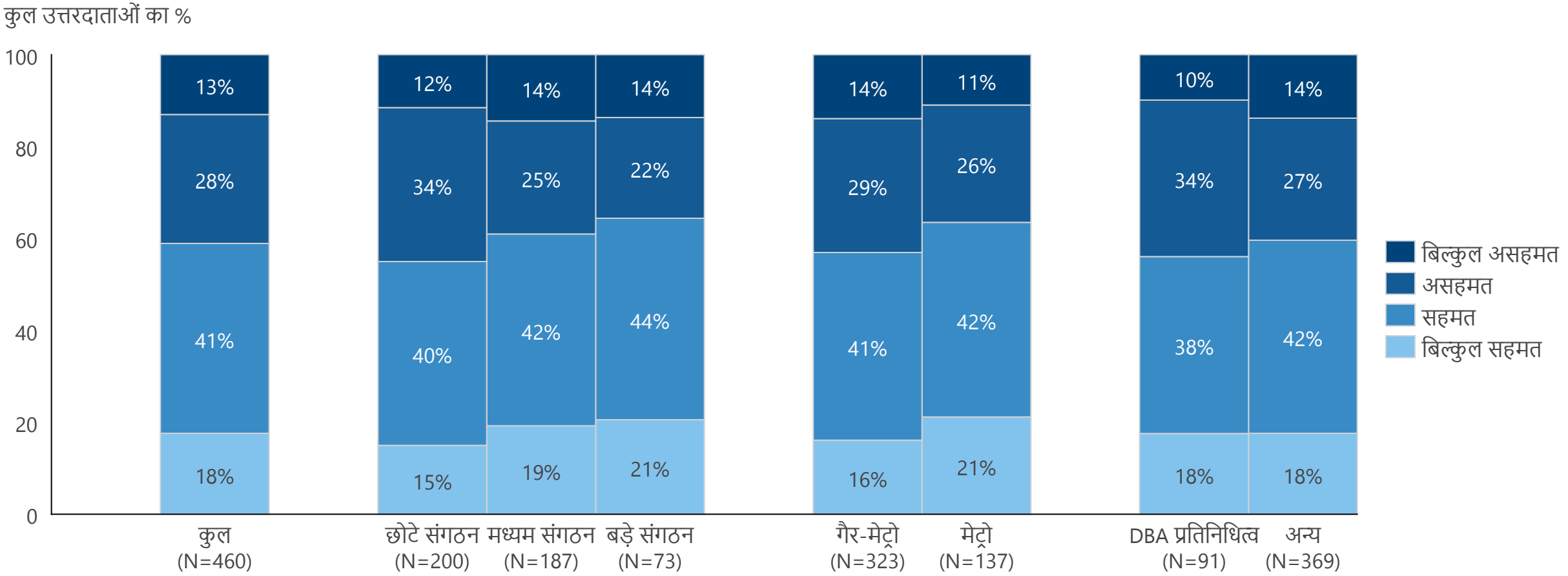

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 3: पिछले तीन वर्षों में, कितने फंडर्स ने आपके संगठन की कोर लागत का उचित (सही अनुपात में) हिस्सा दिया है ?

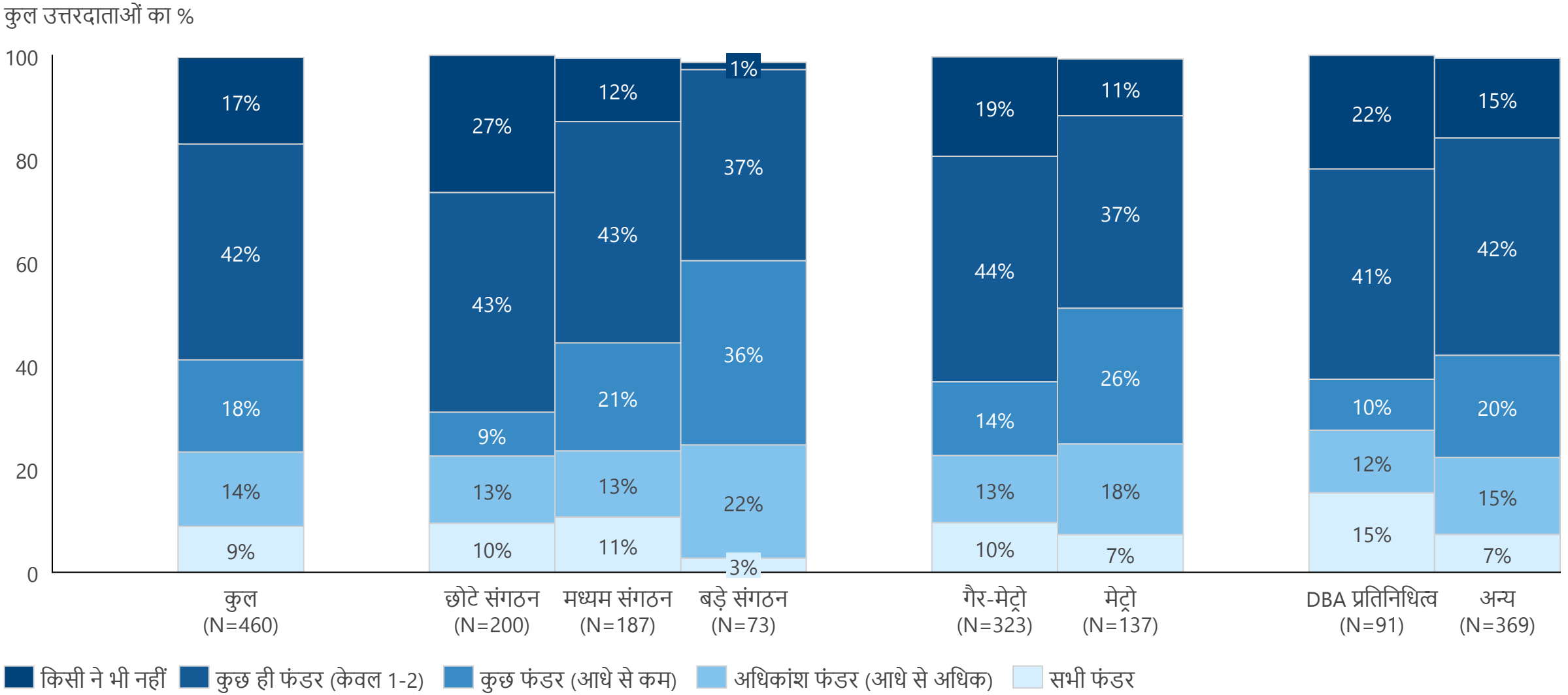

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 4: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) हमने अपनी कोर लागत की ज़रूरतों की सटीक गणना करने के लिए प्रयास किए हैं |

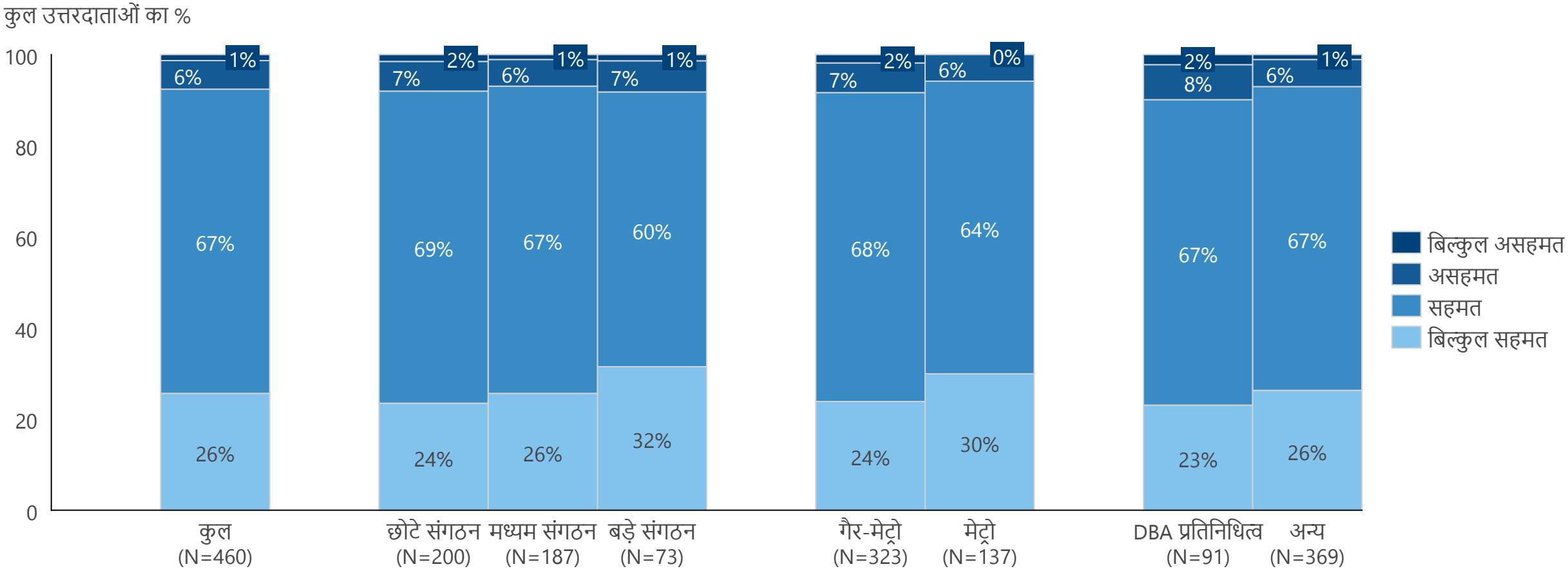

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 4: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) हम अपने प्रस्तावों (फंडिंग प्रपोसल) में फंडर्स को अपनी कोर लागत की आवश्यकताएँ स्पष्ट रूप से बताते हैं |

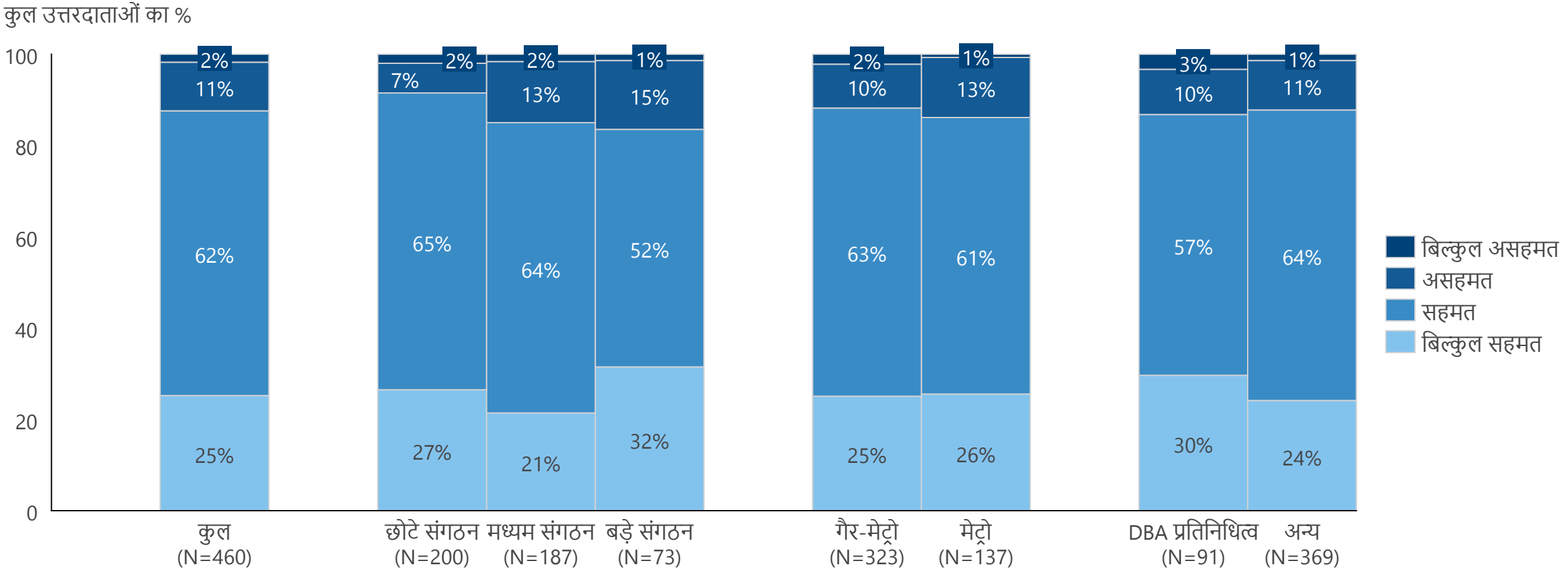

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 4: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(C) हमारे लिए कोर लागत की फंडिंग जुटाना एक चुनौती होती है |

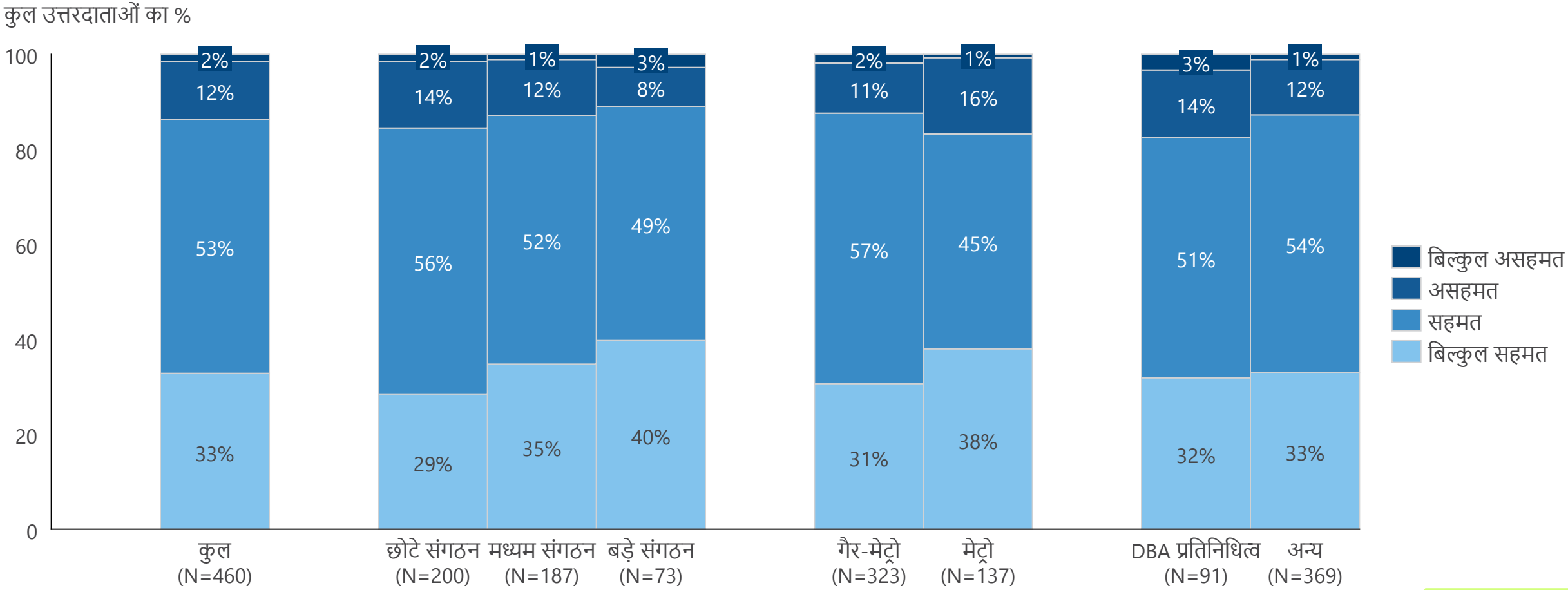

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 4: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(D) कुछ फंडर्स द्वारा कोर लागत के लिए फंडिंग ना मिलने के कारण, हम महत्वपूर्ण विभागों (जैसे वित्त, मानव संसाधन, प्रशासन) में पर्याप्त स्टाफ नियुक्त नहीं कर पाते हैं |

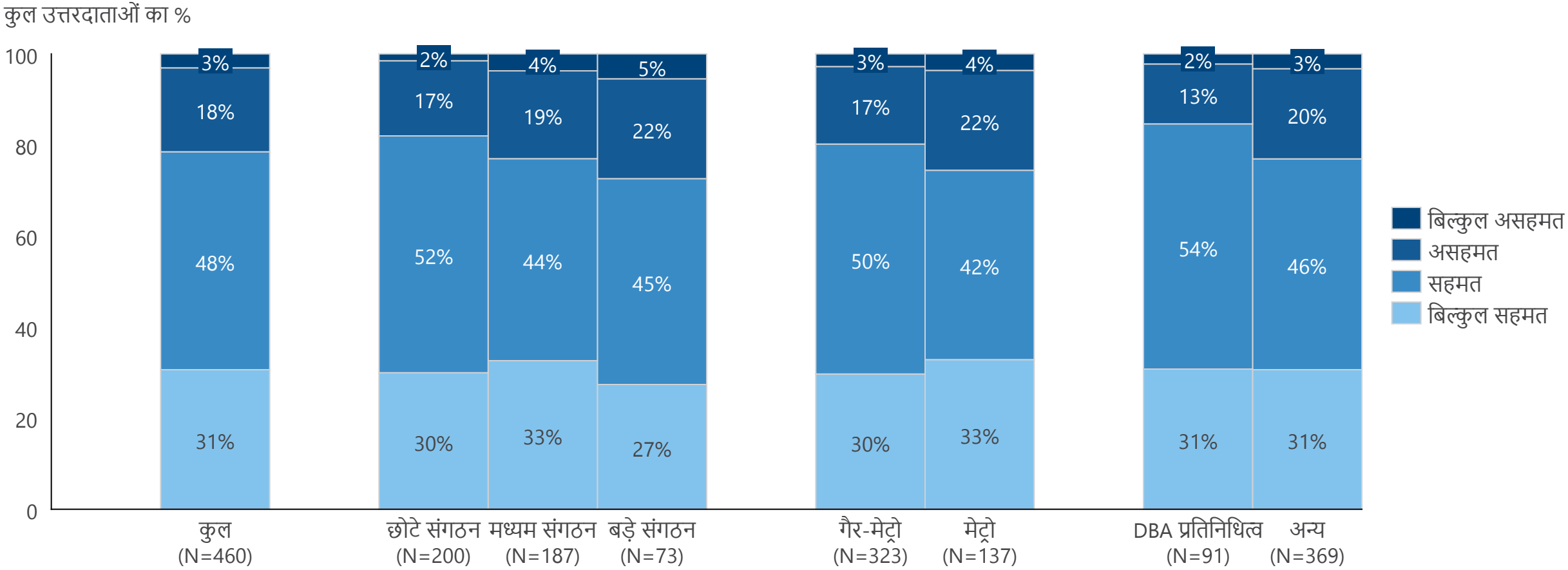

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 4: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(E) कोर विभागों के खर्चों के लिए हमें अक्सर फ्लेक्सिबल फंडिंग का इस्तेमाल करना पड़ता है |

कुल उत्तरदाताओं का %

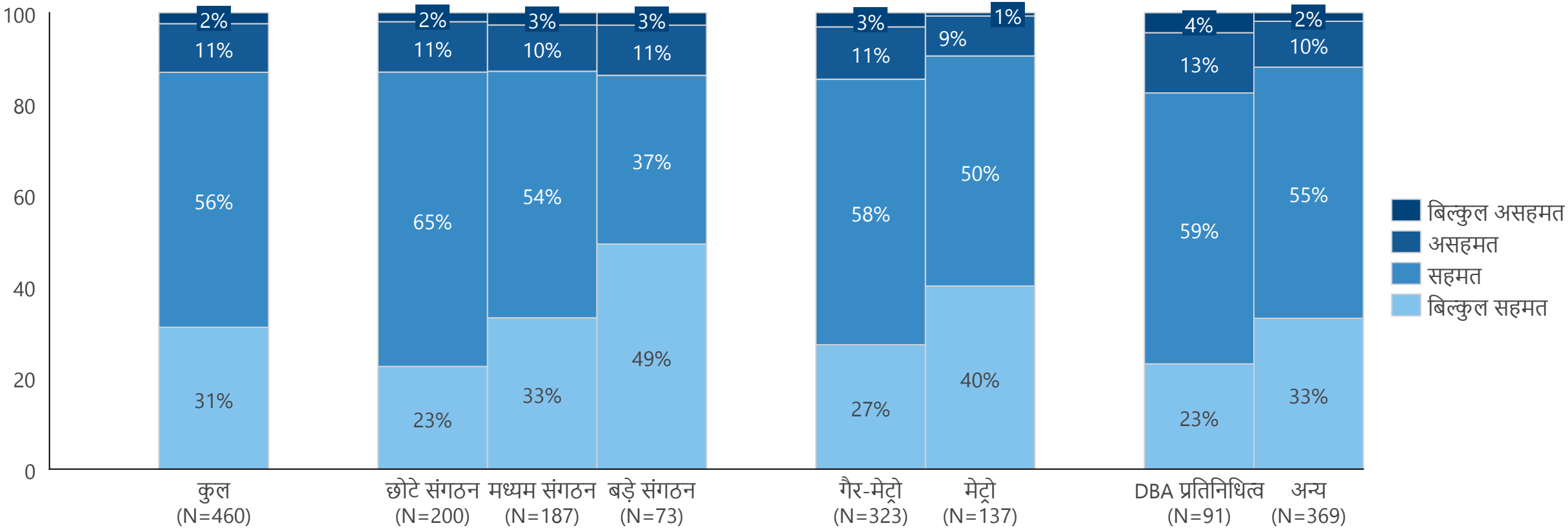

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 5: पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन द्वारा ओडी में किए गए निवेश के स्तर को आप कैसे आंकेंगे ?

कुल उत्तरदाताओं का %

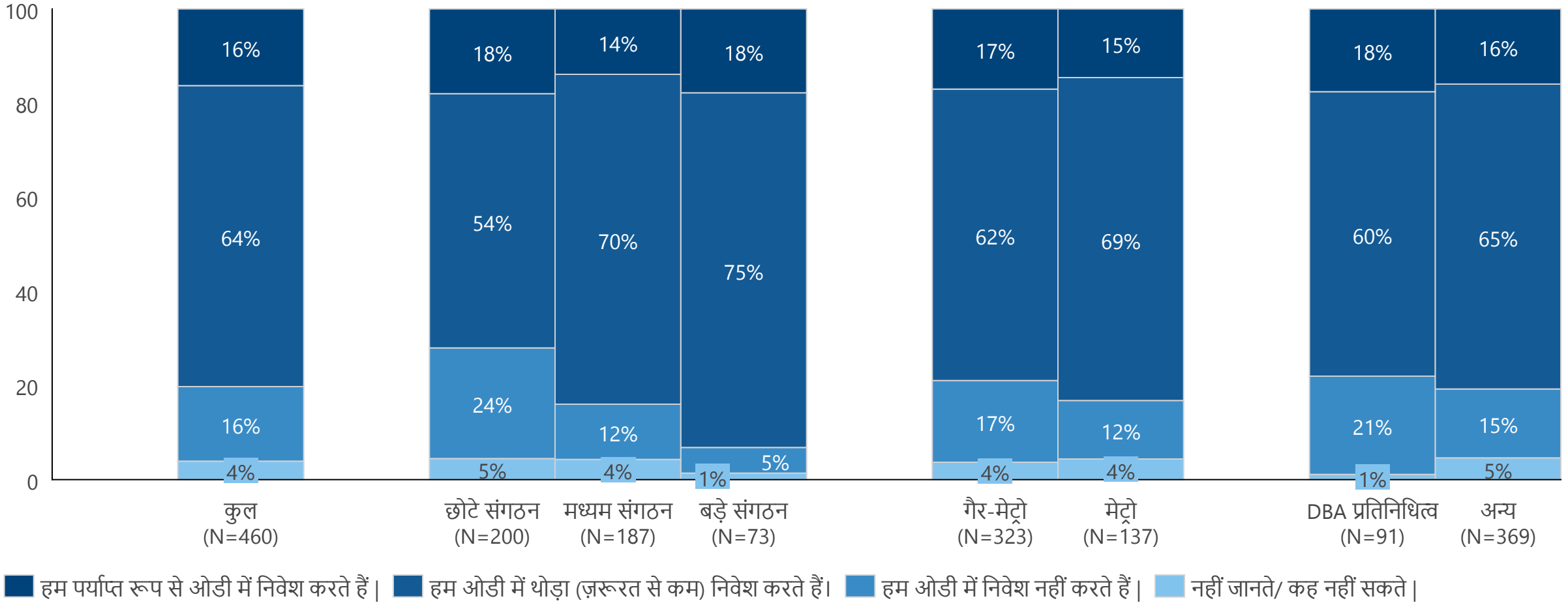

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 6: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) हमने अपनी ओडी संबंधी ज़रूरतों के सही आंकलन के लिए प्रयास किए हैं |

कुल उत्तरदाताओं का %

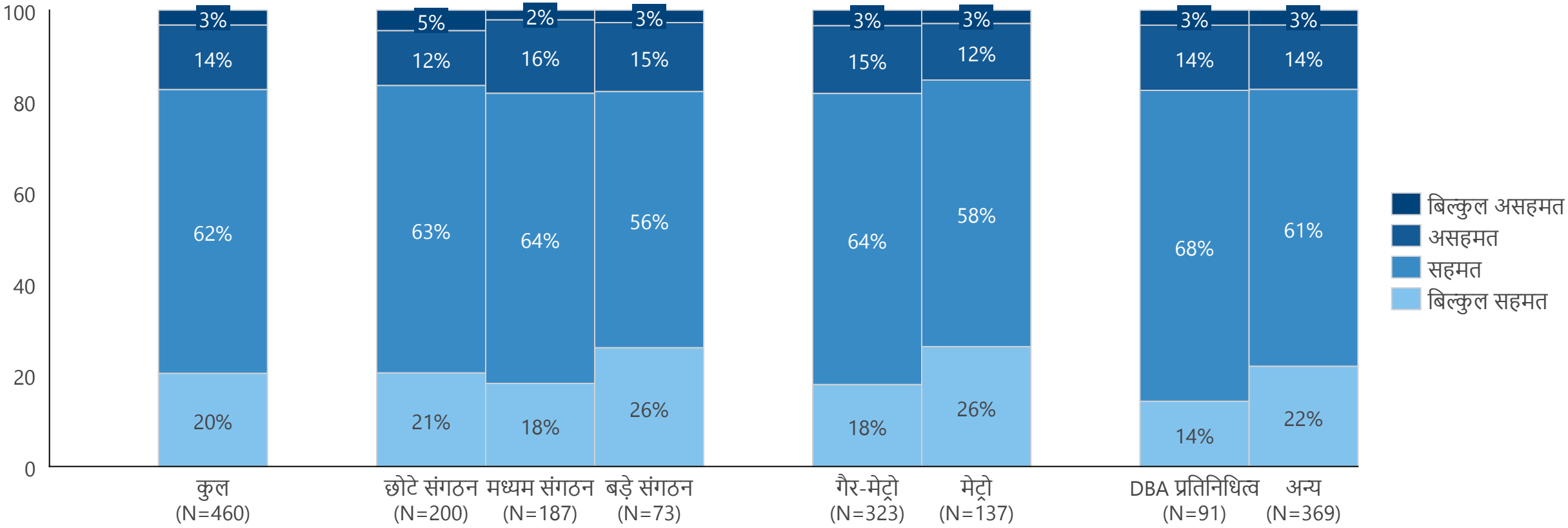

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 6: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) हम अपने प्रस्तावों (फंडिंग प्रपोसल) में फंडर्स को अपनी ओडी जरूरतें और उनको पूरा करने का एक्शन प्लान स्पष्ट रूप से दिखाते है |

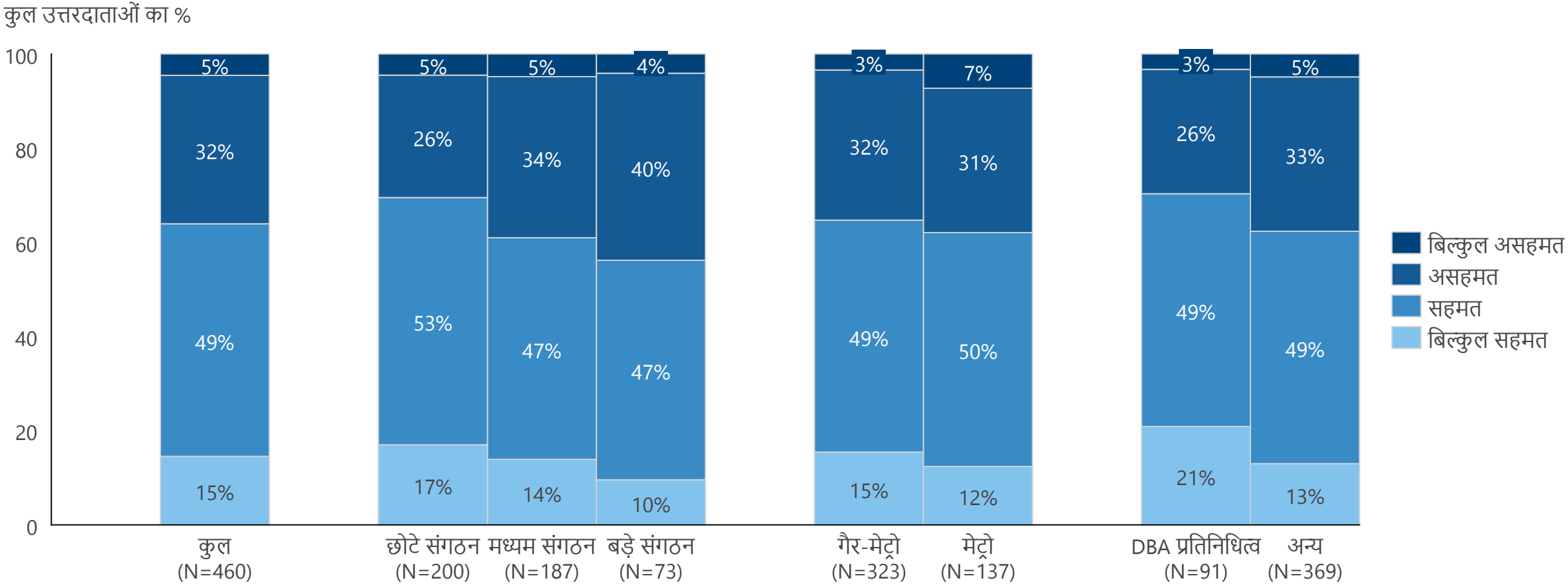

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 6: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(C) प्रोग्राम फंडिंग की अपेक्षा ओडी फंडिंग जुटाने में अधिक समय और संसाधन लगते हैं |

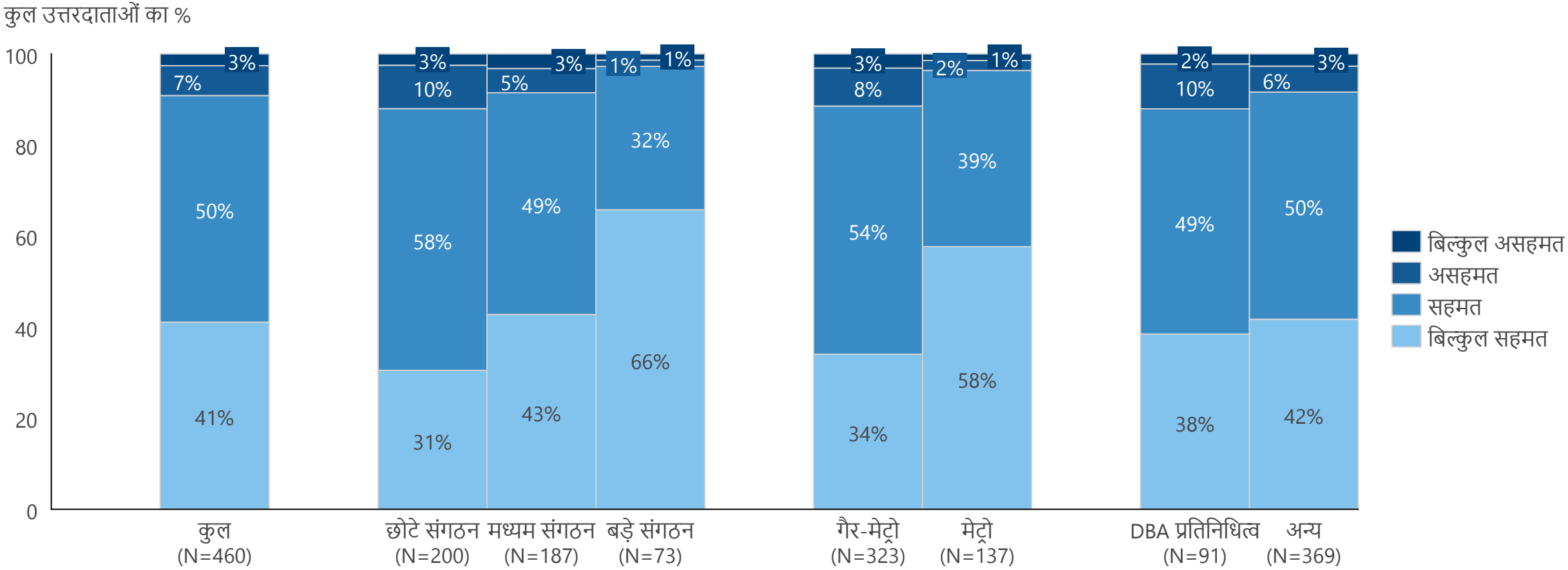

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 6: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(D) हम फंडिंग की कमी के कारण लीडरशिप में एक महत्वपूर्ण पद के लिए नियुक्ति नहीं कर पा रहे थे |

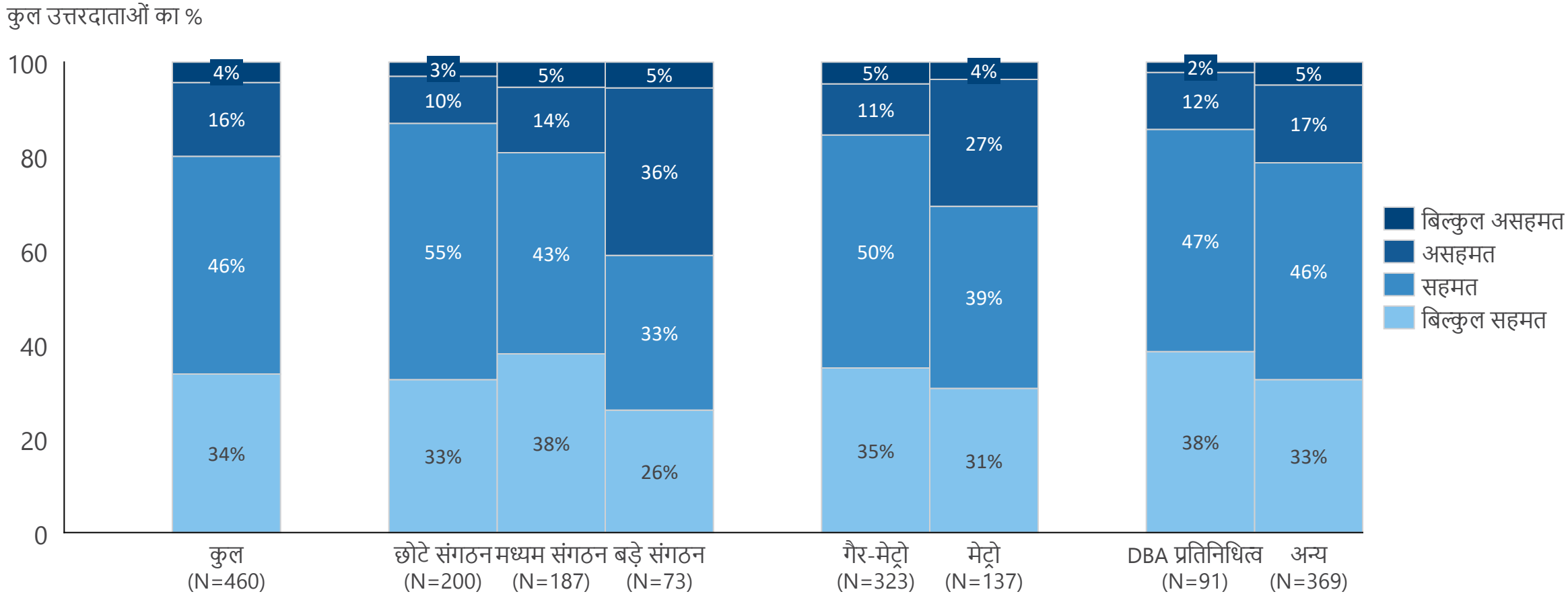

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 6: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(E) फंडिंग की कमी की वजह से हम कुछ ऐसे ओडी निवेश नहीं कर पाए हैं, जिनसे प्रोग्राम्स से बेहतर परिणाम मिल सकते थे |

कुल उत्तरदाताओं का %

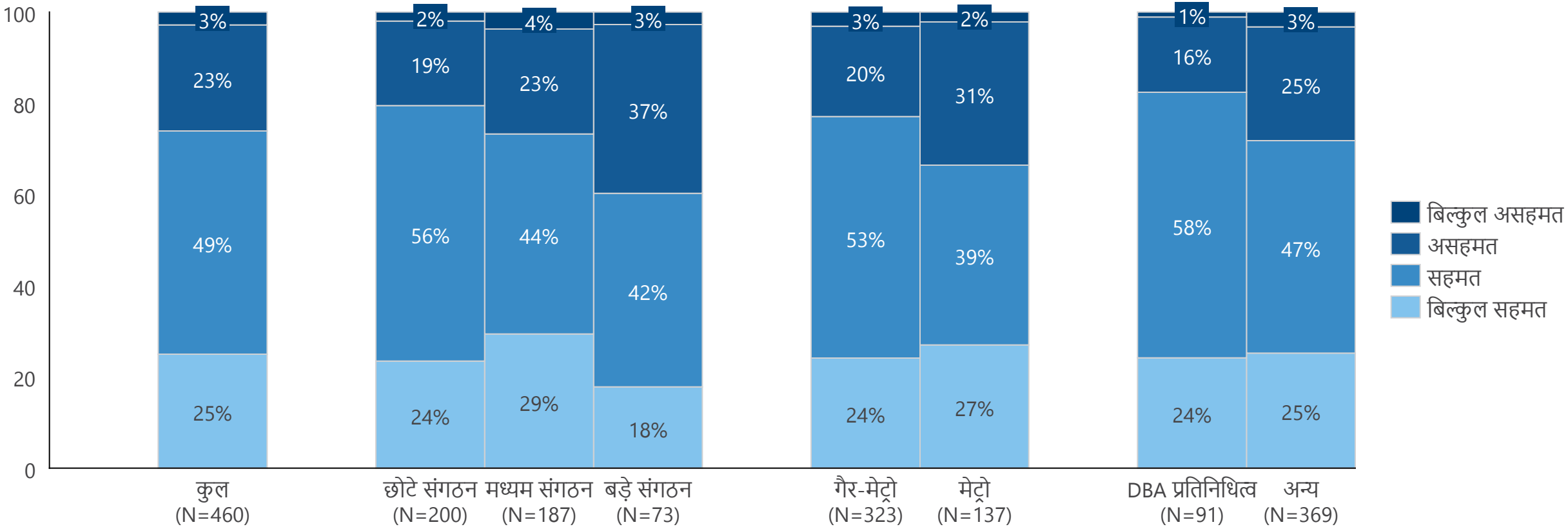

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 6: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(F) समर्पित फंडरेज़िंग टीम के अभाव में हम कई फंडरेज़िंग के अवसरों को गंवा देते हैं |

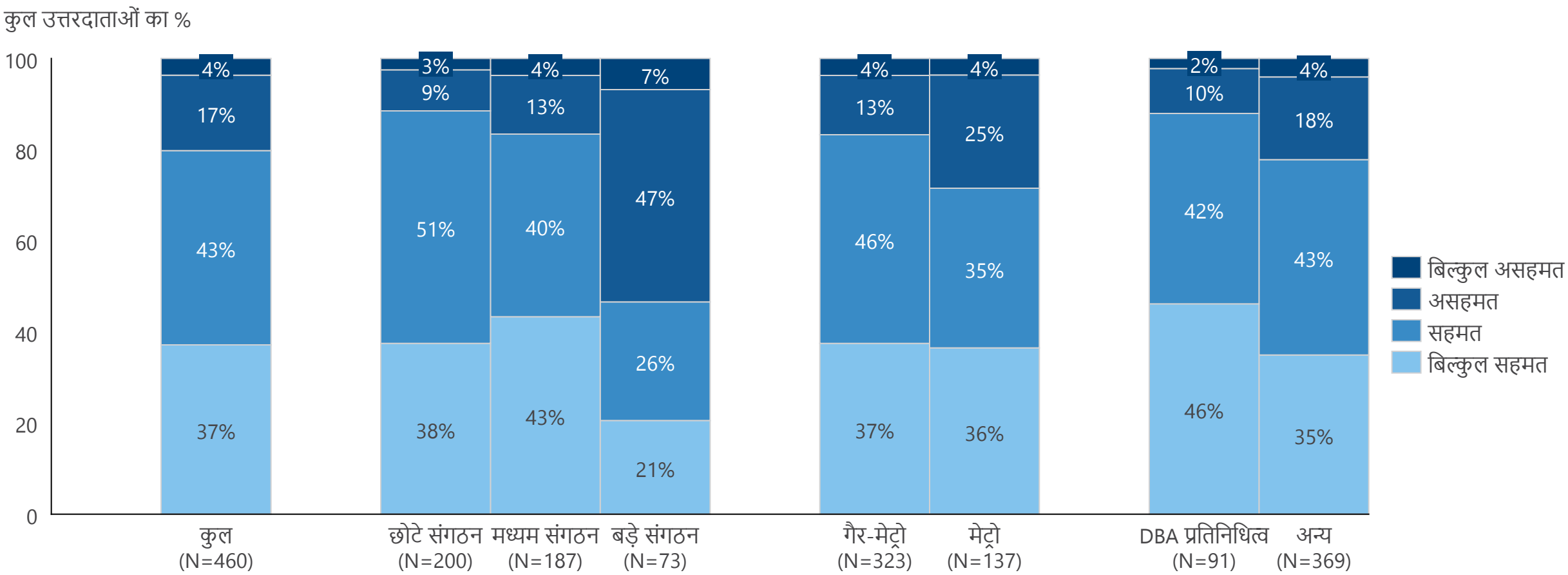

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 6: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(G) फ्लेक्सिबल / अप्रतिबंधित फंडिंग की कमी के कारण हम अपने प्रोग्राम्स में कुछ बेहतर और नया नहीं कर पा रहे हैं |

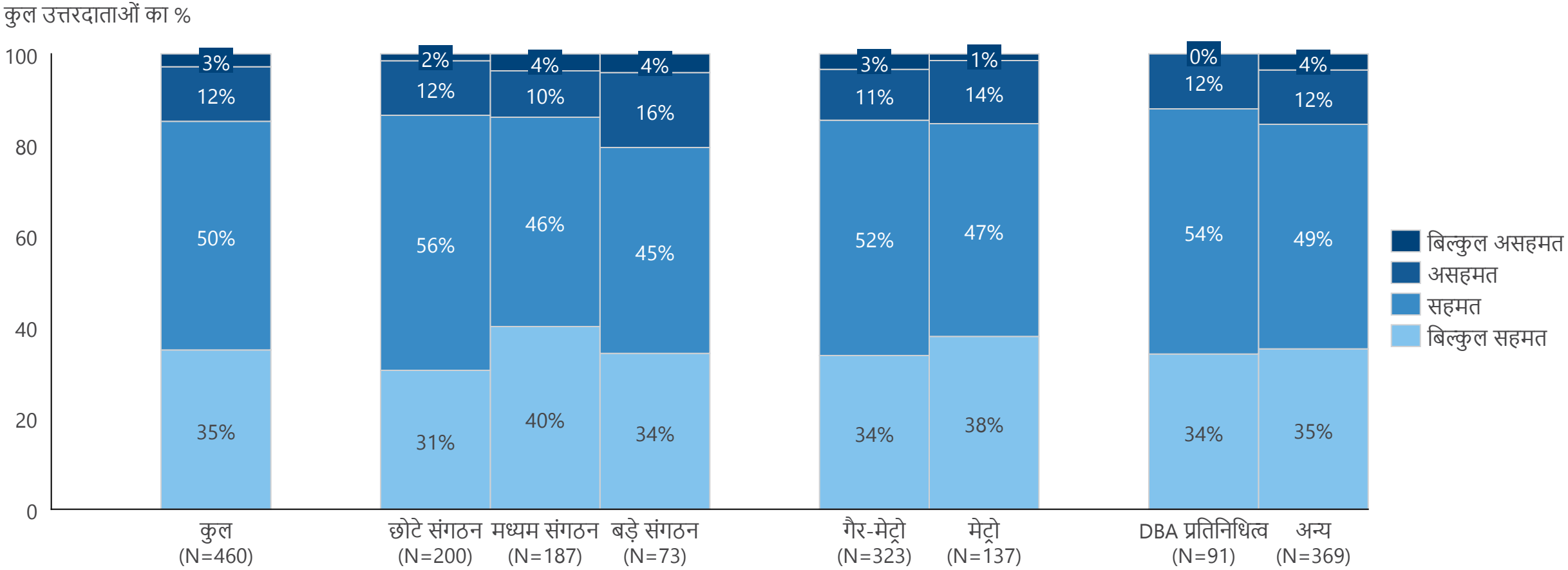

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 7: इस समय, आपके पास कितने महीनों के लिए ऑपरेटिंग रिज़र्व उपलब्ध है ?

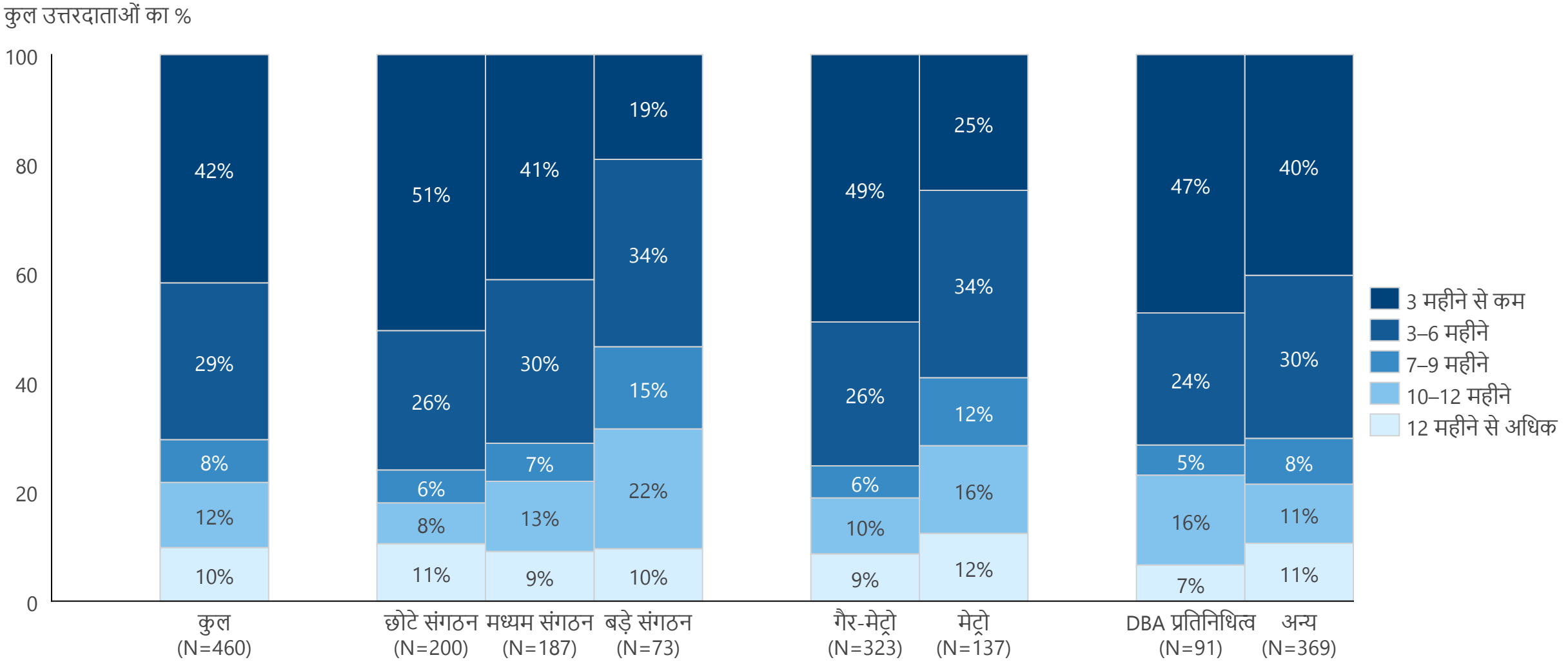

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 8: पिछले तीन वर्षों में, आपके संगठन के पास वर्ष के अंत में कितनी बार ऑपरेटिंग सरप्लस बचा है ?

कुल उत्तरदाताओं का %

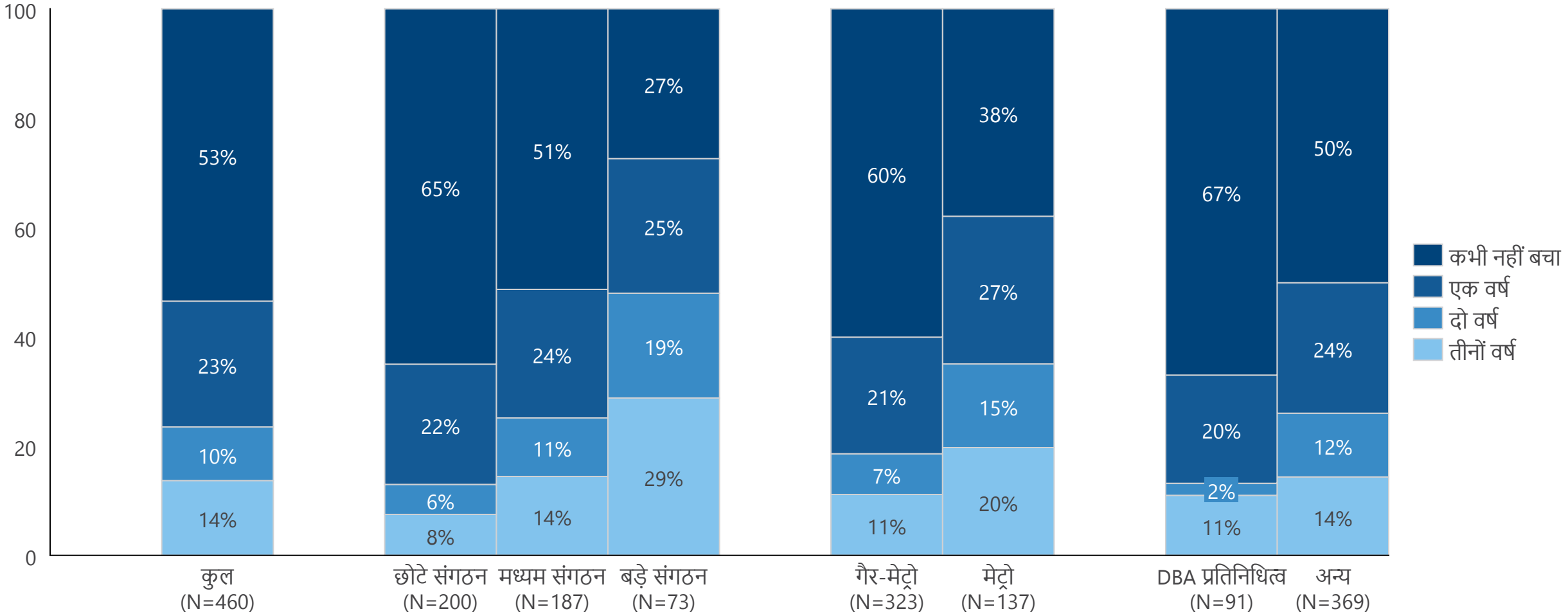

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2020 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 9: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) हम सक्रिय रूप से अपना रिसर्व फंड बनाने की कोशिश करते हैं |

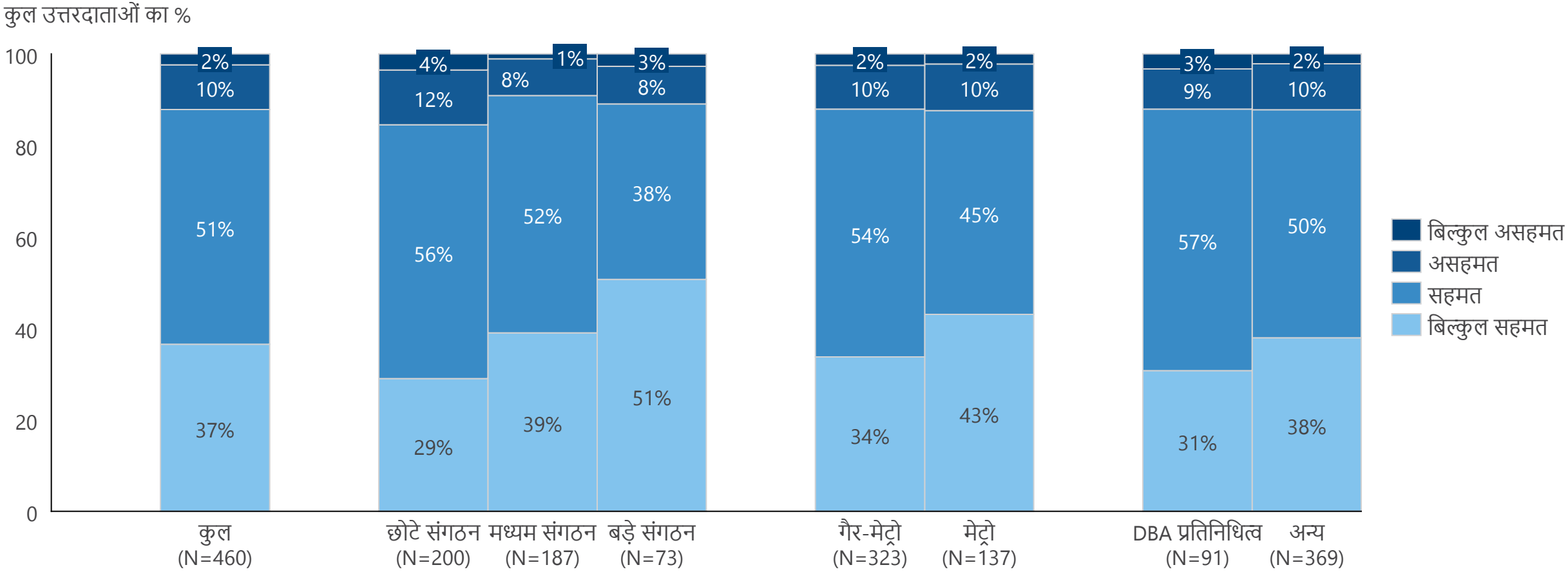

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 9: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) हम अलग-अलग श्रेणी (CSR, फाउंडेशन इत्यादि) के फंडर्स से अपनी फंडिंग जुटाने की कोशिश करते हैं |

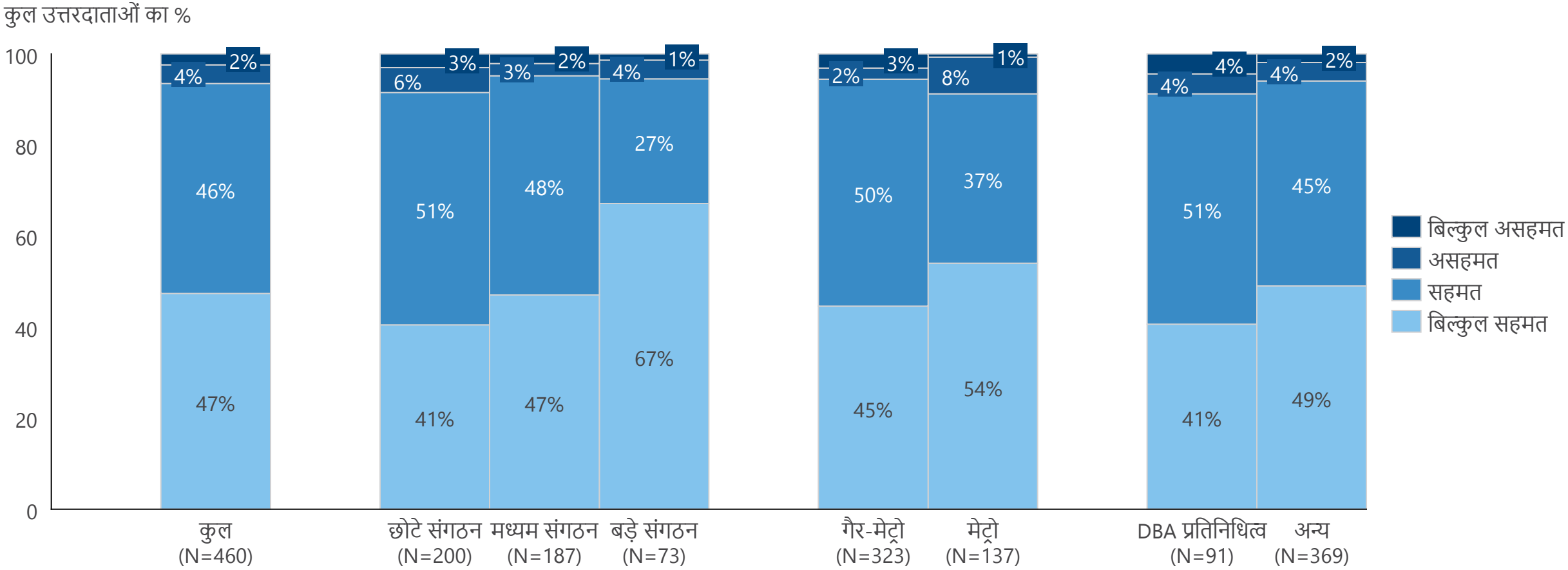

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 9: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(C) कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) ग्रांट्स देने वाले फंडर्स के अलावा अन्य फंडर्स हमें उनके ग्रांट्स से बचे ऑपरेटिंग सरप्लस को रिज़र्व फंड में ट्रांसफर करने देते हैं |

कुल उत्तरदाताओं का %

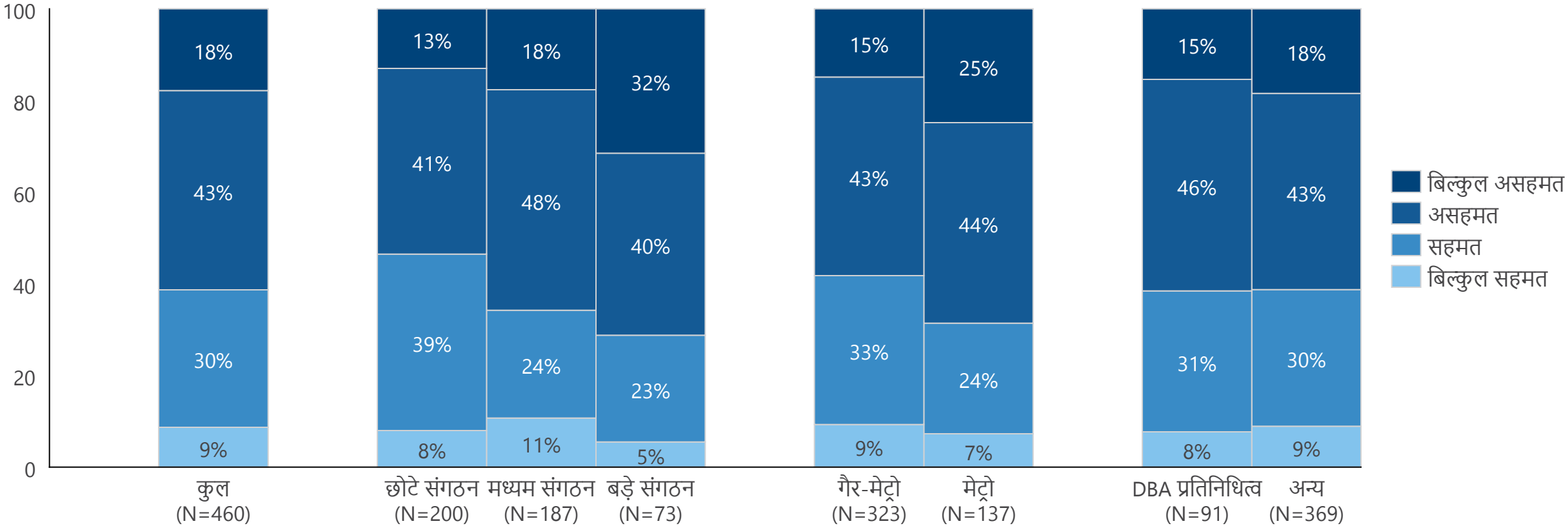

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 9: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में अपने संगठन के अनुभव के आधार पर, कृपया यह बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(D) फंडर्स से ऐसे अप्रतिबंधित (अनरेस्ट्रिक्टेड) ग्रांट प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती होती है जिनका उपयोग रिज़र्व फंड बनाने के लिए किया जा सके |

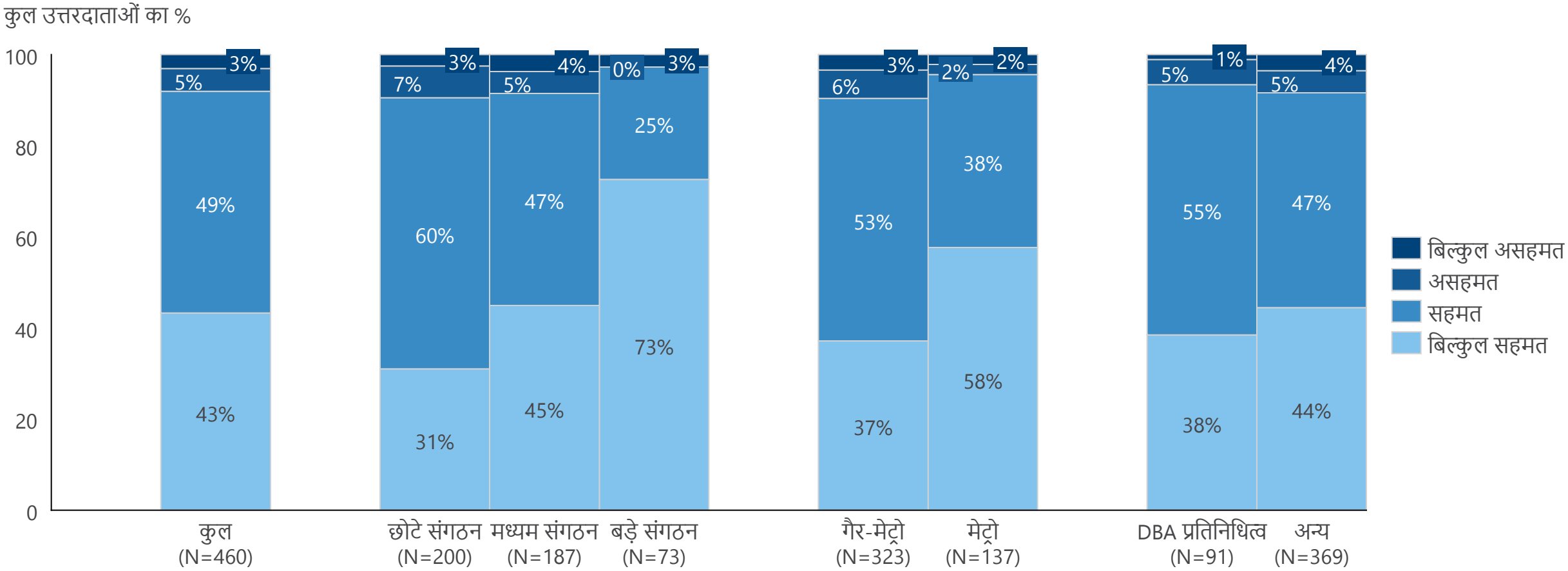

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 10: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स एनजीओ के साथ बहुवर्षीय साझेदारियों के महत्व को समझते हैं |

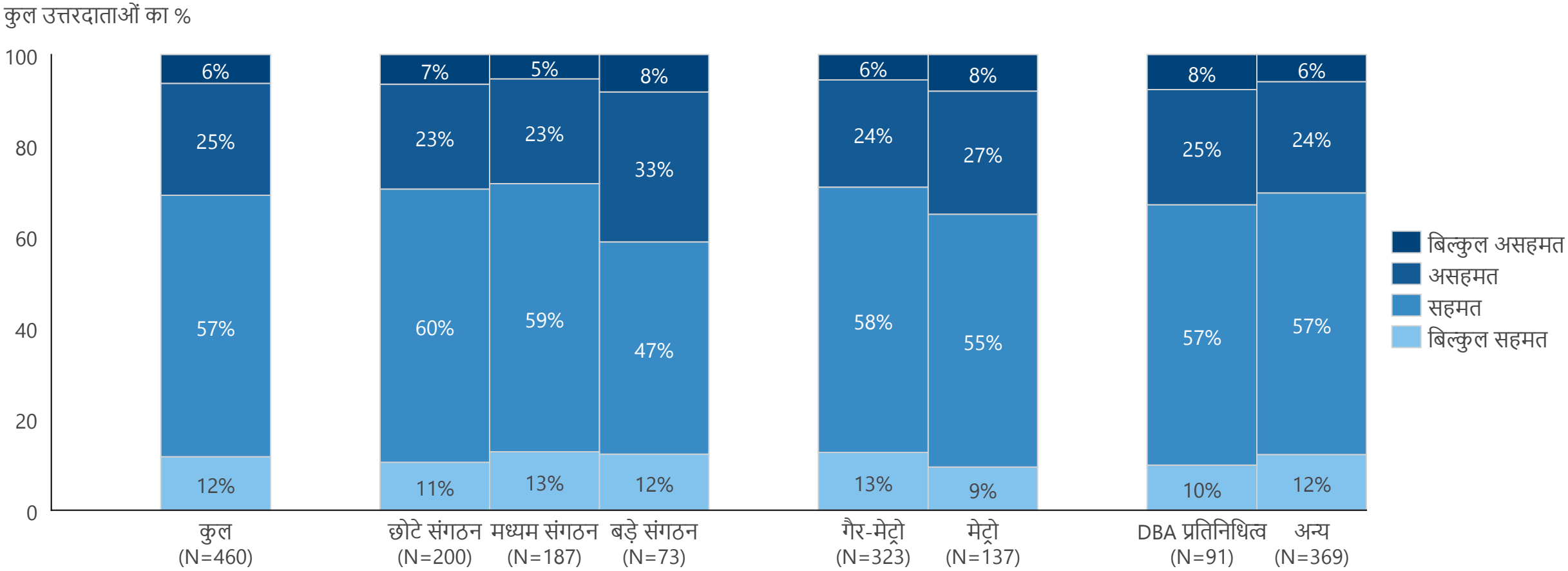

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 10: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स बहुवर्षीय साझेदारियों में प्रवेश करने को लेकर चर्चा करने के लिए तैयार हैं |

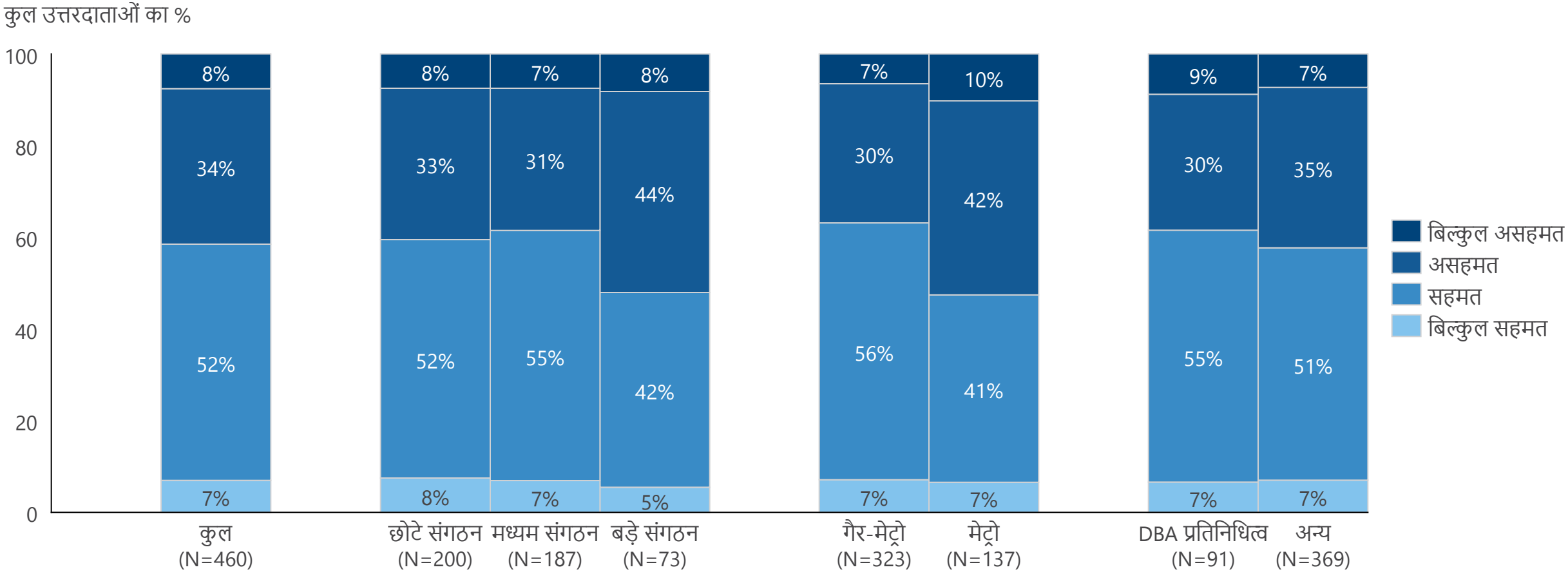

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 11: क्या पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में एक या उस से अधिक फंडर्स (नए या मौजूदा) ने आपके संगठन के साथ बहुवर्षीय साझेदारी की है ?

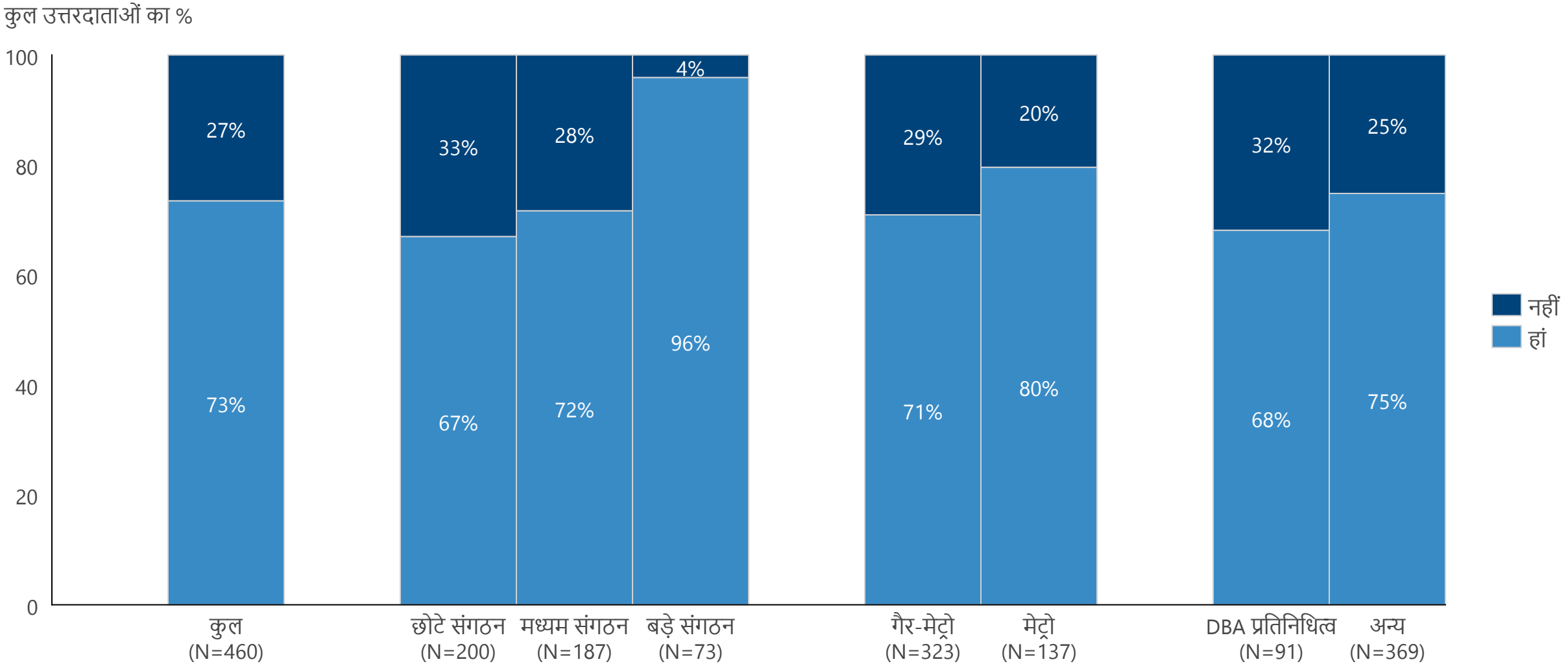

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 12: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स कोर लागत की फंडिंग के महत्व को समझते हैं |

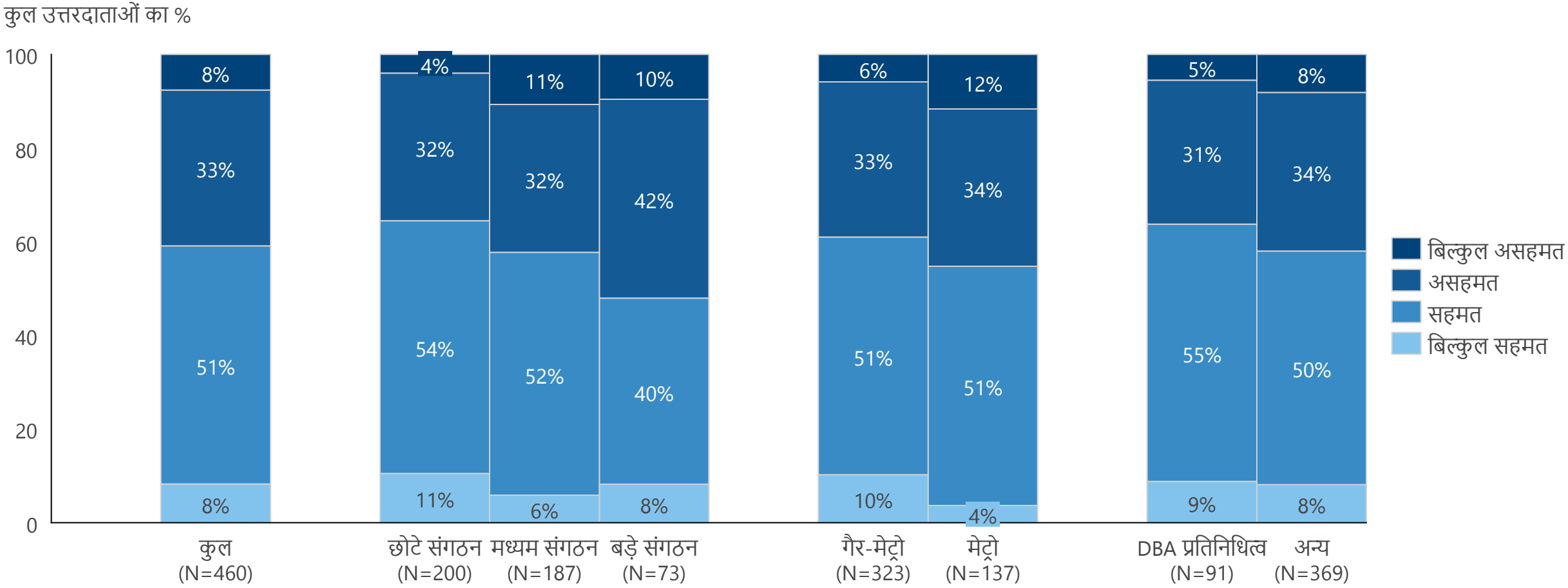

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 12: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स कोर लागत की हमारी ज़रूरत पर चर्चा करने के लिए तैयार होते हैं |

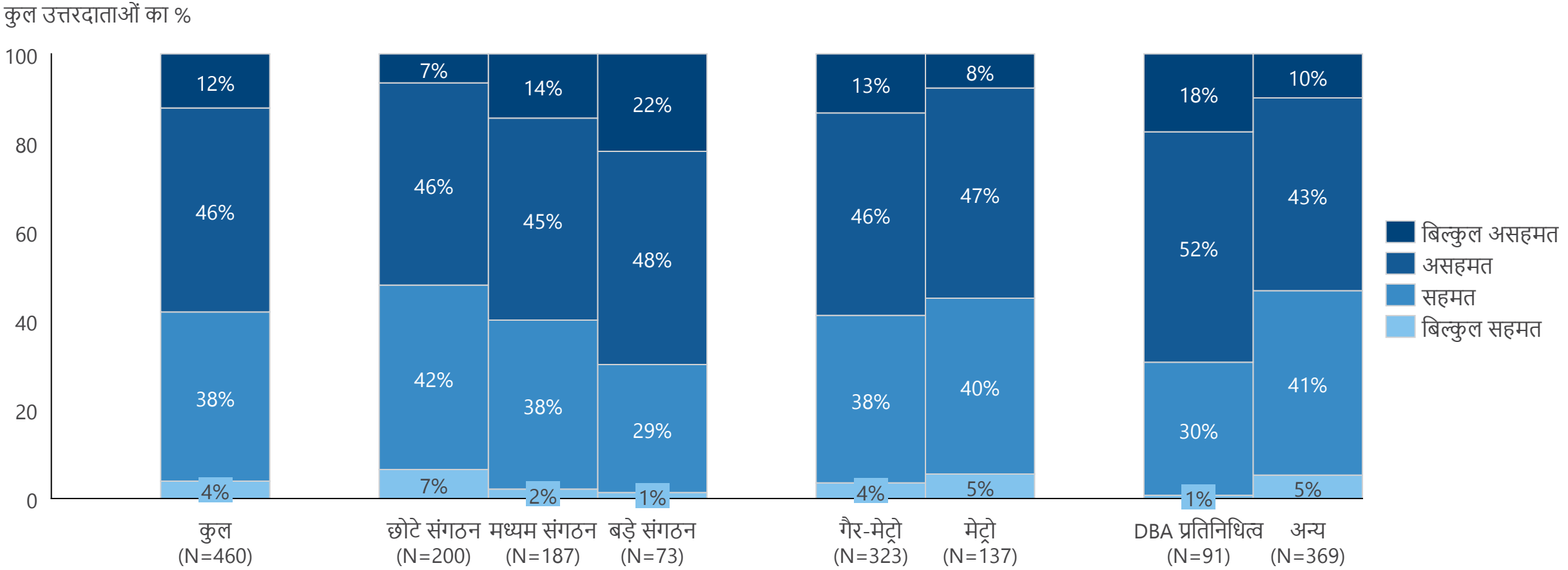

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 13: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में आपके एक या उस से अधिक फंडर्स ने कोर लागत के लिए अपनी फंडिंग बढ़ाई है ?

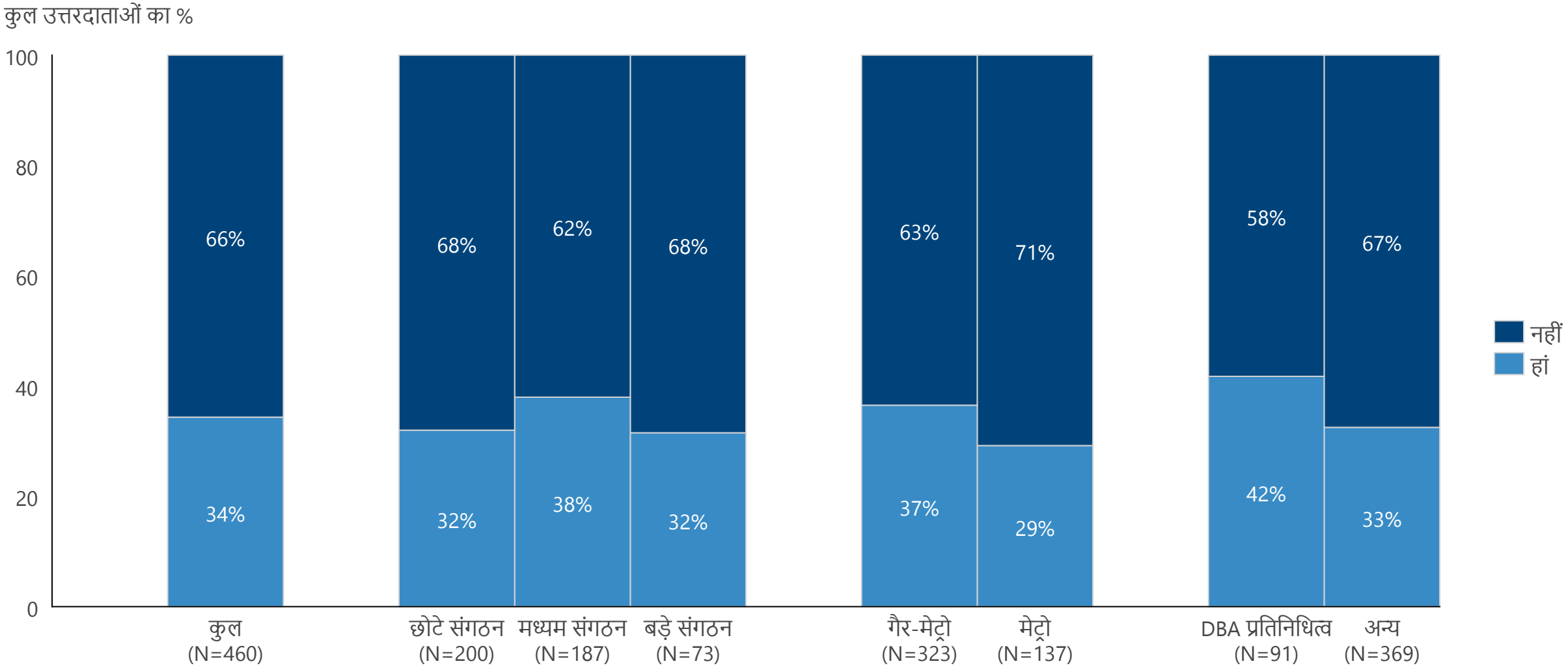

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 14: पिछले तीन वर्षों में, क्या आपके फंडर्स ने आपकी ओडी ज़रूरतों के लिए कोई समर्थन दिया है ?

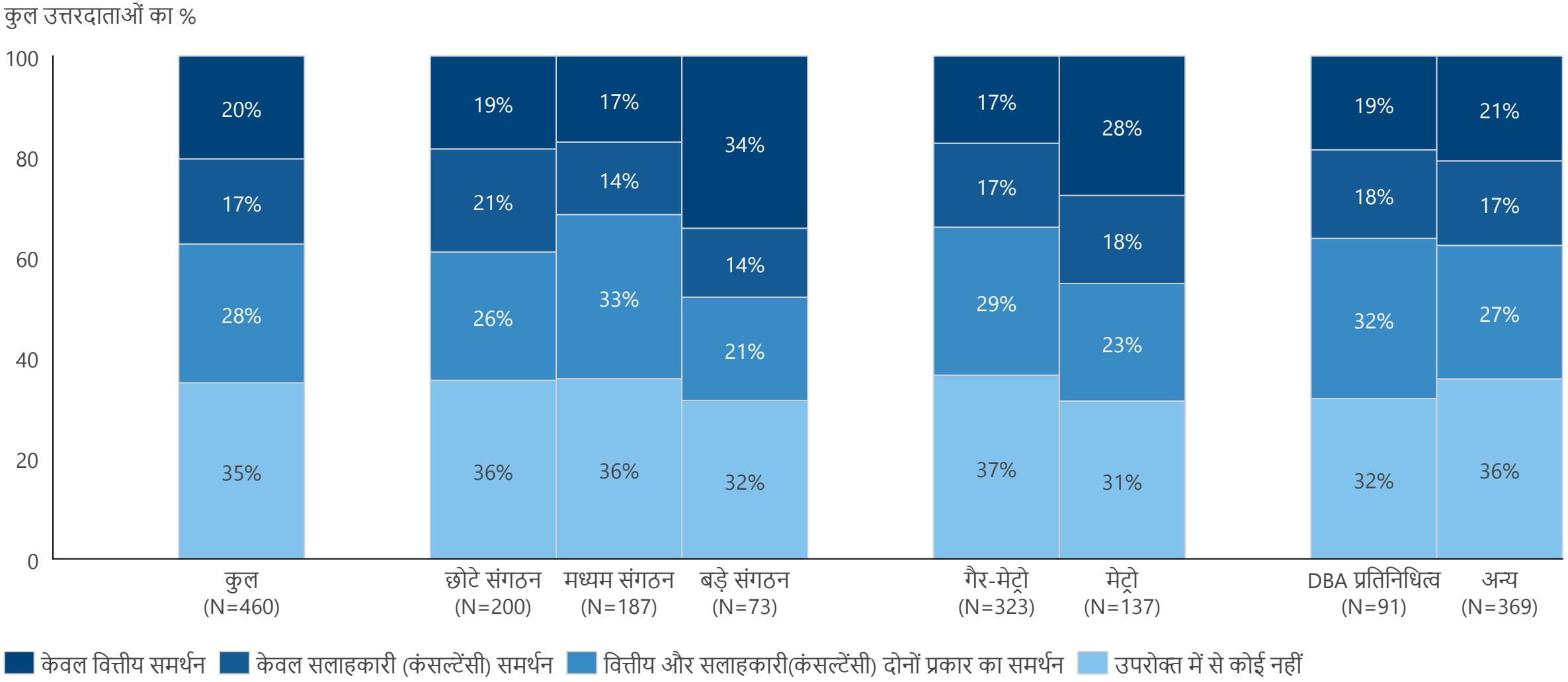

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 15: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स ओडी में निवेश करने के महत्व को समझते हैं |

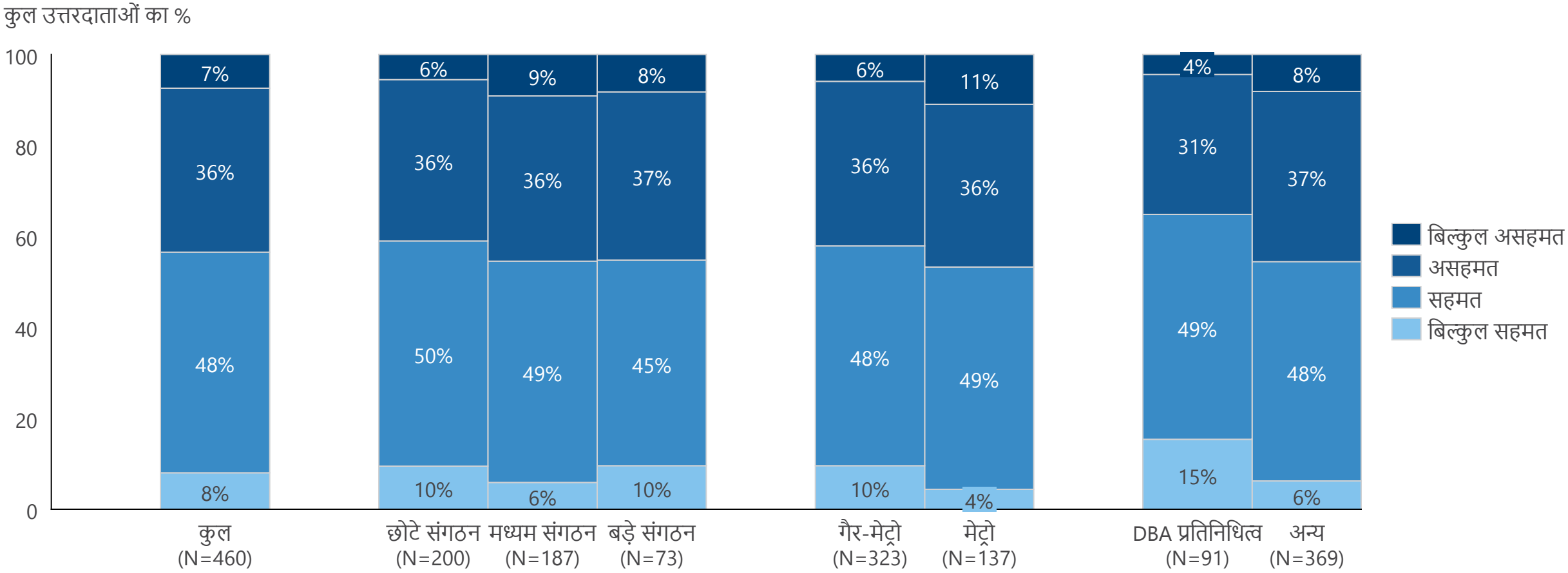

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 15: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स ओडी जरूरतों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं |

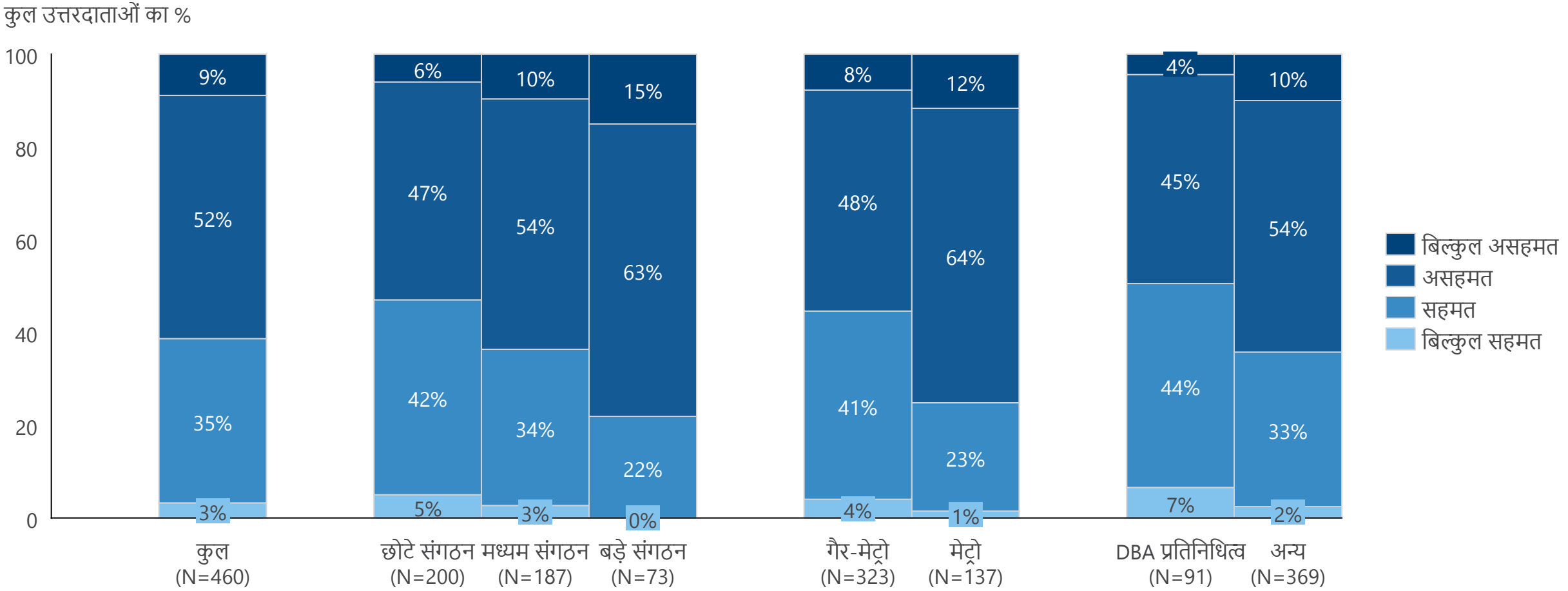

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 16: क्या पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में आपके एक या उस से अधिक फंडर्स ने आपकी ओडी जरूरतों के लिए फंडिंग देना शुरू किया है या अपनी फंडिंग बढ़ाई है ?

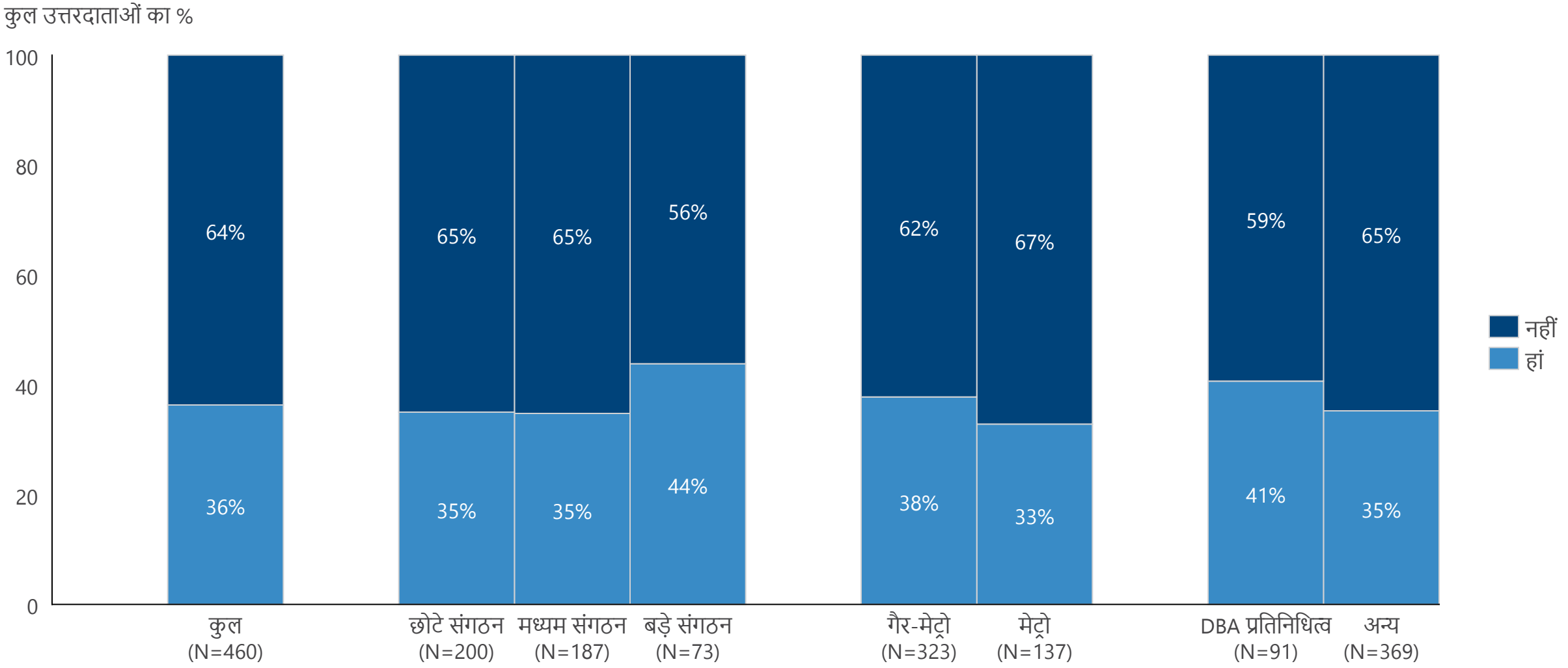

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 17: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स एनजीओ के रिज़र्व फंड बनाने के महत्व को समझते हैं |

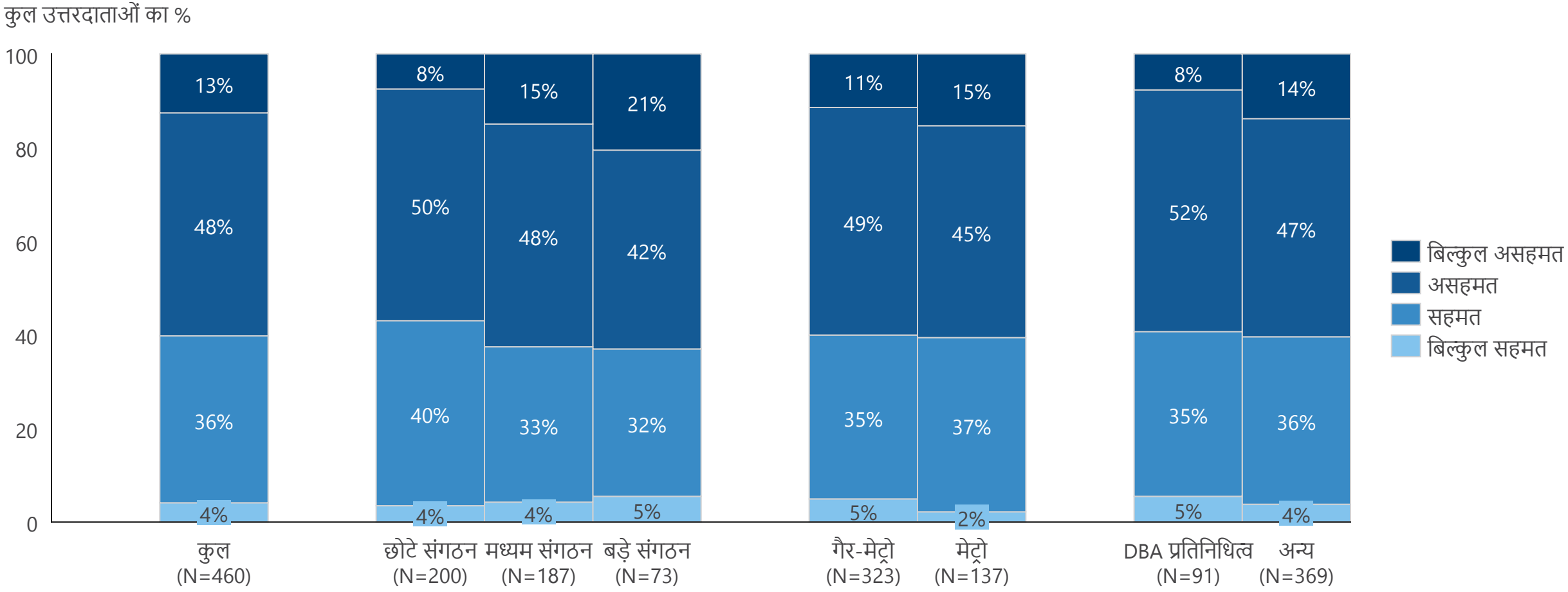

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 17: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स रिज़र्व फंड को बनाने पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं |

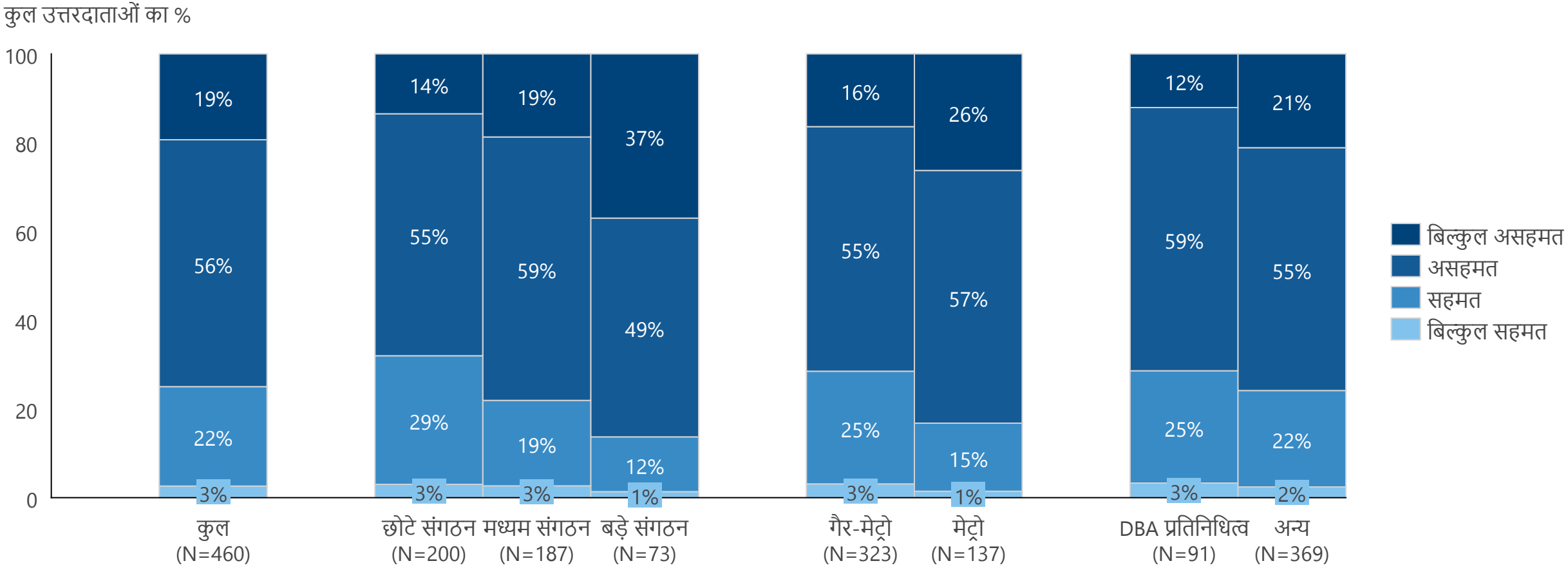

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 18: क्या पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में आपके एक या उस से अधिक फंडर्स ने रिज़र्व फंड बनाने के लिए फंडिंग देना शुरू किया है ?

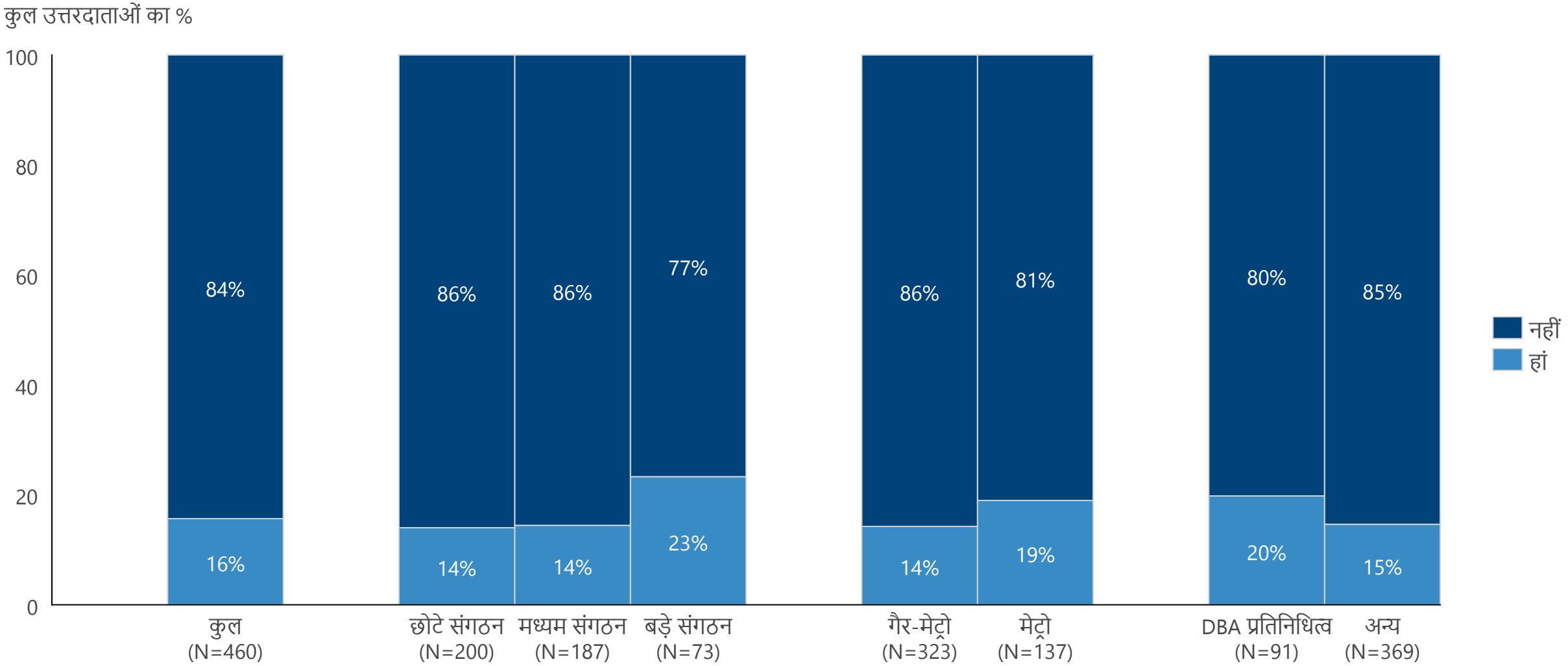

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 19: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(A) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स वंचित समुदायों या क्षेत्रों पर ध्यान देने के महत्व को समझते हैं |

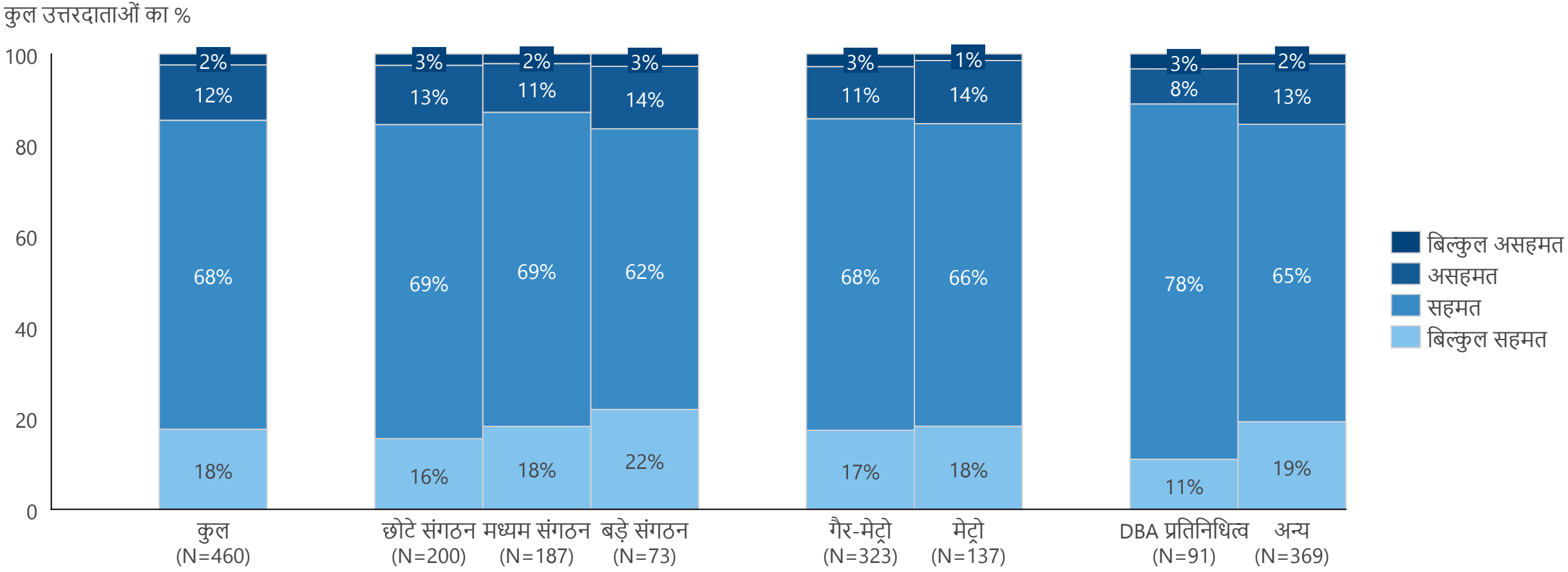

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 19: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में फंडर्स की जागरूकता में आए बदलावों पर निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं ?

(B) पहले की अपेक्षा अब अधिक फंडर्स वंचित समुदायों या क्षेत्रों की ज़रूरतों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं |

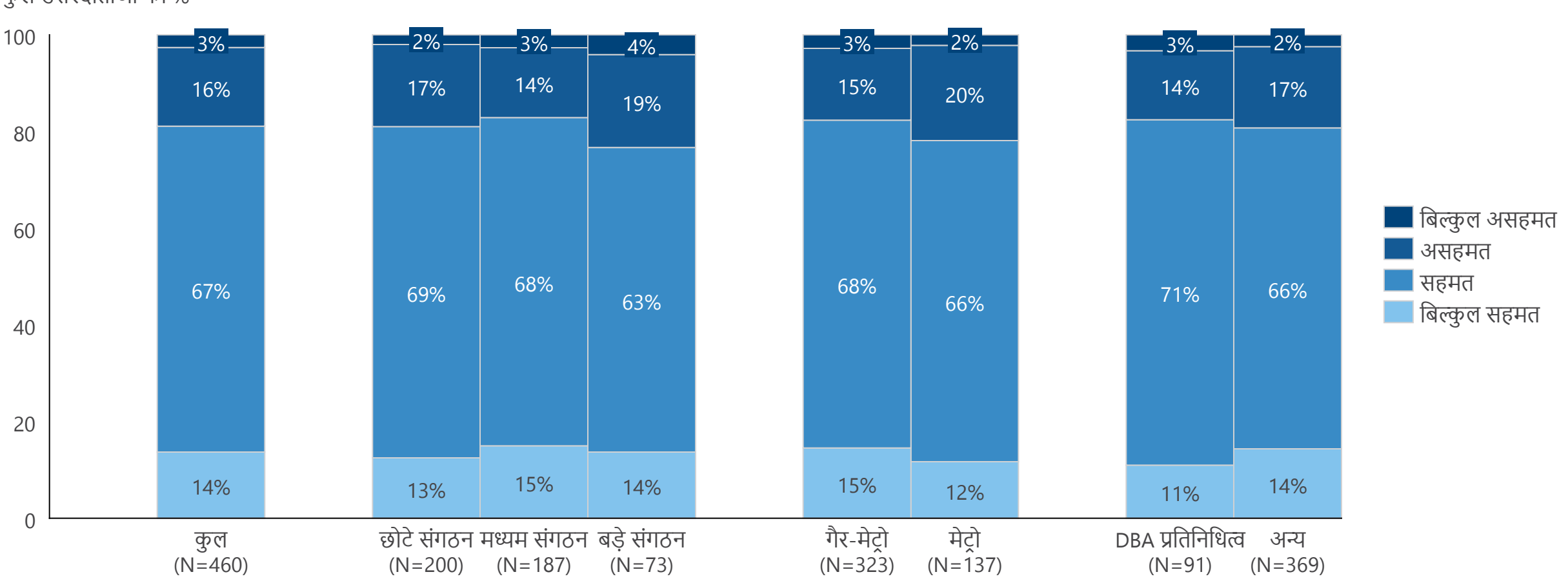

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 20: आपके संगठन की असली लागत (ट्रू कॉस्ट) के लिए फंड जुटाने में आपको कौन-सी तीन बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ?

प्रतिक्रियाओं से सामने आई प्रमुख चुनौतियाँ (N=388):

- **फंडरेज़िंग क्षमता की कमी और ट्रू-कॉस्ट ज़रूरतों को समझाने व उचित ठहराने में कठिनाई**
  - कई एनजीओ के पास समर्पित फंडरेज़िंग टीम नहीं होती। फंडर्स अकसर हर खर्च का ब्योरा मांगते हैं, जिससे टीम के लिए संवाद करना मुश्किल हो जाता है।
  - बहुत-से एनजीओ अपनी ट्रू-कॉस्ट ज़रूरतों को स्पष्ट रूप से समझाने में कठिनाई महसूस करते हैं। अस्वीकृति के डर से वे प्रस्तावों में वास्तविक ज़रूरत से कम राशि दिखाते हैं।
- **फंडर-एनजीओ संबंधों में भरोसे और सहानुभूति की कमी**
  - आम धारणा यह है कि फंडर्स में एनजीओ की ट्रू-कॉस्ट ज़रूरतों को समझने की पर्याप्त समानुभूति नहीं होती। कुछ फंडर्स कोर कॉस्ट की ज़रूरतों को अक्षमता या फ़िज़ूलखर्ची से जोड़ देते हैं, जिससे संदेह और एचआर, वित्त जैसे क्षेत्रों के लिए कम फंडिंग की स्थिति बनती है ।
- **अल्पकालिक ग्रांट साइकिल और प्रोग्राम - केन्द्रित फंडिंग को प्राथमिकता**
  - अधिकांश फंडिंग एक साल की छोटी अवधि के फंड्स के रूप में आती है और केवल कार्यक्रमों पर केंद्रित रहती है। इससे दीर्घकालिक योजना या प्रणालियों में निवेश करना कठिन हो जाता है।
- **प्रशासनिक या ओवरहेड खर्चों पर कठोर सीमाएँ**
  - कई फंडर्स प्रशासनिक खर्चों पर 5% से 10% तक की सीमा लगाते हैं, जो एनजीओ की वास्तविक कोर लागत की ज़रूरतों को नहीं दर्शाती हैं।
- **कुछ संगठनों के लिए फंडिंग जुटाने में भेदभाव (Bias)**
  - आम धारणा यह है कि दूरस्थ, ग्रामीण या कम चर्चित क्षेत्रों (जैसे बुज़ुर्गों की देखभाल या कला क्षेत्र) में काम करने वाले संगठनों को मुख्यधारा फंडिंग से बाहर रह जाती हैं , क्योंकि फंडर्स अधिक लोकप्रिय भौगोलिक क्षेत्रों और मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 21: पिछले तीन वर्षों (2022 से अब तक) में,आपने फंडर्स की सोच, दृष्टिकोण या फंडिंग प्रक्रिया में कौन-से तीन बड़े सकारात्मक बदलाव देखे हैं ?

प्रतिक्रियाओं से सामने आए प्रमुख सकारात्मक बदलाव (N=331):

- **ट्रू-कॉस्ट समर्थन पर बातचीत के प्रति खुलापन**
  - फंडर्स के दृष्टिकोण में बदलाव देखा गया है — अब वे एनजीओ की ट्रू-कॉस्ट ज़रूरतों पर बातचीत करने के लिए अधिक तैयार हैं।
- **भरोसे पर आधारित और बहुवर्षीय साझेदारियों में वृद्धि**
  - बहुवर्षीय साझेदारियों में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, एनजीओ यह महसूस कर रहे हैं कि कुछ फंडर्स अब फंड के उपयोग में अधिक फ्लेक्सिबिलिटी देने को तैयार हैं। उदाहरण: रोहिणी निलेकनी फिलांथ्रॉपीज़ और द ग्रो फंड (GROW) रिपोर्टिंग की न्यूनतम ज़रूरत रखते हैं अपना भरोसा दर्शाते हैं।
- **ऑर्गेनाइजेशनल डेवलपमेंट (ओडी) की ज़रूरतों की बेहतर समझ**
  - कुछ फंडर्स स्वयं आगे बढ़कर एनजीओ की ओडी ज़रूरतों के बारे में पूछते हैं और इसे एक मुख्य आवश्यकता के रूप में देखते हैं, न कि अतिरिक्त।
  - कई फंड्स अब संगठन की आंतरिक प्रणालियों को मज़बूत करने पर केंद्रित हैं, जैसे आंतरिक सिस्टम विकास , सेकंड लाइन नेतृत्व (लीडरशिप) विकास (पॉल हैमलिन फाउंडेशन), फंडरेज़िंग (एच टी पारेख फाउंडेशन), डिजिटल परिवर्तन आदि |
- **सहयोगात्मक फंडिंग (Collaborative funding) का उभरना**
  - दसरा के रीबिल्ड इंडिया फंड और एवीपीएन जैसी संस्थाओं ने पूल्ड फंडिंग और क्षमता निर्माण में सहयोग दिया है। ये प्लेटफ़ॉर्म एनजीओ को फंडिंग के साथ-साथ ज्ञान तक पहुँच भी प्रदान करते हैं।
- **फंडिंग प्रक्रिया (grantmaking) में सरलता और फ्लेक्सिबिलिटी**
  - कुछ फंडर्स ने अग्रिम रूप से फंड जारी किए हैं, किश्तों की संख्या घटाई है, क्षेत्रीय भाषाओं में प्रस्तावों को स्वीकार करना शुरू किया है, और ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों की ज्यादा लागत को ध्यान में रखते हुए बजट नियमों में बदलाव किया है।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2025

प्रश्न 22: आपके संगठन की असली लागत (ट्रू कॉस्ट) जरूरतों को पूरा करने के लिए फंडर्स ने कौन-सी बेस्ट प्रैक्टिस अपनाई हैं ?

प्रतिक्रियाओं से सामने आई अच्छी फंडिंग प्रथाएँ (N=267):

- **एनजीओ को बुनियादी सहायता (Foundational support) प्रदान करना**
  - कुछ फंडर्स ने बुनियादी ज़रूरतें मानते हुए पूंजीगत खर्चों (जैसे लैपटॉप, कार्यालय फर्नीचर) या स्टाफ कल्याण खर्चों (जैसे बीमा, प्रोविडेंट फंड) को समर्थन दिया है
- **भरोसे पर आधारित परोपकार (Trust-based philanthropy) और सरल रिपोर्टिंग**
  - रिपोर्टिंग को सरल बनाया गया है — कम टेम्पलेट, अधिक वर्णनात्मक, वार्षिक या छमाही रिपोर्टिंग, और समय पर भुगतान । फंडर्स और एनजीओ के संबंध अब विक्रेता-जैसे नहीं, बल्कि साझेदार-जैसे बन रहे हैं
- **प्रोग्राम बजट में कोर लागत को शामिल करना**
  - कुछ फंडर्स एचआर, वित्त और नेतृत्व टीम के वेतन को कार्यक्रम बजट में शामिल करते हैं। कुछ फंडर्स कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी संचालन जारी रखने के लिए ब्रिज फंडिंग प्रदान करते हैं। कुछ फंडर्स (जैसे एच टी पारेख फाउंडेशन, द ग्रो फंड) फंडरेज़िंग जैसे महत्वपूर्ण गैर- प्रोजेक्ट पदों के वेतन का भी समर्थन करते हैं।
- **स्वीकृत (Approved) ग्रांट्स के भीतर बजट में फ्लेक्सिबिलिटी**
  - कुछ फंडर्स (जैसे अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, ब्रेड फॉर द वर्ल्ड) एनजीओ को संकट के समय बिना कठोर प्रक्रिया के बजट को पुन: आवंटित करने की अनुमति देते हैं। कुछ फंडर्स 10–20% तक बजट में बदलाव की अनुमति देते हैं, यह मानते हुए कि प्रोग्राम को इम्प्लीमेंट करते हुए फ्लेक्सिबिलिटी ज़रूरी है।
- **मार्गदर्शन (Mentorship) और सीखने (Learning) में सहयोग प्रदान करना**
  - कुछ संगठन (जैसे एसवीपी इंडिया) फंडिंग के साथ-साथ मेंटोरिंग और क्षमता निर्माण का समर्थन करते हैं। कुछ फंडर्स (जैसे रेनमैटर फाउंडेशन) नयी प्रयोगात्मक पहलों से जुड़ी लागतों को भी समर्थन देते हैं — भले ही उनका सीधा प्रभाव सुनिश्चित न हो |

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2025, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

विषय सूची

यूज़र गाइड

2025 एनजीओ सर्वे डेटा

2020 एनजीओ सर्वे डेटा

2020 के एनजीओ सर्वे में देशभर से 388 एनजीओ ने भाग लिया

मुख्य वर्गीकरण

	संगठन का आकार *(वार्षिक बजट, ₹ में)*	संख्या	%
छोटे	**50 लाख से कम**	128	33%
	50 लाख से 99 लाख	53	14%
मध्यम	**1 करोड़ से 4.99 करोड़**	99	26%
	5 करोड़ से 9.99 करोड़	42	11%
बड़े	**10 करोड़ से 24.99 करोड़**	35	9%
	25 करोड़ से 49.99 करोड़	18	5%
	50 करोड़ या अधिक	13	3%

मुख्यालय का स्थान	संख्या	%
मेट्रो शहर*	245	63%
गैर-मेट्रो शहर	143	37%

नेतृत्व में प्रतिनिधित्व^	संख्या	%
महिलाएँ	192	49%
दलित, बहुजन, आदिवासी (DBA) समुदाय	60	15%
धार्मिक अल्पसंख्यक	46	12%
दिव्यांग व्यक्ति	30	8%
एलजीबीटीक्यूआई+ (LGBTQI+)	7	2%
बताना नहीं चाहते	32	8%
इनमें से कोई नहीं	129	33%

नोट: आगे की स्लाइड्स में किया गया विश्लेषण तीन पहलुओं पर कैटेगराइज़्ड है - (i) संगठन का आकार : वार्षिक बजट के आधार पर छोटे, मध्यम और बड़े वर्गों में , (ii) मुख्यालय का स्थान : मेट्रो शहर या गैर-मेट्रो क्षेत्र, और (iii) नेतृत्व में प्रतिनिधित्व : संगठन DBA समुदाय के व्यक्ति द्वारा संचालित है या नहीं।

नोट: *मेट्रो संगठन वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। ^ उत्तरदाता वे सभी श्रेणियाँ चुन सकते थे जो उनके संगठन पर लागू थीं।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 1: आपके संगठन के कुल वार्षिक खर्च या भुगतानों का लगभग कितना प्रतिशत अनरिस्ट्रिक्टेड / कोर फंडिंग से पूरा होता है ?

संगठन के कुल वार्षिक खर्च / भुगतानों का % (औसत)

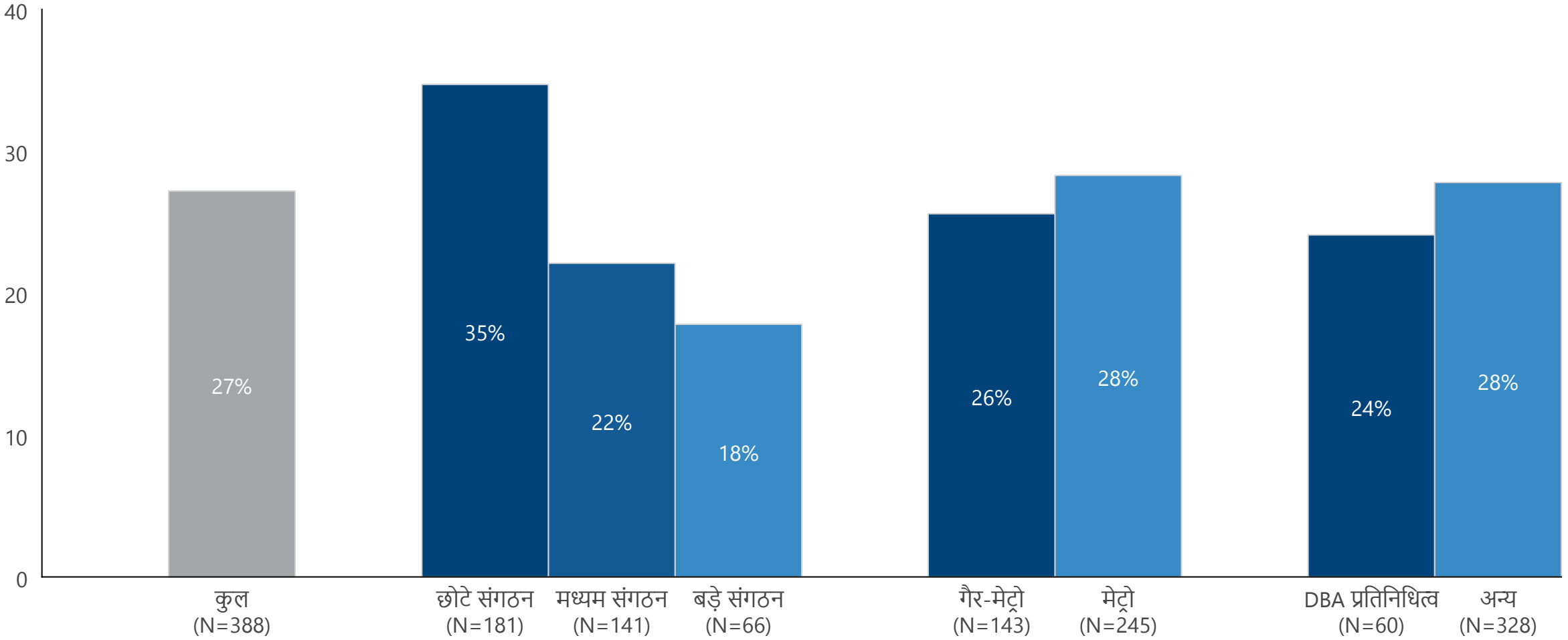

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 2: आपके संगठन की कुल लागत का लगभग कितना प्रतिशत ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्चों का है ?

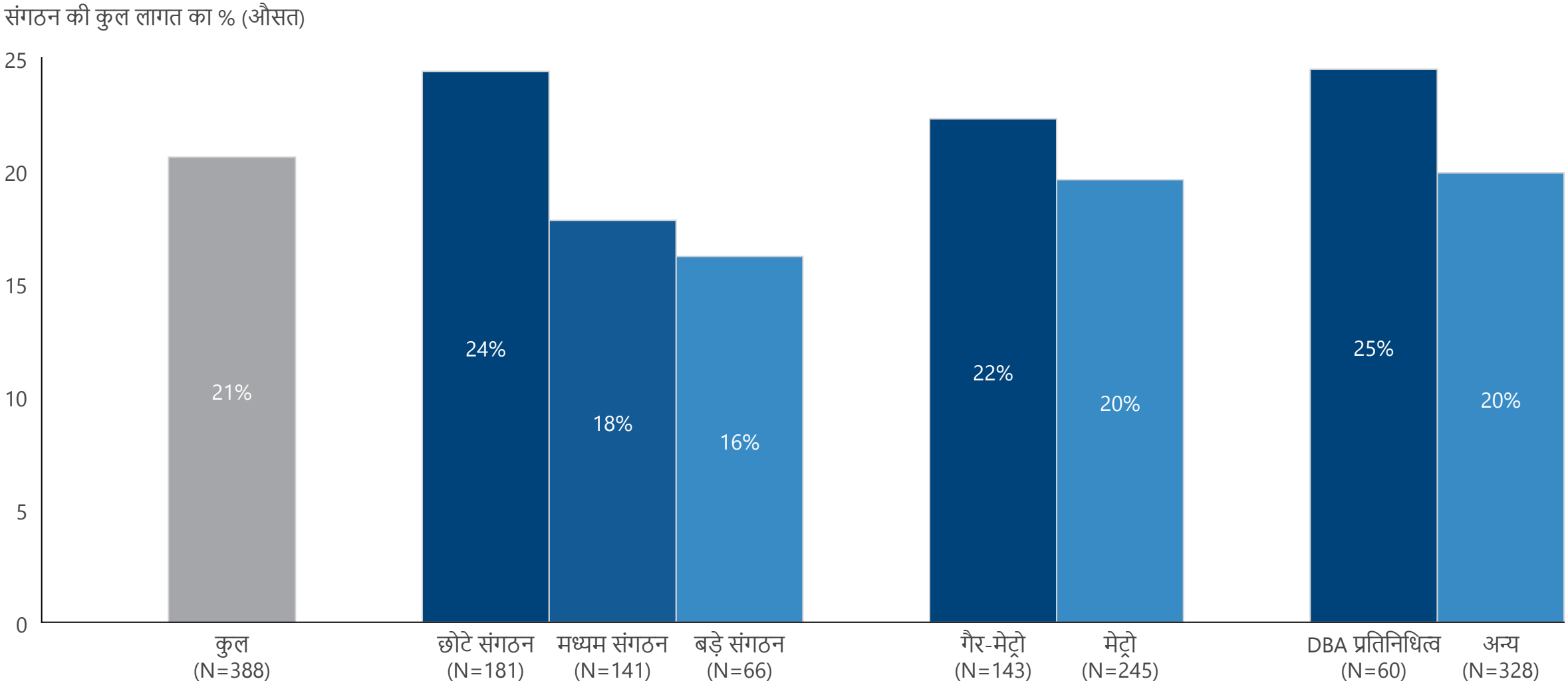

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। उत्तरदाताओं की स्पष्टता के लिए, सर्वे में 'अप्रत्यक्ष खर्च' की जगह 'ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्च' शब्द का उपयोग किया गया । इनमें वे सभी प्रशासनिक या सहायक कार्यों से जुड़े खर्च शामिल होते हैं जो किसी एक विशेष प्रोजेक्ट/प्रोग्राम से सीधे जुड़े नहीं होते — जैसे कि गैर-प्रोजेक्ट कर्मचारियों की सैलरी, मानव संसाधन (HR), फाइनेंस, मुख्यालय ऑफिस का किराया आदि। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 3: पिछले तीन वर्षों में, आपके संगठन के पास वर्ष के अंत में कितनी बार ऑपरेटिंग सरप्लस बचा है ?

कुल उत्तरदाताओं का %

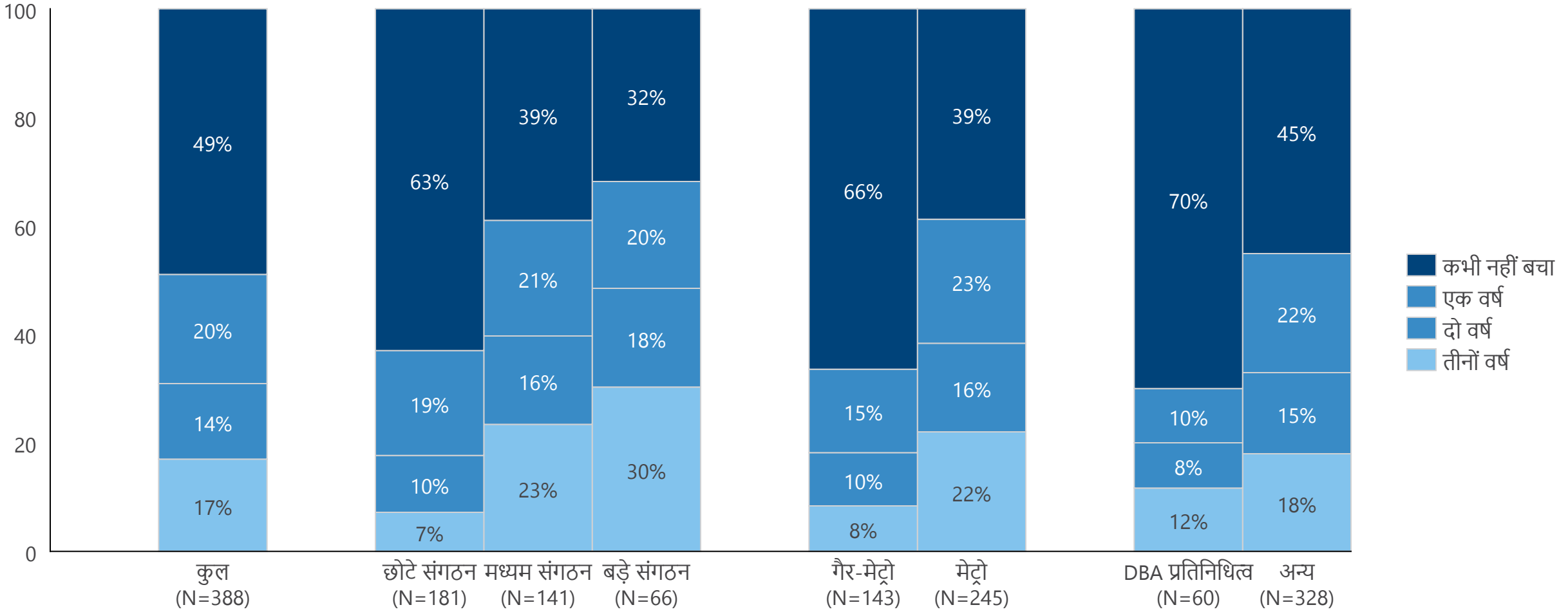

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 4: कोविड से पहले, आप लगभग कितने महीनों के लिए कैश रिज़र्व बनाए रख पाते थे ?

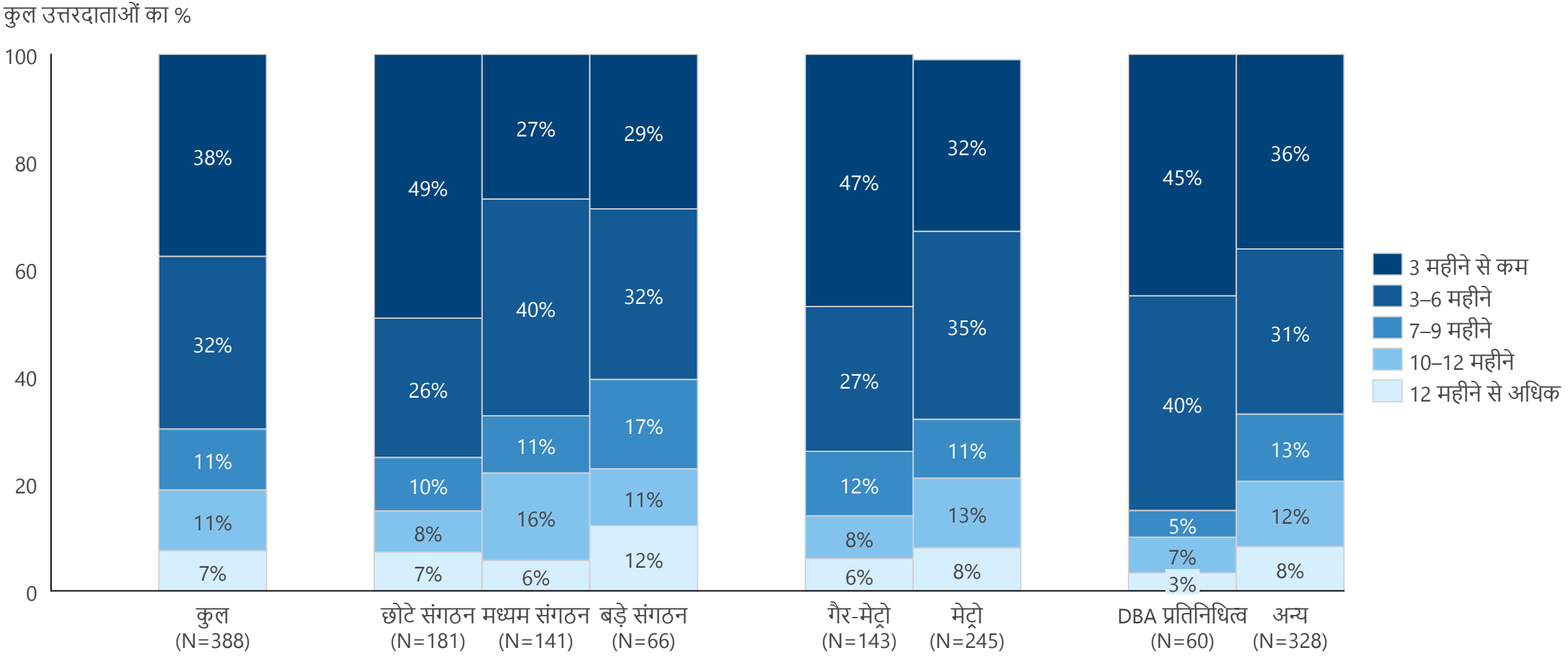

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 5: इस समय, आपके पास कितने महीनों के लिए कैश रिज़र्व उपलब्ध है ?

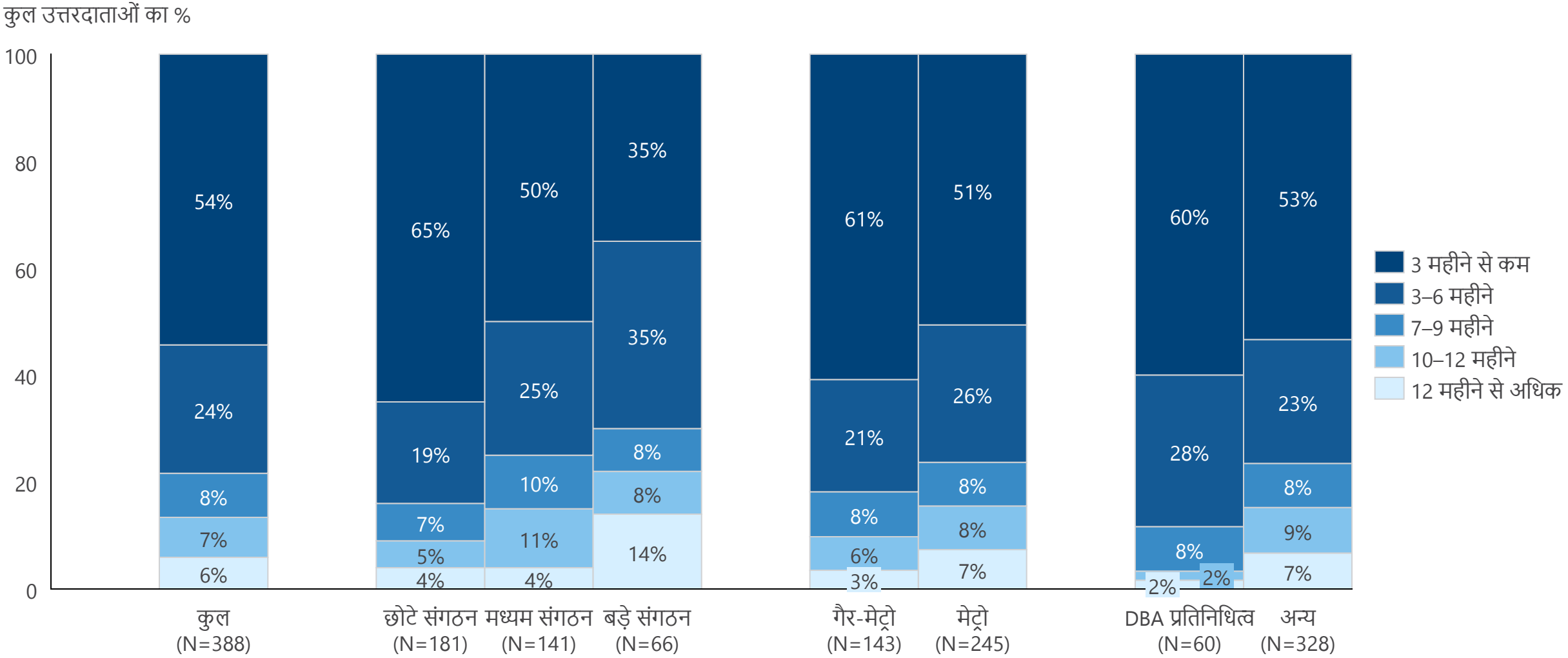

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 6: कृपया बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ।

(A) हमारे अधिकांश फंडर कोर लागत में अपना उचित (सही अनुपात में) हिस्सा नहीं देते हैं |

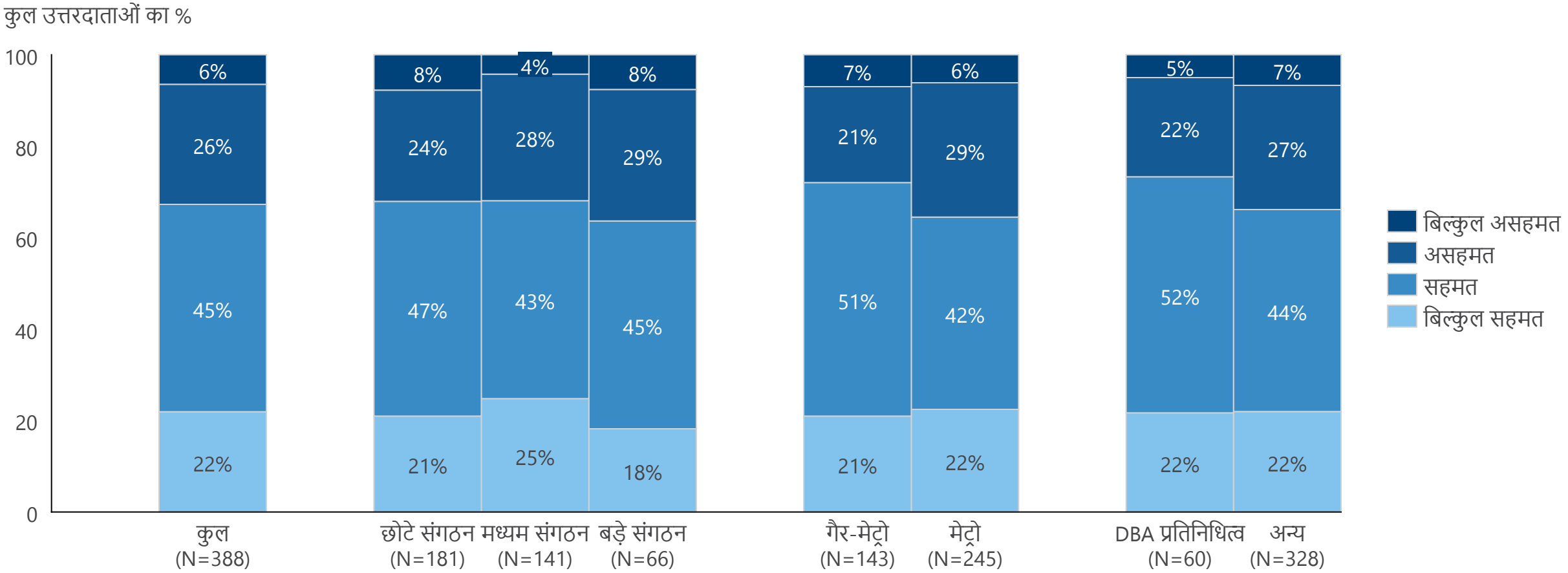

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। उत्तरदाताओं की स्पष्टता के लिए, सर्वे में 'अप्रत्यक्ष खर्च' की जगह 'ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्च' शब्द का उपयोग किया गया । इनमें वे सभी प्रशासनिक या सहायक कार्यों से जुड़े खर्च शामिल होते हैं जो किसी एक विशेष प्रोजेक्ट/प्रोग्राम से सीधे जुड़े नहीं होते — जैसे कि गैर-प्रोजेक्ट कर्मचारियों की सैलरी, मानव संसाधन (HR), फाइनेंस, मुख्यालय ऑफिस का किराया आदि। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 6: कृपया बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ।

(B) ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्चों के लिए फंडिंग जुटाना एक चुनौती होती है |

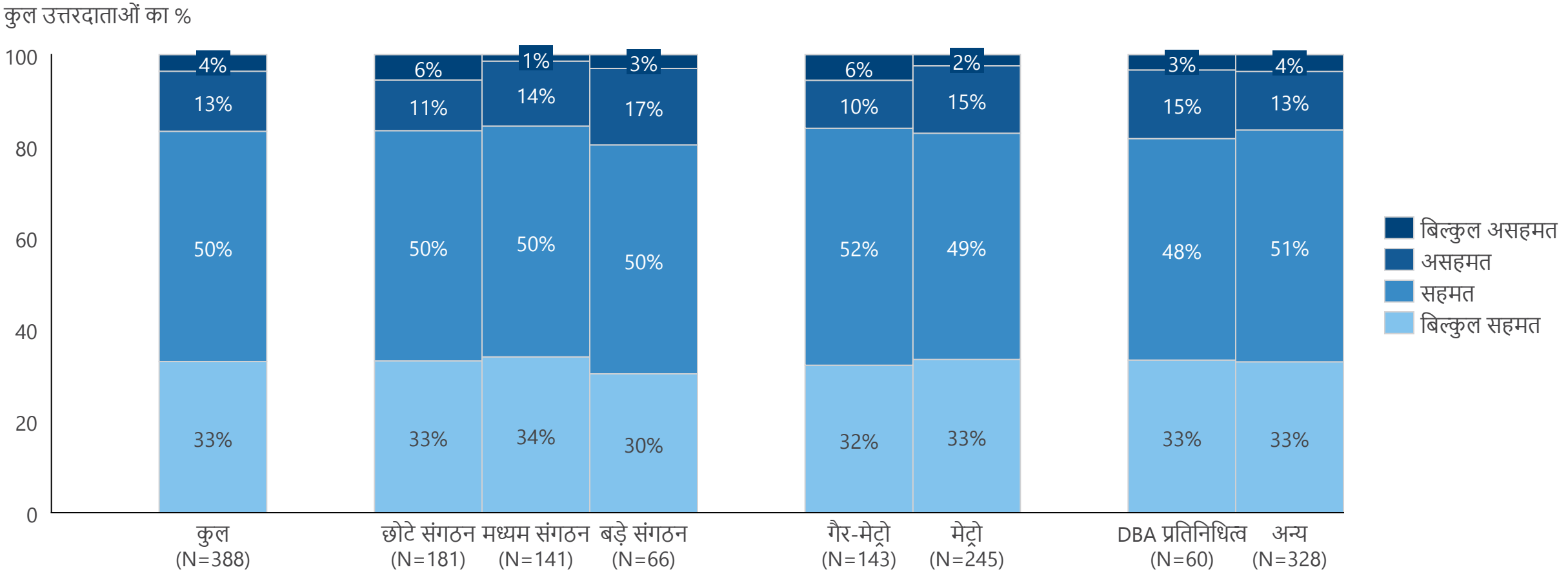

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। उत्तरदाताओं की स्पष्टता के लिए, सर्वे में 'अप्रत्यक्ष खर्च' की जगह 'ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्च' शब्द का उपयोग किया गया । इनमें वे सभी प्रशासनिक या सहायक कार्यों से जुड़े खर्च शामिल होते हैं जो किसी एक विशेष प्रोजेक्ट/प्रोग्राम से सीधे जुड़े नहीं होते — जैसे कि गैर-प्रोजेक्ट कर्मचारियों की सैलरी, मानव संसाधन (HR), फाइनेंस, मुख्यालय ऑफिस का किराया आदि। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 6: कृपया बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ।

(C) फंडिंग प्राप्त करने के लिए हमें ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्चों को कम दिखाना पड़ता है |

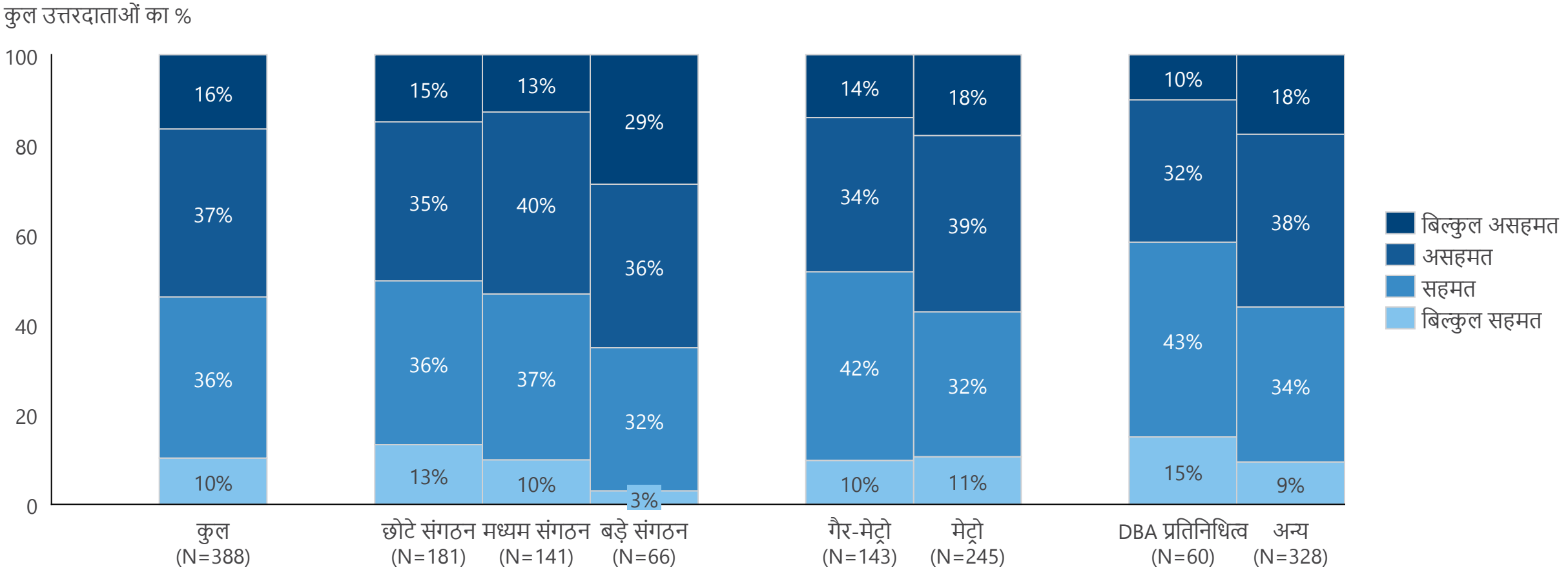

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। उत्तरदाताओं की स्पष्टता के लिए, सर्वे में 'अप्रत्यक्ष खर्च' की जगह 'ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्च' शब्द का उपयोग किया गया । इनमें वे सभी प्रशासनिक या सहायक कार्यों से जुड़े खर्च शामिल होते हैं जो किसी एक विशेष प्रोजेक्ट/प्रोग्राम से सीधे जुड़े नहीं होते — जैसे कि गैर-प्रोजेक्ट कर्मचारियों की सैलरी, मानव संसाधन (HR), फाइनेंस, मुख्यालय ऑफिस का किराया आदि। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 6: कृपया बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ।

(D) हम अपने फंडर्स के साथ अपने सभी ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्चों की ज़रूरतें साझा करने में सहज महसूस नहीं करते |

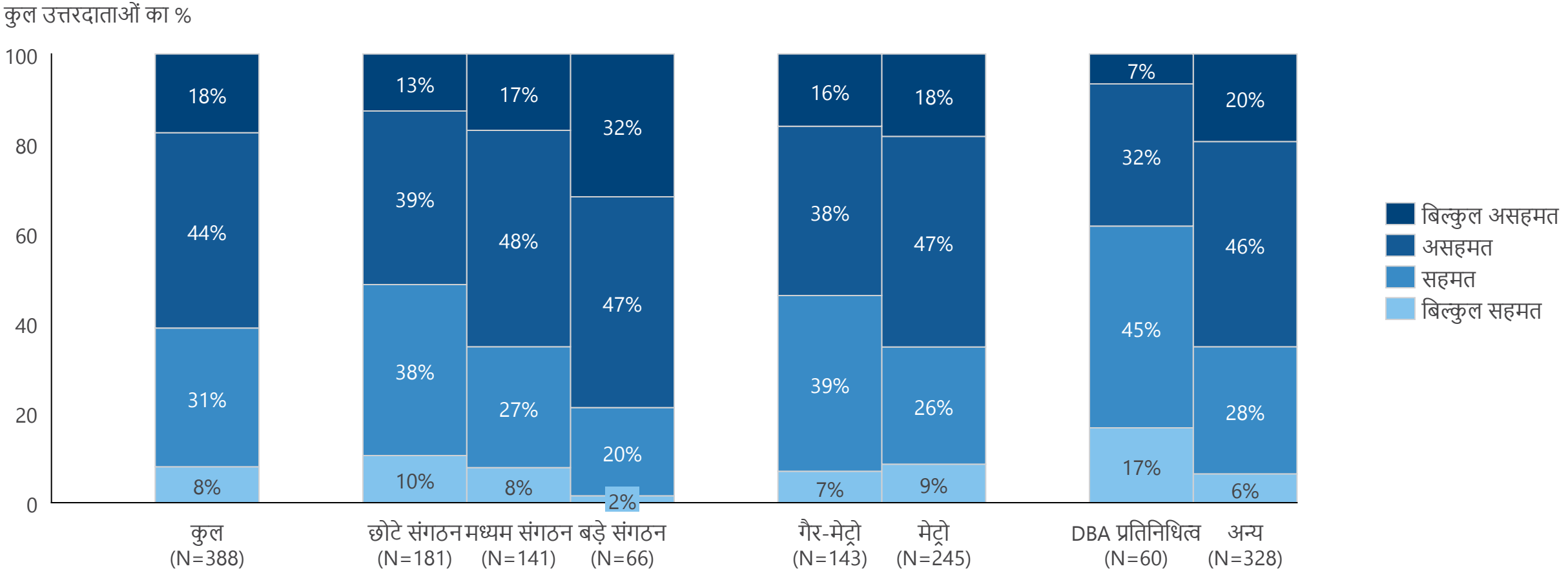

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। उत्तरदाताओं की स्पष्टता के लिए, सर्वे में 'अप्रत्यक्ष खर्च' की जगह 'ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्च' शब्द का उपयोग किया गया । इनमें वे सभी प्रशासनिक या सहायक कार्यों से जुड़े खर्च शामिल होते हैं जो किसी एक विशेष प्रोजेक्ट/प्रोग्राम से सीधे जुड़े नहीं होते — जैसे कि गैर-प्रोजेक्ट कर्मचारियों की सैलरी, मानव संसाधन (HR), फाइनेंस, मुख्यालय ऑफिस का किराया आदि। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 6: कृपया बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ।

(E) पिछले तीन वर्षों में, एक से अधिक फंडर्स ने हमसे प्रस्ताव के चरण में ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्चों को कम करने के लिए कहा है |

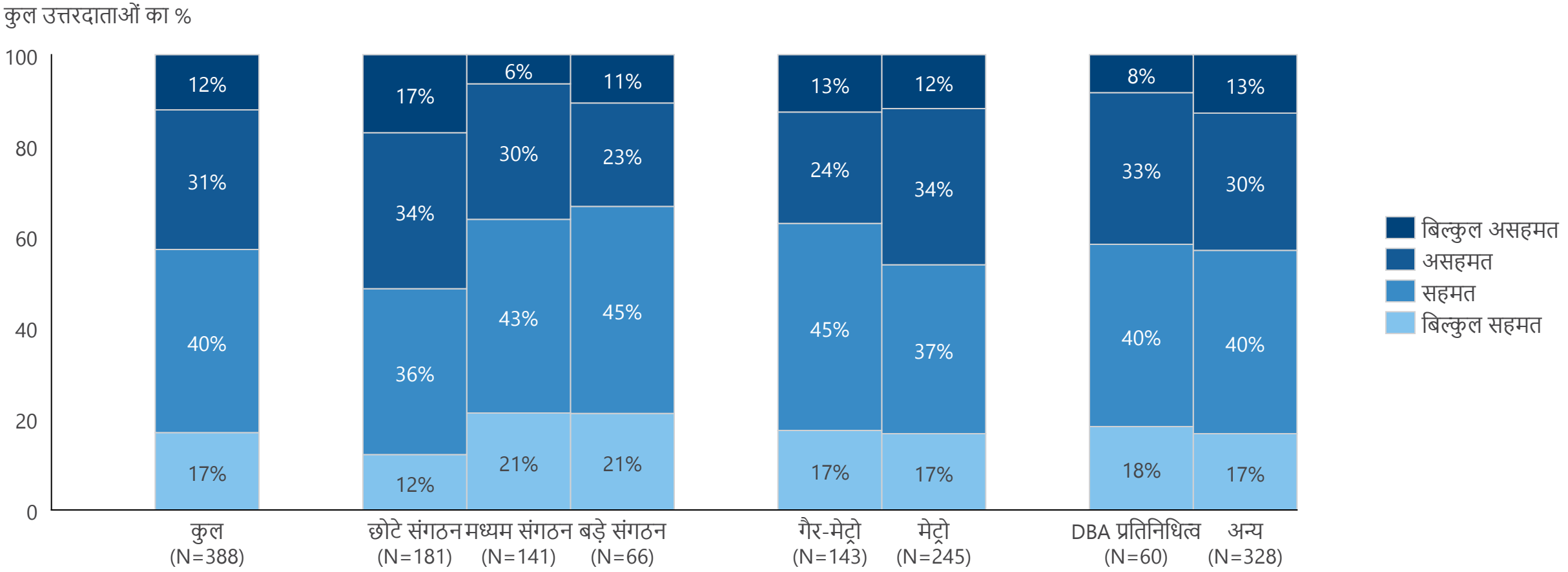

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। उत्तरदाताओं की स्पष्टता के लिए, सर्वे में 'अप्रत्यक्ष खर्च' की जगह 'ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्च' शब्द का उपयोग किया गया । इनमें वे सभी प्रशासनिक या सहायक कार्यों से जुड़े खर्च शामिल होते हैं जो किसी एक विशेष प्रोजेक्ट/प्रोग्राम से सीधे जुड़े नहीं होते — जैसे कि गैर-प्रोजेक्ट कर्मचारियों की सैलरी, मानव संसाधन (HR), फाइनेंस, मुख्यालय ऑफिस का किराया आदि। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 6: कृपया बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ।

(F) फंडर की नीतियों के अनुसार प्रोग्राम बजट में बदलाव करने में काफी मेहनत लगती है। उदाहरण के लिए, एक ही तरह के प्रोग्राम के लिए अलग-अलग फंडर्स के अनुसार अलग खर्च संरचनाएँ अपनानी पड़ती हैं |

कुल उत्तरदाताओं का %

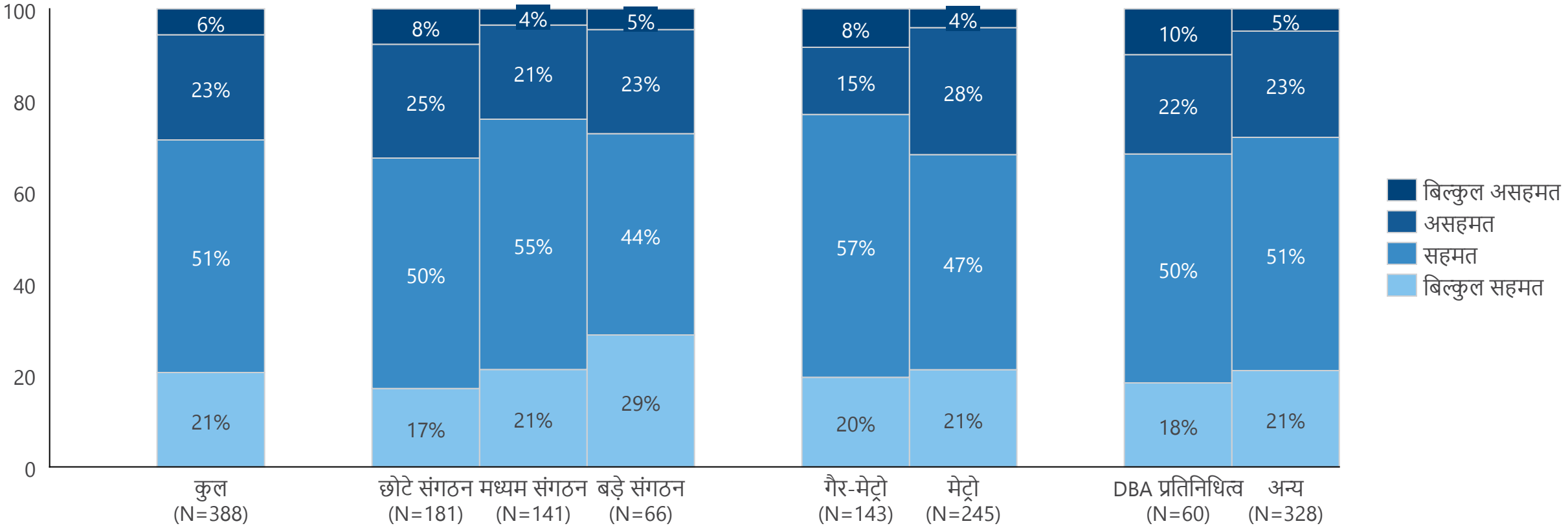

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 6: कृपया बताएं कि आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं ।

(G) हमें लगता है कि मुख्य प्रोग्राम फंडर्स को हमारे ग़ैर-प्रोजेक्ट क्षेत्रों में काम करने और खर्च करने की क्षमता पर भरोसा नहीं है |

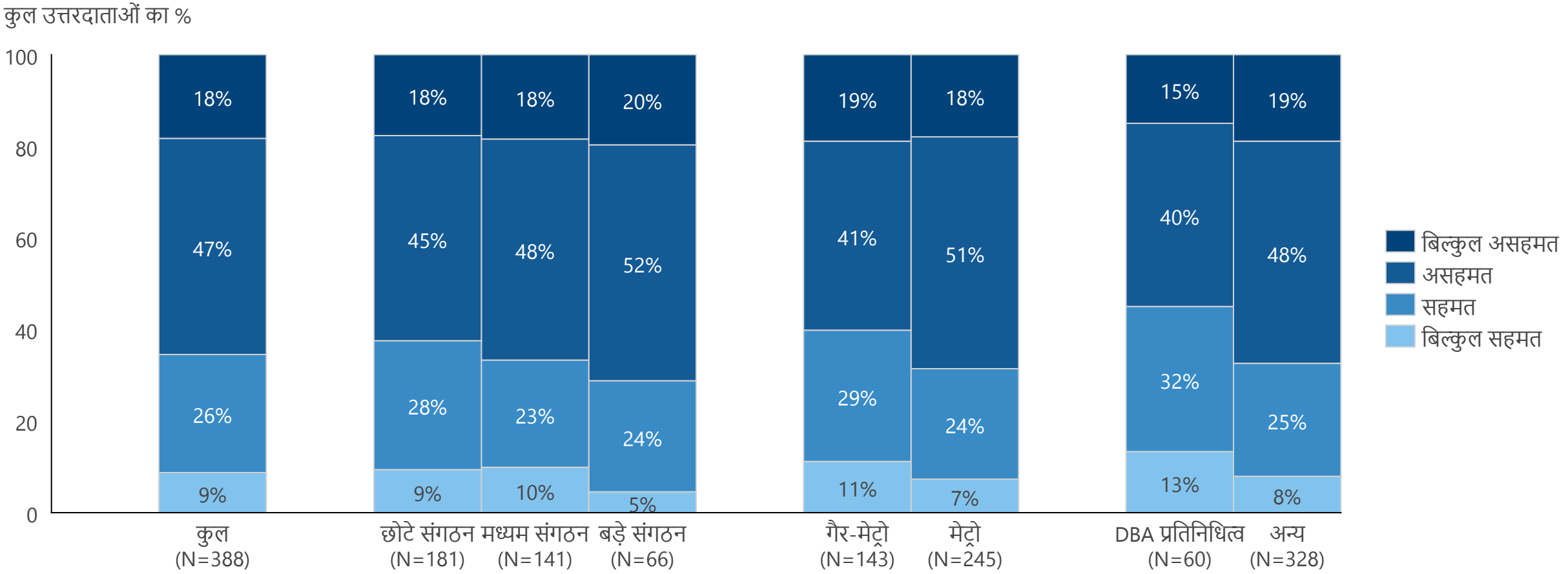

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 7: आपके संगठन द्वारा ऑर्गेनाइजेशनल डेवलपमेंट (ओडी) में किए गए निवेश के स्तर को आप कैसे आंकेंगे ?

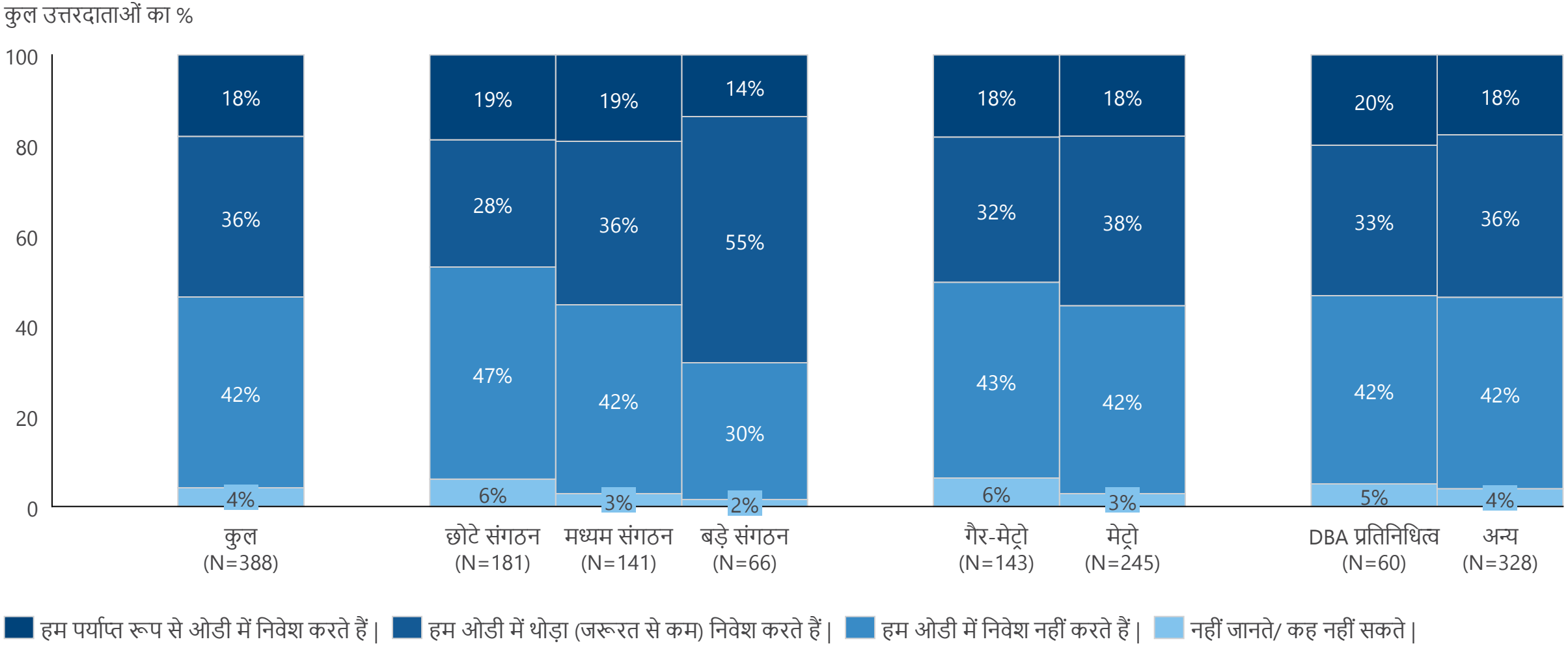

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 8: पिछले तीन वर्षों में, क्या किसी प्रोग्राम फंडर ने आपके संगठन के ओडी संबंधी पहलों को फंडिंग देने से मना किया है ?

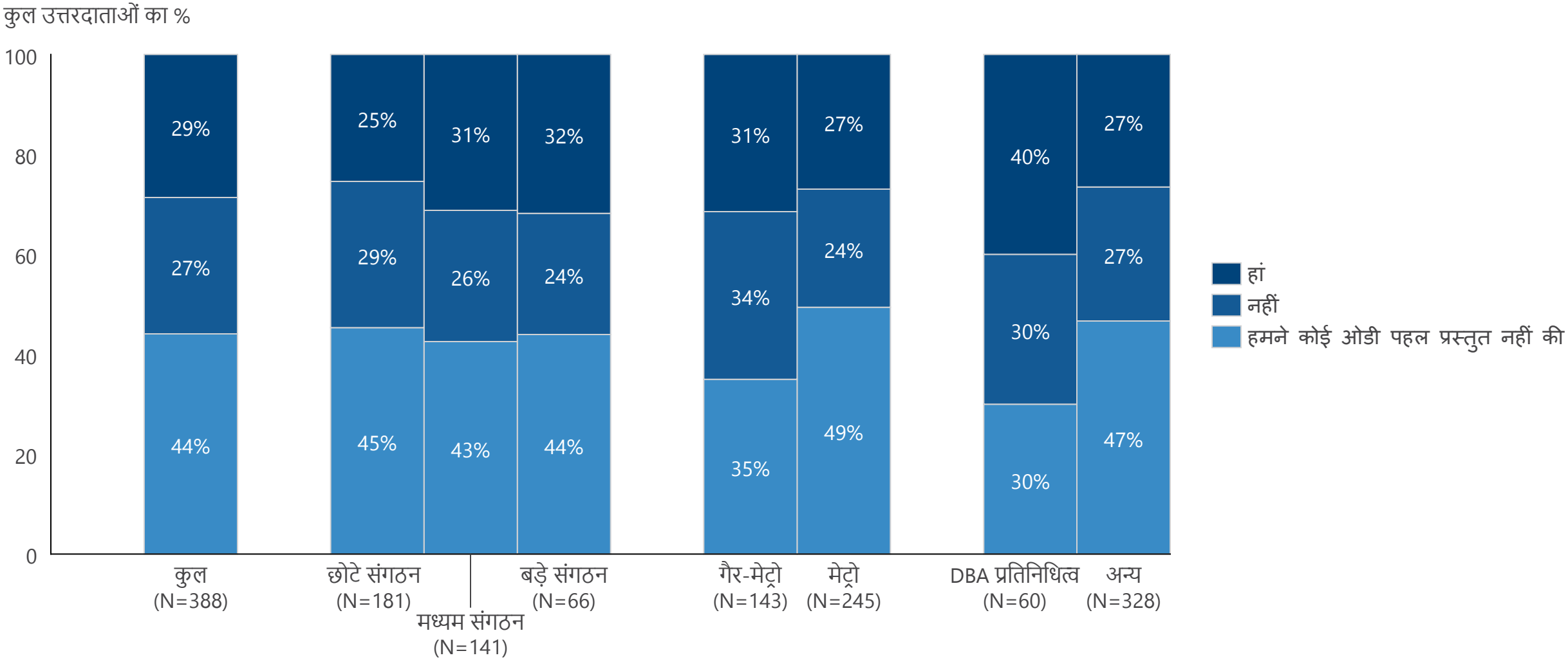

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 9: कृपया वह कथन चुनें जो पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन से सबसे अधिक मेल खाता है |

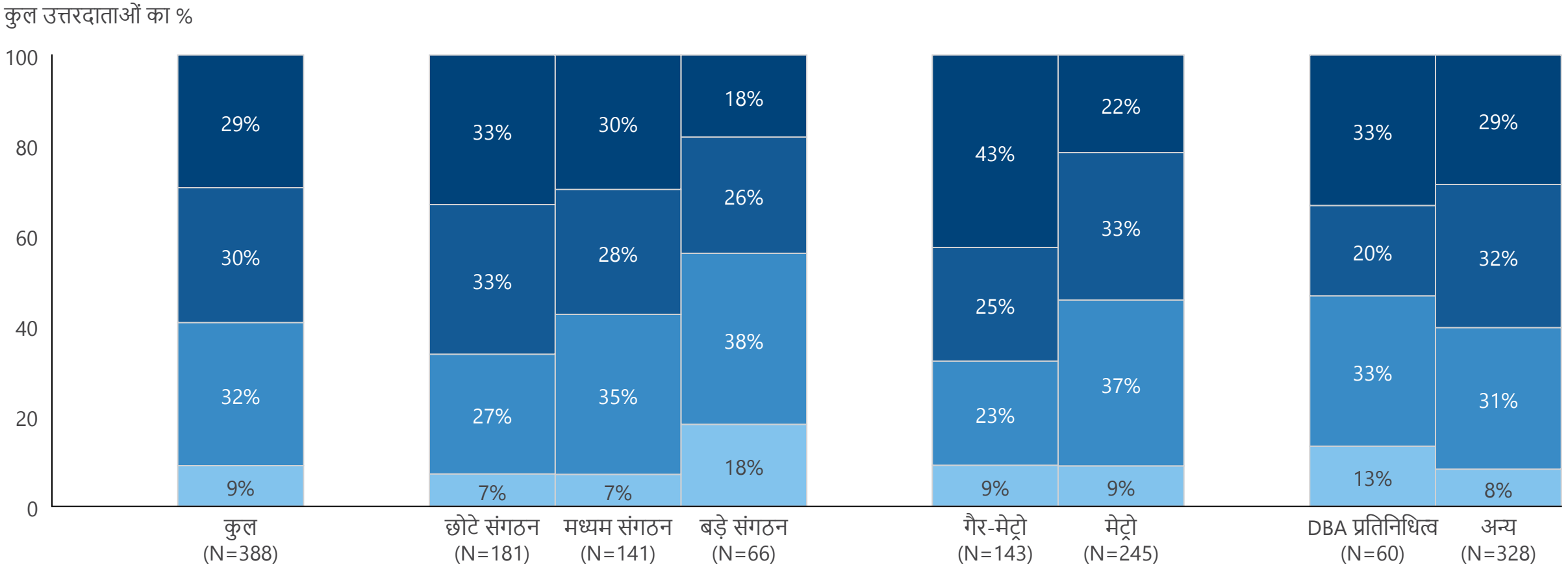

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 10: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(A) हमारे अधिकांश फंडर्स हमारे ओडी निवेश को वित्तीय रूप से समर्थन नहीं देते हैं।

कुल उत्तरदाताओं का %

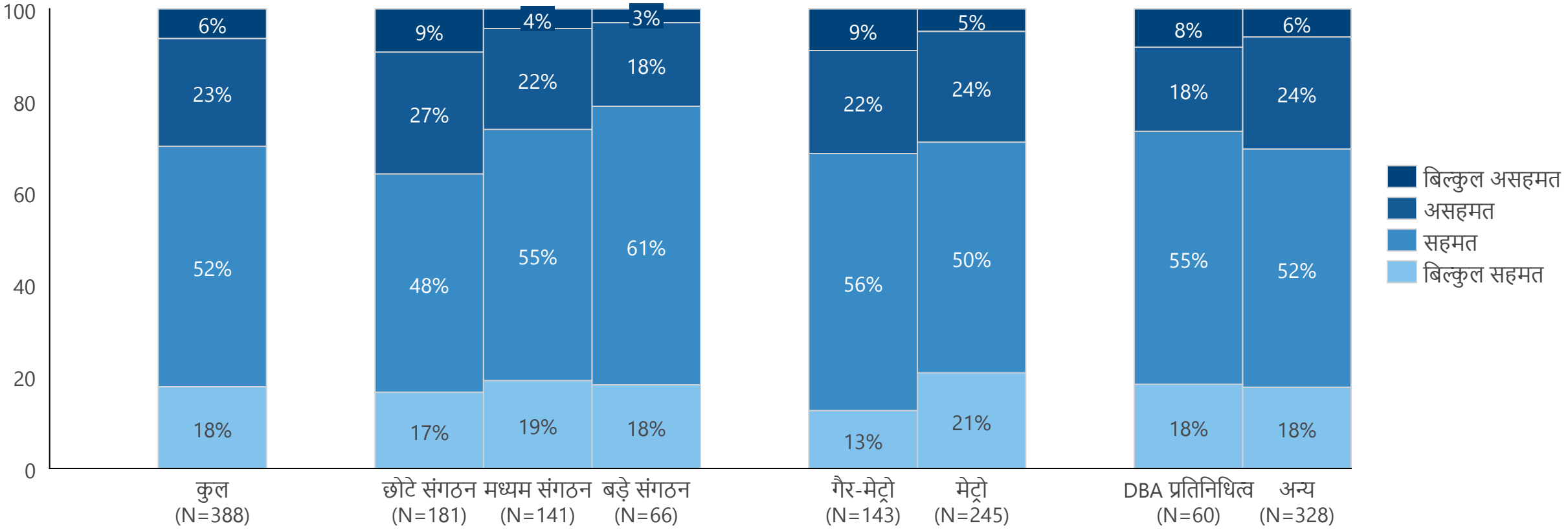

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 10: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(B) एक से अधिक फंडर्स ने हमसे ओडी में निवेश करने के बजाय प्रोग्राम्स में निवेश को प्राथमिकता देने के लिए कहा है |

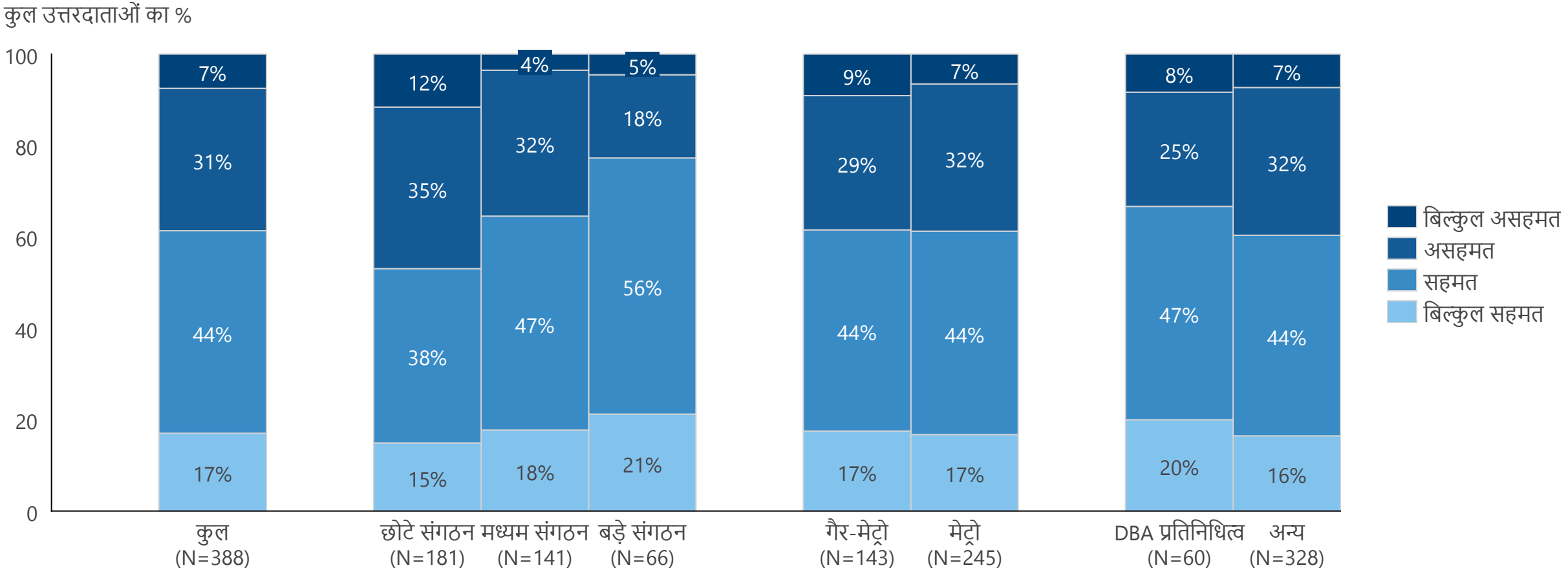

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 10: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(C) प्रोग्राम फंडिंग की अपेक्षा ओडी फंडिंग जुटाने में अधिक समय और संसाधन लगते हैं |

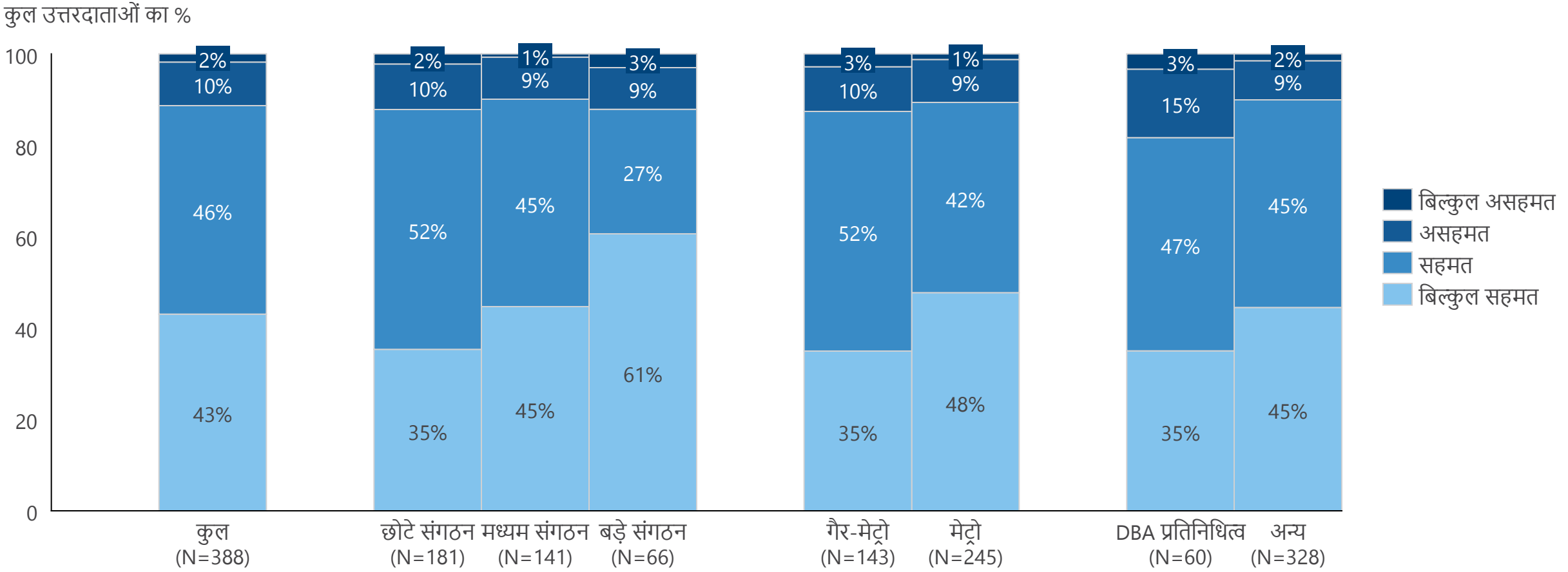

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 11: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(A) हम फंडिंग की कमी के कारण लीडरशिप में एक महत्वपूर्ण पद के लिए नियुक्ति नहीं कर पा रहे थे |

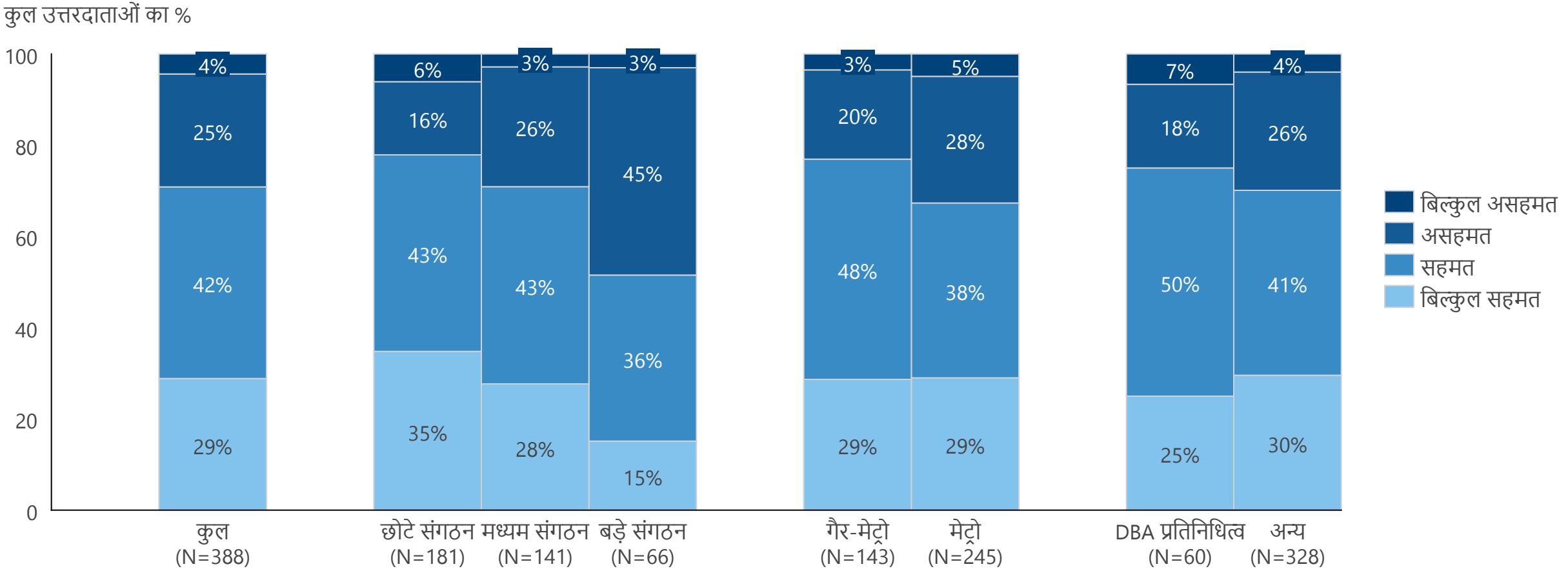

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 11: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(B) फंडिंग की कमी की वजह से हम कुछ ऐसे ओडी निवेश नहीं कर पाए हैं, जिनसे प्रोग्राम्स से बेहतर परिणाम मिल सकते थे |

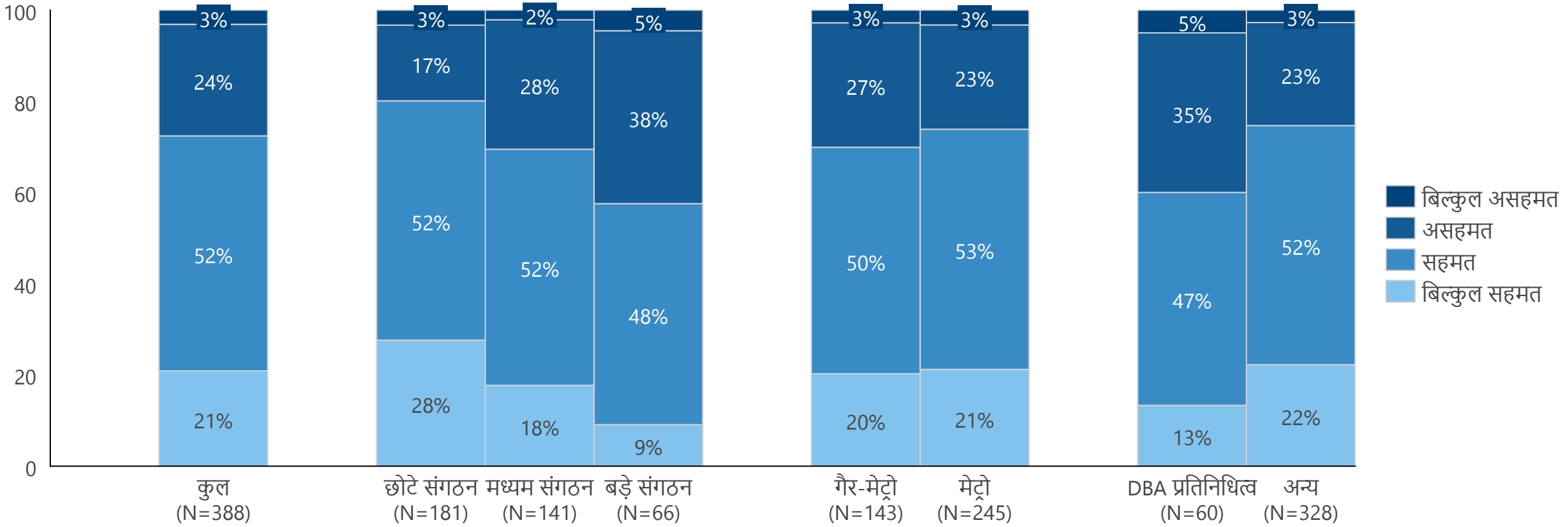

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 11: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(C) हमारा संगठन इस समय वित्त और मानव संसाधन जैसी टीम को आवश्यक संख्या से कम कर्मचारियों के साथ चला रहा है |

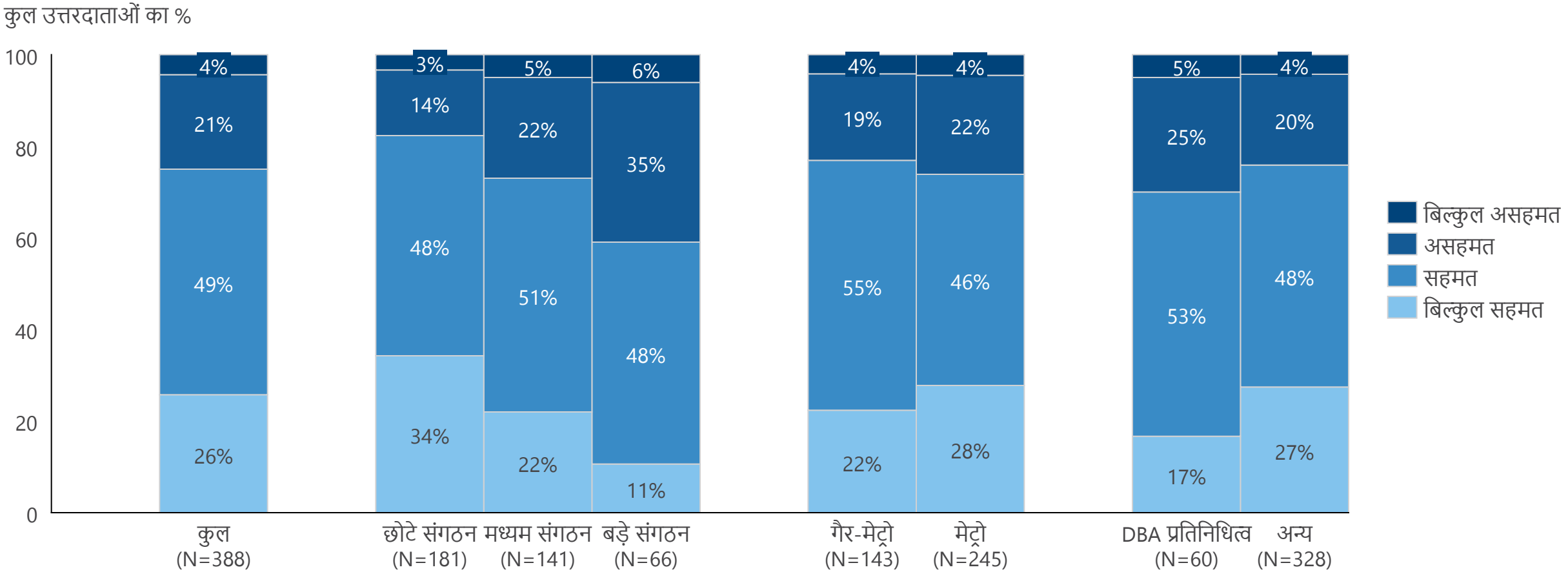

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 11: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(D) समर्पित फंडरेज़िंग टीम के अभाव में हम कई फंडरेज़िंग के अवसरों को गंवा देते हैं |

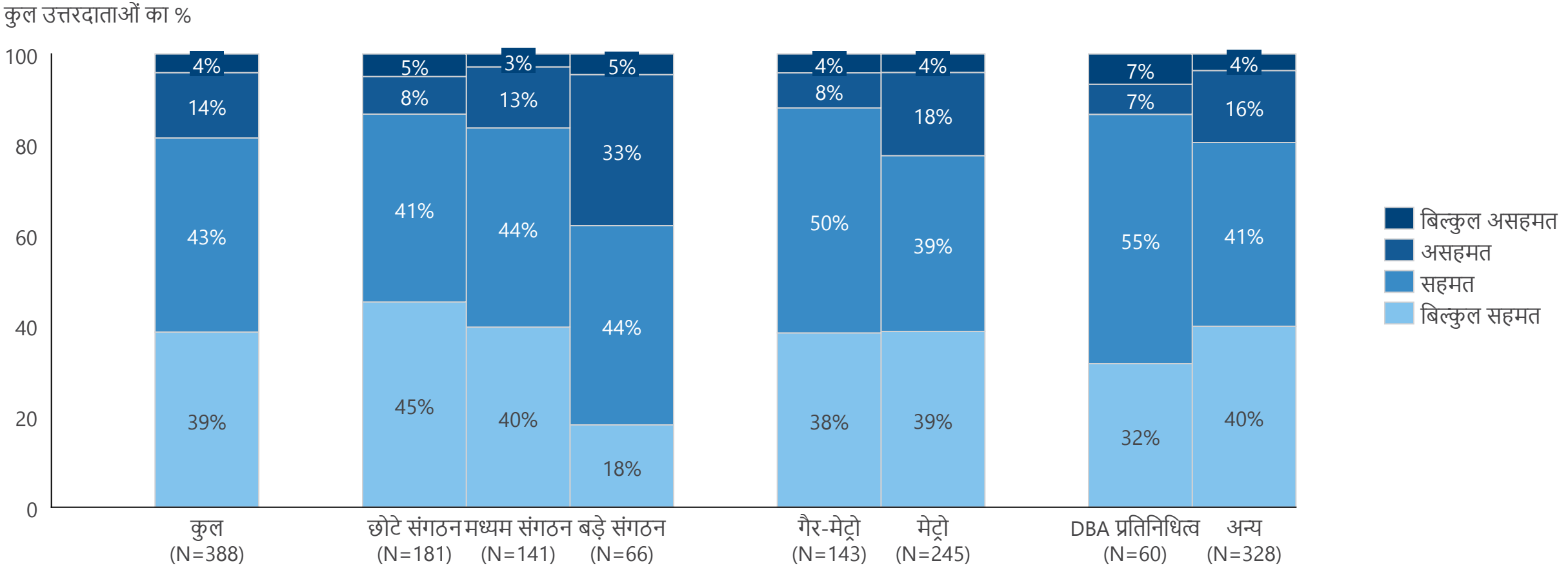

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 11: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(E) फ्लेक्सिबल / अप्रतिबंधित फंडिंग की कमी के कारण हम अपने प्रोग्राम्स में कुछ बेहतर और नया नहीं कर पा रहे हैं |

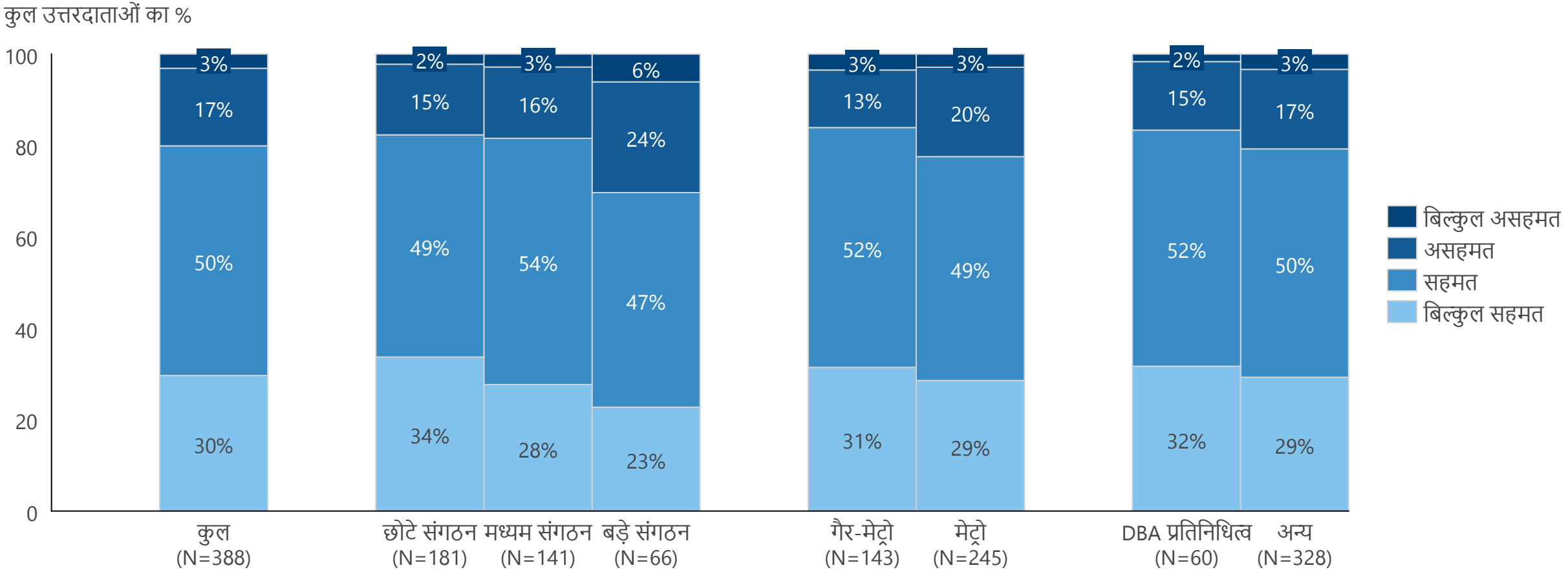

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

यह प्रश्न 2025 में भी पूछा गया था। डेटा देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 12: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(A) हमें ओडी पहलों में सहायता के लिए बाहरी सहयोगी संगठनों से जुड़ने की आवश्यकता महसूस होती है |

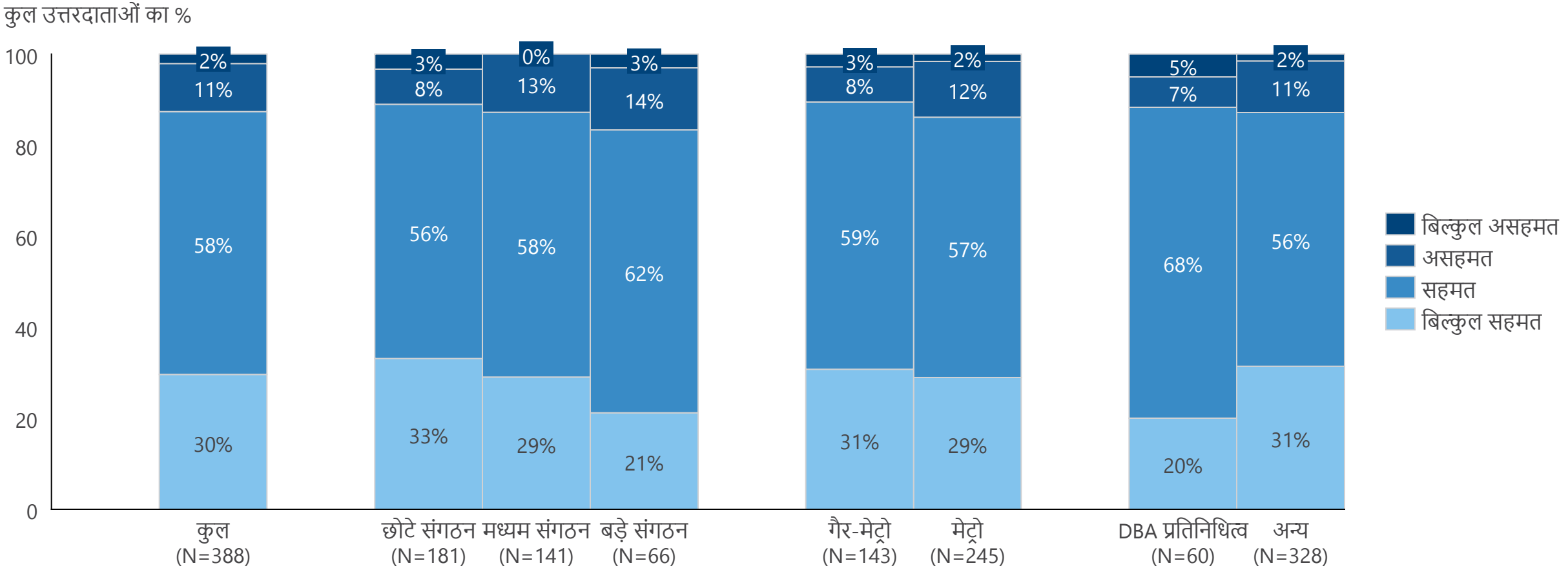

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 12: कृपया बताएं कि पिछले तीन वर्षों में आपके संगठन के कार्य संचालन के आधार पर आप निम्नलिखित कथनों से किस हद तक सहमत या असहमत हैं।

(B) हम ऐसे उच्च-गुणवत्ता वाले और किफायती सहयोगी संगठनों के बारे में नहीं जानते जो हमारी ओडी पहलों में मदद कर सकें |

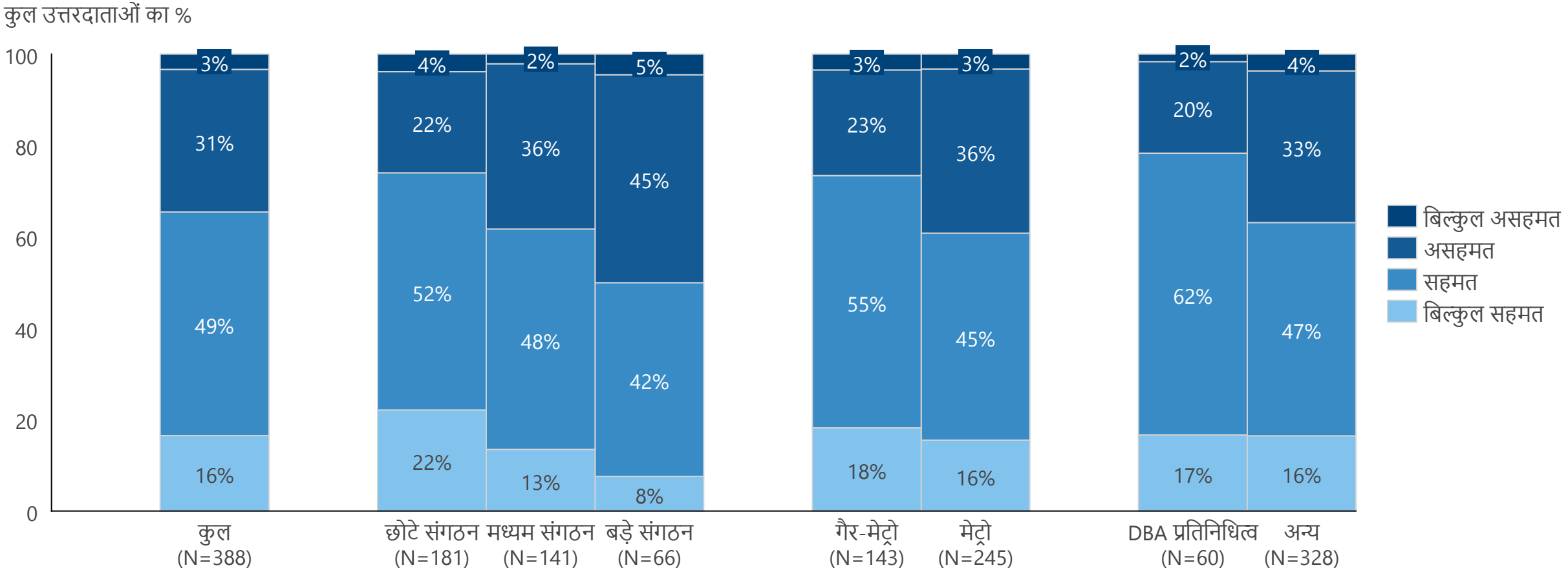

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 13: क्या आपके फंडर्स ने कोविड-19 के दौरान अपने ग्रांट्स को फ्लेक्सिबल बनाया था ?

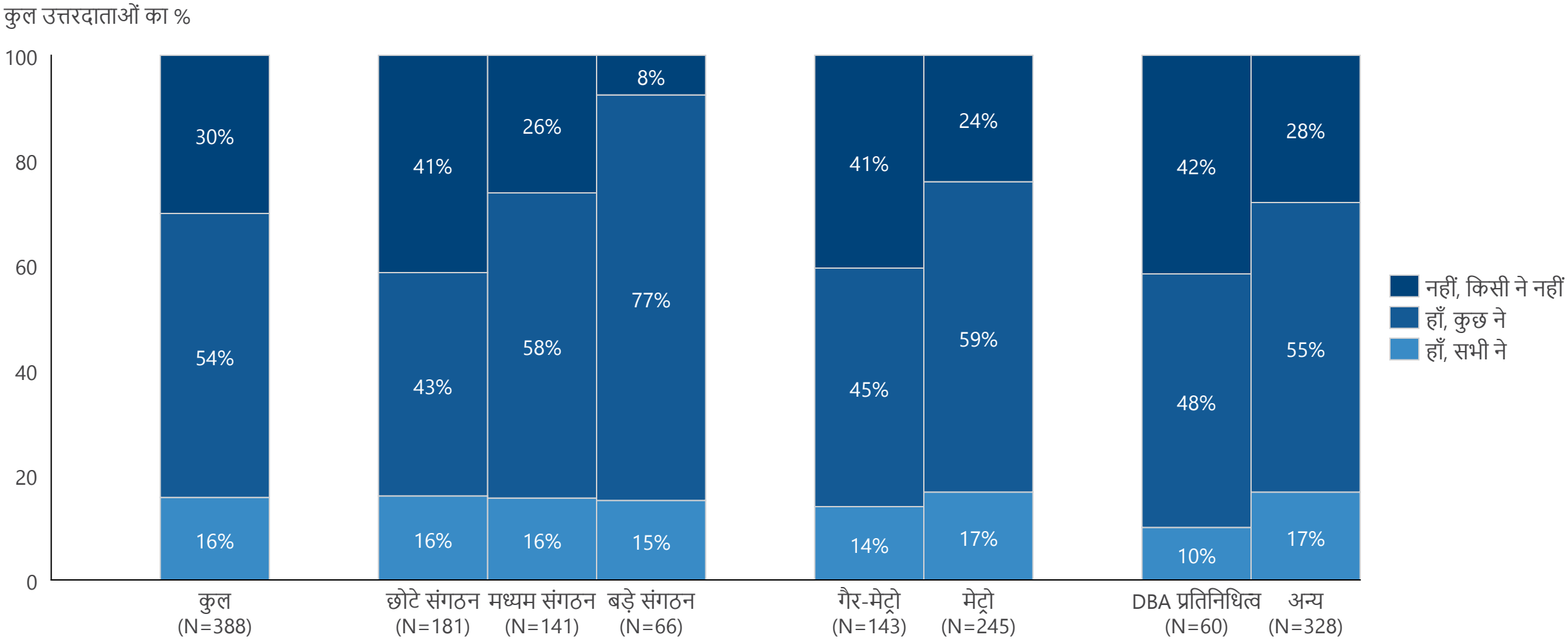

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 14: क्या आपके फंडर्स ने कोविड-19 राहत कार्यों के लिए फंडिंग को पुनर्निर्देशित करने की अनुमति दी थी ?

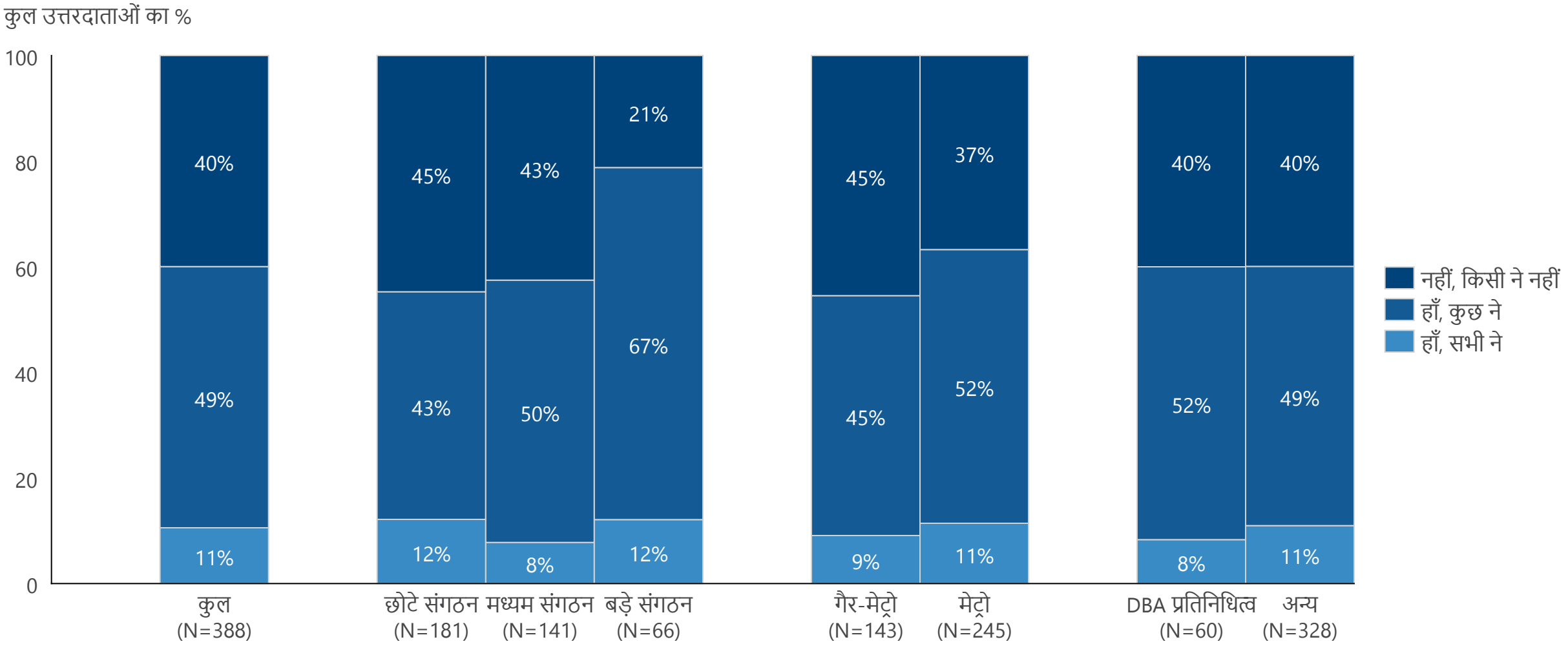

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 15: क्या आपके फंडर्स ने कोविड-19 के कारण अपनी निर्धारित प्रतिबद्धताओं (कमिटमेंट) को घटाया या रद्द किया था ?

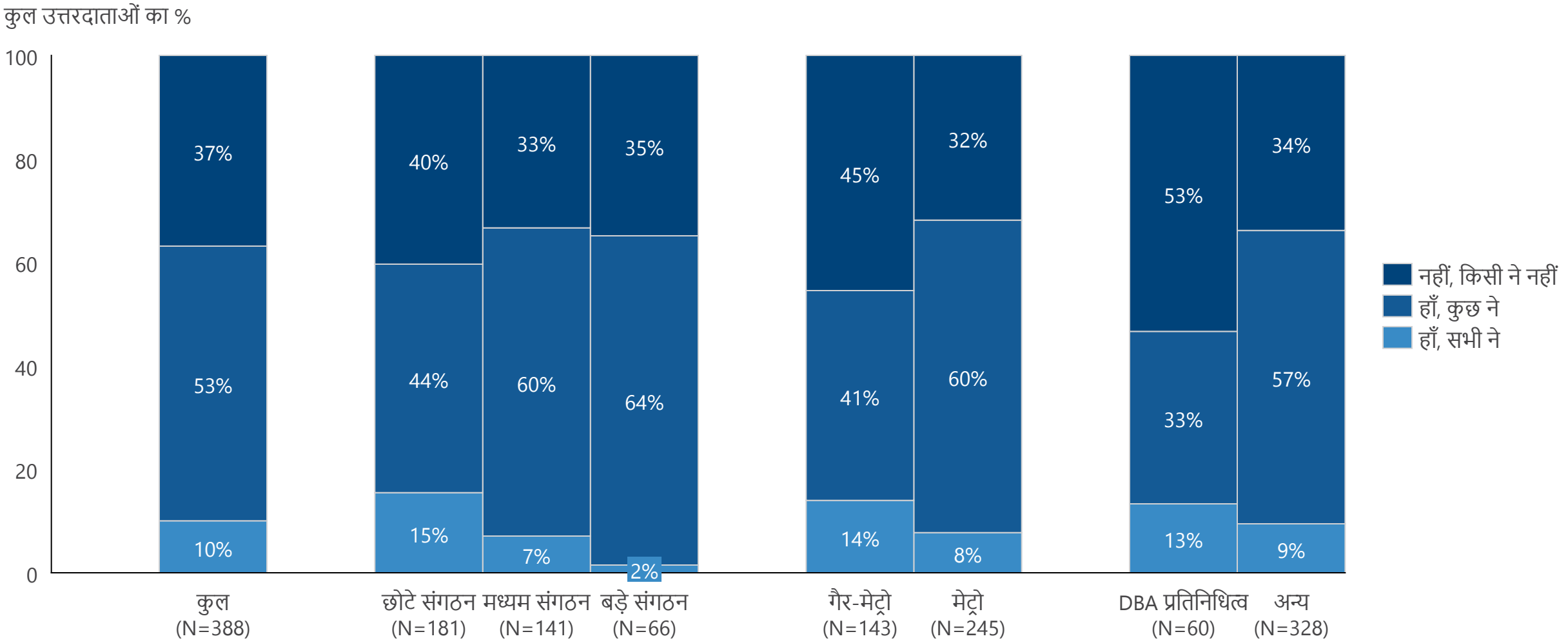

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

प्रश्न 16: कोविड-19 के परिणामस्वरूप, क्या आपके फंडर्स ने आपके संगठन की वित्तीय स्थिरता बढ़ाने के उपायों, जैसे कि रिज़र्व या कॉर्पस बनाने, के लिए कोई समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई या सूचना दी थी ?

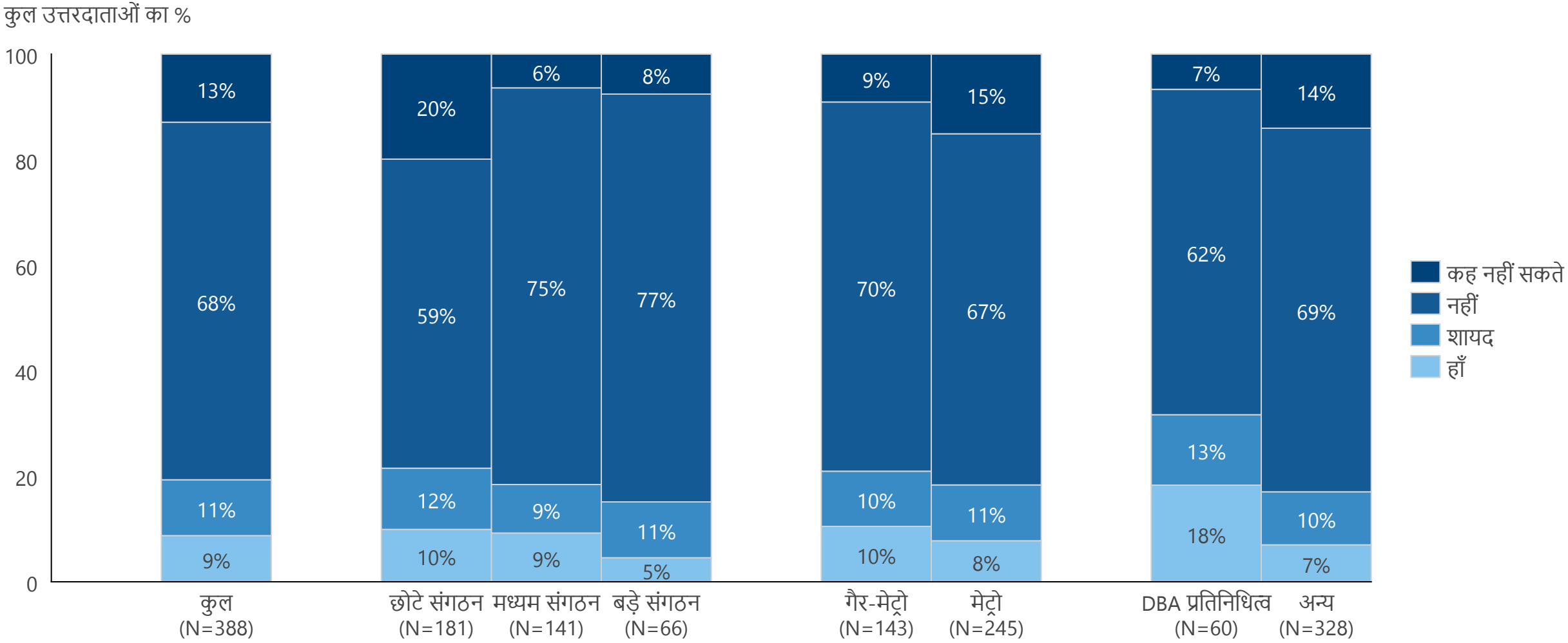

नोट:प्रतिशतों में थोड़े बहुत अंतर राउंडिंग के कारण हैं। **मेट्रो संगठन** वे हैं जिनके मुख्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में हैं। **छोटे संगठन** वे हैं जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से कम है, **मध्यम संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच है और **बड़े संगठन** जिनका वार्षिक बजट ₹10 करोड़ से अधिक है। **DBA प्रतिनिधित्व** वाले संगठन वे हैं जिनके नेता दलित, बहुजन या आदिवासी समुदाय से हैं।
स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

Q17: आपके संगठन की ट्रू कॉस्ट के लिए फंड जुटाने में आपको कौन-सी तीन बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ?

प्रतिक्रियाओं से सामने आई प्रमुख चुनौतियाँ (N=340):

- **ओवरहेड सीमा और प्रशासनिक खर्चों के लिए अपर्याप्त फंडिंग**
  - कई फंडर्स प्रशासनिक खर्चों की सीमा 5–10% तक रखते हैं, जिससे वास्तविक गैर-प्रोजेक्ट खर्च पूरे नहीं हो पाते। मैनेजमेंट का वेतन, किराया, अनुपालन, और तकनीकी खर्चों को अक्सर अनुमति नहीं दी जाती।
- **अल्पकालिक, परियोजना-आधारित फंडिंग (दीर्घकालिक साझेदारी का अभाव)**
  - अधिकांश फंडिंग एक वर्ष की परियोजनाओं से जुड़ी होती है। ओडी या संस्था निर्माण को कम ही शामिल किया जाता है। कई संस्थाओं के लिए फंडिंग मार्च 31 के साथ समाप्त हो जाती है।
- **अप्रतिबंधित फंडिंग, कॉर्पस या रिज़र्व का अभाव (और भुगतान में देरी)**
  - संगठनों के पास बिना अप्रतिबंधित फंडिंग और नकदी प्रवाह (cash flow) के लिए कॉर्पस नहीं होता | कई फंड्स पुनर्भुगतान (reimbursement) आधारित होते हैं या भुगतान में देरी होती है।
- **ओडी / क्षमता निर्माण के लिए फंडिंग का अभाव या प्राथमिकता में कमी**
  - नेतृत्व विकास, प्रणालियाँ, फंडरेज़िंग क्षमता, नीतियों और प्रक्रियाओं के विकास के लिए बहुत कम समर्थन मिलता है।
- **फंडर्स की कठोरता, जटिल प्रक्रियाएँ और असंगति**
  - कठोर लाइन आइटम, गैर-मानक प्रारूप और बदलाव की सीमित गुंजाइश के कारण अनुकूलन मुश्किल होता है। कुछ फंडर्स क्षमता या स्थिरता के बजाय केवल परिणामों को महत्व देते हैं।
- **नियामक बाधाएँ (FCRA / CSR और सरकारी नियम)**
  - FCRA संशोधन (जैसे 2020 में उप-अनुदान प्रतिबंध, 20% प्रशासनिक सीमा), CSR की गलत व्याख्याएँ और भारत सरकार के नियम ट्रू कॉस्ट फंडिंग को सीमित करते हैं ।
- **क्षेत्र और भौगोलिक पक्षपात**
  - कुछ क्षेत्रों (जैसे संस्कृति (culture),शहरी झुग्गी स्वास्थ्य (urban slum health)) में फंडर्स की रुचि कम होती है। फंडर्स अक्सर केवल "अपने क्षेत्र" या लोकप्रिय मुद्दों को ही फंड करते हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

पे-व्हॉट-इट-टेक्स (पीडब्ल्यूआईटी) इंडिया इनिशिएटिव एनजीओ सर्वे 2020

Q18: ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्चों, कॉर्पस निर्माण और/या ओडी के लिए धन जुटाने में कौन-सी चीज़ें ठीक चल रही हैं ?

ग़ैर-प्रोजेक्ट खर्चों, कॉर्पस निर्माण और/या ओडी के लिए धन जुटाने में सफलताएँ (N=295):

- **व्यक्तिगत दान (Retail giving) और ऑनलाइन माध्यमों से क्राउडफंडिंग**
  - कई एनजीओ व्यक्तिगत दानदाताओं (दोस्तों, परिवार, पूर्व छात्र, छोटे दानदाताओं और कुछ एच.एन.आई यानी उच्च आय वाले व्यक्तियों) से फ्लेक्सिबल या कॉर्पस ग्रांट प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, क्राउडफंडिंग और सोशल मीडिया अभियानों से छोटे, अप्रतिबंधित फंड्स मिलते हैं। कोविड-19 के दौरान ईमेल अभियानों और ऑनलाइन आयोजनों (गाला) ने फंड जुटाने में मदद की।
- **फ्लेक्सिबल / अंतरराष्ट्रीय फंडर्स, कोर और ओडी ग्रांट्स**
  - कुछ अंतरराष्ट्रीय या मिशन से जुड़े फंडर्स ने कोर खर्चों को फंड किया है, ओवरहेड की सीमा बढ़ाई है और कुछ ओडी खर्चों के लिए भी फंड दिया है।
- **प्रस्तावों (Proposals) में कोर लागत / ओडी को शामिल करना (स्पष्ट कारणों के साथ)**
  - कई सफल एनजीओ ने अपने प्रस्तावों में ओडी और कोर लागत से जुड़े खर्चों को शामिल किया — जैसे वित्त, मानव संसाधन (एचआर), मूल्यांकन (M&E), टेक्नोलॉजी आदि, और ओडी खर्चों को परिणामों से जोड़ने की कोशिश करी है।
- **भरोसा, पारदर्शिता और फंडर्स के साथ अच्छे संबंध**
  - नियमित रिपोर्टिंग, फील्ड विज़िट्स और पारदर्शी लेखांकन ने विश्वसनीयता बढ़ी है। फंडर संगठनों के अंदर मौजूद समर्थक कई बार ओडी या कोर फंडिंग हासिल करने में मदद करते हैं।
- **स्वयं अर्जित आय और आयोजन (events)**
  - जहाँ संभव हो, एनजीओ सलाहकार सेवाएँ, प्रशिक्षण, कंटेंट लाइसेंसिंग, उत्पाद बिक्री या फीस के माध्यम से आय कमाते हैं। वे अपने सामान्य फंड्स को बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों और आयोजनों का भी उपयोग करते हैं।

स्रोत: पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया एनजीओ सर्वे 2020, द ब्रिजस्पैन ग्रुप

The Bridgespan Group

धन्यवाद

पे-व्हॉट-इट-टेक्स इंडिया इनिशिएटिव

pwitindia@bridgespan.org